

Growth and Development

वृद्धि एवं विकास

Growth / वृद्धि

- The increase in the weight and size (length and weight) of the body and body parts is called growth. / शरीर व शारीरिक अंगों के भार एवं आकार (लम्बाई तथा वजन) में होने वाली बढ़ोतरी को वृद्धि कहा जाता है।
- Growth is a narrow concept that deals only with physical development. / वृद्धि एक संकुचित प्रत्यय है, जो केवल शारीरिक विकास से सम्बंधित होती है। Growth is quantitative numerous, that is, the changes occurring under growth can be measured, so growth is measurable. / वृद्धि मात्रात्मक / संख्यात्मक होती है, अर्थात् वृद्धि के अन्तर्गत होने वाले परिवर्तनों को मापा जा सकता है, अतः वृद्धि मापनीय होती है।
- Growth is a process that lasts for a certain time, growth in all organisms occurs only for a certain time, after a certain time growth stops. / वृद्धि एक निश्चित समय तक चलने वाली प्रक्रिया है, सभी जीवों में वृद्धि एक निश्चित समय तक ही होती है उसके बाद वृद्धि होना रूक जाती है।
- **Example:** The height of girls can increase till 16-18 years and the height of boys can increase till 18-22, after that the height increasing is stops. / **उदाहरण:** लड़कियों की लम्बाई 16-18 वर्ष तक तथा लड़कों की लम्बाई 18-22 तक बढ़ सकती है, इसके बाद लम्बाई बढ़ना रूक जाती है।



Development / विकास

Development is a comprehensive process/ concept that starts from the prenatal stage (embryonic stage) and continues till death. / विकास एक व्यापक प्रक्रिया / अवधारणा है, जो जन्मपूर्व अवस्था (भ्रूण अवस्था) से प्रारंभ होकर मृत्यु तक जारी रहती है।

- As a result of development, new abilities, and traits appear in the individual. / विकास के परिणाम स्वरूप व्यक्ति में नई योग्यताओं, क्षमताओं तथा लक्षणों का प्रकटीकरण होता है।
- In development, along with the physical side, it is related to the mental, social, emotional, cognitive, moral aspects. / विकास में शारीरिक पक्ष के साथ-साथ मानसिक, सामाजिक, संवेगात्मक, संज्ञानात्मक, नैतिक पक्षों से सम्बंधित होता है।
- Growth is also included in development, so development is "quantitative and qualitative". / विकास में वृद्धि भी सम्मिलित रहती है, इसलिए विकास "मात्रात्मक एवं गुणात्मक" होता है।
- Changes in development can be felt. / विकास में होने वाले परिवर्तनों को अनुभव किया जा सकता है।



Difference Between Growth & Development / वृद्धि एवं विकास में अन्तर

Growth / वृद्धि	Development / विकास
1. Growth occurs upto certain age / वृद्धि एक निश्चित आयु तक चलने वाली प्रक्रिया है।	• Development is a lifelong and continuous process. / विकास जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है।
2. Growth is a narrow concept. / वृद्धि संकुचित अवधारणा है।	• Development is a comprehensive concept. / विकास व्यापक अवधारणा है।
3. Growth is physical / वृद्धि शारीरिक होती है।	• Development is internal and multi- dimensional. / विकास आन्तरिक एवं बहुपक्षीय होता है।
4. Growth not follow certain order. / वृद्धि का कोई निश्चित क्रम होता है।	• Development follow a certain order. / विकास का निश्चित क्रम नहीं है।
5. Growth can be measured and weighed. / वृद्धि को मापा - तौला जा सकता है।	• Development is observable on the basis of behavior / विकास को व्यवहार के आधार पर महसूस किया जाता है।
6. The growth is clearly visible. / वृद्धि स्पष्ट दिखाई देती है।	• Development is not clearly visible. / विकास स्पष्ट दिखाई नहीं देता।
7. Growth is a part of development itself. / वृद्धि विकास का ही हिस्सा होती है।	• Development is independent and all-round. / विकास स्वतंत्र व चहुँमुखी होता है।

Principles of Development / विकास के सिद्धांत

1. Principle of Direction of Development / विकास की दिशा का सिद्धांत

- There is a definite direction of development. / विकास की एक निश्चित दिशा होती है।
 - (i) Cephalocaudal from the brain (head) to the feet (Head to toe) / सिफेलोकोडल (मस्तिष्क से पैरों की ओर)
This theory is also called the theory of head to toe) growth. / इस सिद्धांत को मस्तिष्क/ मुखी शिरोपादीय विकास का सिद्धांत भी कहते हैं।
 - (ii) Proximodistal: Proximal to distal / Center to periphery / Spinal cord to arms, hands and fingers / Inside to outside / प्रोक्सिमोडिस्टल: समीपस्थ से दूरस्थ / केन्द्र से परिधी की ओर / रीढ़ की हड्डी से भुजाओं, हाथों तथा अंगुलियों की ओर / अन्दर से बाहर की ओर

2. Principle of Uniform Pattern / समान प्रतिमान का सिद्धांत

- According to this theory, each organism follows the same development pattern of its species, that is, the development pattern of different organisms of the same species is the same throughout the world. / इस सिद्धांत के अनुसार प्रत्येक जीव अपनी जाति के समान विकास प्रतिमान का अनुसरण करता है, अर्थात् एक ही जाति के विभिन्न जीवों का विकास पैटर्न पूरे विश्व में एक समान होता है।

3. Principle of Certain Order / निश्चित क्रम का सिद्धांत

- Development takes place according to a definite sequence, as life begins with embryonic stage, followed by infancy, childhood, adolescence, puberty, adulthood and old age respectively. / विकास एक निश्चित क्रम के अनुसार होता है, जैसे जीवन का प्रारम्भ भ्रूणावस्था से होता है उसके बाद क्रमशः शैशवावस्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था, युवावस्था, प्रौढावस्था एवं वृद्धावस्था आती है।

- Similarly, all children first learn to turn, then sit, kneel, stand, walk and run respectively. / इसी प्रकार सभी बालक पहले पलटना सीखते हैं, उसके बाद क्रमशः बैठना, घुटनों के बल चलना, खड़ा होना, चलना तथा दौड़ना सीखता है।

4. Principle of Different rate of Development / विकास की विभिन्न गति का सिद्धांत

- Although the development order of two organisms of the same species is the same, but the speed and rate of development in those two organisms is not always the same, even the speed of development is not the same throughout the life time of the organism, it varies according to different stages. / यद्यपि एक ही जाति के दो जीवों का विकास क्रम समान होता है, किन्तु उन दोनों जीवों में विकास की गति एवं दर हमेशा एक समान नहीं रहती है, यहाँ तक ही जीव के पूरे जीवन काल में भी विकास की गति समान नहीं होती है, यह भिन्न-भिन्न अवस्थाओं के अनुसार परिवर्तित होती रहती है।

5. Principle of Continuity / निरन्तरता का सिद्धांत

- Development starts from the pre-natal stage (embryo) and continues till death, the speed of development can be slow and sometimes high, but development never stops, it continuously proceed / विकास जन्म-पूर्व अवस्था (भ्रूणावस्था) से ही प्रारम्भ हो जाता है तथा मृत्यु तक चलता रहता है, विकास की गति कभी कम तो कभी अधिक हो सकती है, किन्तु विकास कभी रुकता नहीं है, यह अनवरत चलता रहता है।

6. Principle of General to Specific / सामान्य से विशिष्टता का सिद्धांत

- The development is from general to specific, that is, in children the general symptoms appear first and the specific symptoms occurs later. / विकास सामान्य से विशिष्ट होता है, अर्थात् बालकों में सामान्य लक्षण पहले प्रकट होते हैं तथा विशिष्ट लक्षणों का विकास बाद में होता है।

7. Principle of Integrity / Principle of whole to parts / एकीकरण का सिद्धांत / पूर्ण से अंश की ओर का सिद्धांत

- The child first learns to operate / move his complete organs and then learns to operate the parts of the organs and finally learns to coordinate the different parts of the organs. / पहले अपने पूर्ण अंगों का संचालन करना सीखता है तथा उसके बाद अंगों के भागों को चलाना सीखता है एवं अन्त में अंगों के विभिन्न भागों में समन्वय करना सीख जाता है।

8. Principle of Individual Differences / व्यक्तिगत विभिन्नता का सिद्धांत

- Development follows individual differences, that is, differences are found in any two children of the same age on the basis of their color, size, temperament, height, linguistic, emotional, physical structure. These differences occurs due to variation in heredity, nutrition, environment etc. / विकास व्यक्तिगत विभिन्नता का पालन करता है, अर्थात् एक ही आयु के कोई भी दो बालकों में उनके रंग, आकार, स्वभाव, लम्बाई, भाषायी, संवेगात्मक, शारीरिक बनावट के आधार पर भिन्नता पाई जाती है। ये विभिन्नताएं वंशानुक्रम, पोषण, वातावरण आदि में अन्तर के कारण होती हैं।

9. Principle of Heredity & Environment / वंशानुक्रम एवं वातावरण का सिद्धांत

- The development of any individual is the result of the interaction of heredity and environment. / किसी भी व्यक्ति का विकास वंशानुक्रम एवं वातावरण की अन्तर्क्रिया का परिणाम होता है।
- Both of these play an important role in the development of any person. / किसी भी व्यक्ति के विकास में इन दोनों का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

According to Woodworth / वुडवर्थ के अनुसार

- "Development is the product of the interaction of heredity and environment." / "विकास वंशानुक्रम एवं वातावरण की अंतर्क्रिया के गुणनफल का परिणाम है।"
- Development = Heredity x Environment / विकास = वंशानुक्रम x वातावरण

10. Principle of Spiral Motion / वर्तुलाकार गति का सिद्धांत

- Development is not linear / vertical, but circular / spiral, that is, if the length of the child increases, then its width will also increase, that is, development takes place from all directions. / विकास रेखीय / लम्बवत न होकर वर्तुलाकार / चक्रकार / सर्पिलाकार होता है, अर्थात् यदि बालक की लम्बाई में वृद्धि होगी तो उसकी चौड़ाई में भी वृद्धि होगी, अर्थात् विकास सब दिशाओं से होता है।

Sequential Pattern of Development can be seen in two Directions / विकास के अनुक्रमिक स्वरूप को दो दिशाओं में देखा जा सकता है


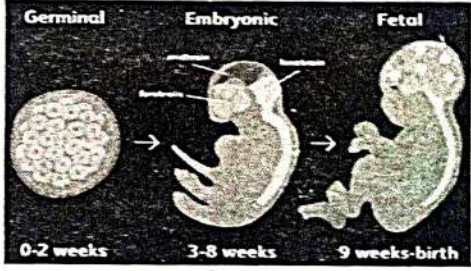


- **Cephalo-caudal sequence:** It means that development spreads over the body from head to foot, i.e. individual begins to grow from head region downwards. / **शीर्षगामी अनुक्रम:** इसका अर्थ है कि विकास शरीर में सिर से पैर तक फैलता है, अर्थात् व्यक्ति सिर के क्षेत्र से नीचे की ओर बढ़ने लगता है।
For example, The child first gain control on her head, then she could catch hold of objects, sit, crawl, and later she could stand and walk. / **उदाहरण के लिए,** बच्चा पहले अपने सिर पर नियंत्रण हासिल करता है, फिर वह वस्तुओं को पकड़ता है, वह बैठ सकता है, रेंग सकता है और बाद में फिर वह उड़ा होकर चल सकता है।
- **Proximodistal sequence:** It means that the development proceeds from the central part of the body towards the peripheries. In this sequence, the spinal cord of the individual develops first, and then outward development takes place. / **अधोगामी अनुक्रम:** इसका अर्थ है कि विकास शरीर के मध्य भाग से परिधि की ओर बढ़ता है। इस क्रम में पहले व्यक्ति की रीढ़ की हड्डी का विकास होता है और उसके बाद बाहरी विकास होता है।
For example, the child could use her arms before her hands and use her hands before she could control the movement of her fingers. / **उदाहरण के लिए,** बच्चा अपने हाथों से पहले अपनी बांहों का उपयोग कर सकता है और अपनी उंगलियों की गति को नियंत्रित करने से पहले अपने हाथों का उपयोग कर सकता है।



Domains of Development / विकास के क्षेत्र

Physical development / शारीरिक विकास	It refers to the physical changes that occur in humans throughout life. / यह जीवन भर मनुष्यों में होने वाले शारीरिक परिवर्तनों को संदर्भित करता है।
Cognitive development / संज्ञानात्मक विकास	It refers to the development of the ability to reason, think, perceive and solve a problem. / यह किसी समस्या को तर्क करने, सोचने, समझने और हल करने की क्षमता के विकास को संदर्भित करता है।
Social development / सामाजिक विकास	It refers to the development of social skills and values across the lifespan. / यह जीवन भर सामाजिक कौशल और मूल्यों के विकास को संदर्भित करता है।

Emotional development / संवेगात्मक विकास	It refers to the development of the ability to control and manage one's own emotions as well as those of others. / यह अपनी और दूसरों की भावनाओं को नियंत्रित और प्रबंधित करने की क्षमता के विकास को संदर्भित करता है।
Language development / भाषा विकास	It refers to the development of the ability to understand, perceive and use language. / यह भाषा को समझने, देखने और उपयोग करने की क्षमता के विकास को संदर्भित करता है।

Stages of Development / विकास के चरण

Prenatal / प्रसवपूर्व 	<ul style="list-style-type: none"> The period from the Conception to the Birth of the child is known as the 'Prenatal period'. / गर्भधारण से लेकर बच्चे के जन्म तक की अवधि को 'प्रसवपूर्व अवधि' के रूप में जाना जाता है। It has three stages which include: / इसके तीन चरण हैं जिनमें शामिल हैं: <ul style="list-style-type: none"> Germinal period: First 2 weeks after conception. / निषेचन अवस्था: गर्भाधान के बाद पहले 2 सप्ताह। Embryonic period: 8 weeks from conception. / भ्रूणीय अवस्था: गर्भाधान से 8 सप्ताह। Fetal Period: 9 weeks until birth or 38 to 40 weeks. / गर्भस्थ अवस्था: जन्म तक 9 सप्ताह या 38 से 40 सप्ताह। 
Infancy / शैशवावस्था 	<ul style="list-style-type: none"> A rapid rate of development is the characteristic of this stage. / विकास की तीव्र गति इस अवस्था की विशेषता है। This period is characterized by one of the tremendous stages of motor development. / इस अवधि को गत्यात्मक विकास के जबरदस्त चरणों में से एक की विशेषता है। The child begins to gain specific muscle control so as to enable him to do some voluntary movements. / बच्चा विशिष्ट मांसपेशी नियंत्रण प्राप्त करना शुरू कर देता है ताकि वह कुछ स्वेच्छिक गतिविधियों को करने में सक्षम हो सके।
Childhood / बाल्यावस्था 	<ul style="list-style-type: none"> The period of childhood usually occurs during the age of 2 to 12 years which is further divided as early childhood (2-6 years) and later childhood (6-12 years). / बाल्यावस्था की अवधि आमतौर पर 2 से 12 वर्ष की आयु के दौरान होती है जिसे आगे पूर्व बाल्यावस्था (2-6 वर्ष) और उत्तर बाल्यावस्था (6-12 वर्ष) के रूप में विभाजित किया जाता है। Early childhood: / पूर्व बाल्यावस्था: <ul style="list-style-type: none"> The growth rate during this period is slower and steadier than in infancy. / इस अवधि के दौरान विकास दर शैशवावस्था की तुलना में धीमी और स्थिर होती है। The brain continues to grow rapidly, achieving 90 percent of its full weight. / मस्तिष्क अपने सम्पूर्ण भार का 90 प्रतिशत प्राप्त करते हुए तेजी से बढ़ता रहता है।

	<ul style="list-style-type: none"> • Hand preference (whether left-handed or right-handed) is established at this period. / इस अवधि में प्रत्यक्ष करीयता (चाहे बाएँ हाथ या दाएँ हाथ) स्थापित की जाती है। • Later childhood: / उत्तर बाल्यावस्था: <ul style="list-style-type: none"> • Children learn motor skills like throwing and running. / बच्चे फेंकना और दौड़ना जैसे गत्यात्मक कौशल सीखते हैं। • The child's thinking develops rapidly and his/her store of information grows at a fast pace. / बच्चे के चिंतन का तेजी से विकास होता है और उसकी सूचनाओं का भंडार तेज गति से बढ़ता है। • School-age children develop closer ties with their peers. / विद्यालयी आयु के बच्चे अपने साथियों के साथ घनिष्ठ संबंध विकसित करते हैं।
<p>Adolescence / किशोरावस्था</p> 	<ul style="list-style-type: none"> • It is considered to be a Transitional period between childhood and adulthood. / इसे बाल्यावस्था और वयस्कता के बीच एक परिवर्तनकालीन अवधि माना जाता है। • During this time, the final height is achieved, internal organs and systems reach adult size and sexual maturity is reached. / इस समय के दौरान, अंतिम ऊँचाई प्राप्त की जाती है, आंतरिक अंग और प्रणालियाँ वयस्क आकार तक पहुँच जाती हैं और यौन परिपक्वता तक पहुँच जाती है। • Girls tend to enter adolescence earlier than boys. / लड़कियों का किशोरावस्था में प्रवेश लड़कों की अपेक्षा पहले होता है। • The children develop the ability to think in abstract terms. / बच्चे अमूर्त शब्दों में चिंतन की क्षमता विकसित करते हैं।

Debates of Growth and Development

वृद्धि और विकास के वाद-विवाद

1. Nature vs. Nurture / प्रकृति बनाम पोषण

- The term 'Nature' stands for what comes to children through genetic influences and heredity. / शब्द 'प्रकृति' का अर्थ है कि आनुवंशिक प्रभावों और आनुवंशिकता के माध्यम से बच्चों में क्या आता है।
- On the other hand, the term 'Nurture' stands for the influence of the environment on child development, i.e. all the contextual factors that influence who we are, including our perceptions of early childhood, our social relationships and the society around us. / दूसरी ओर, 'पोषण' शब्द का अर्थ बाल विकास पर पर्यावरण के प्रभाव से है, अर्थात् वे सभी संदर्भ कारक जो हम पर प्रभाव डालते हैं, जिनमें प्रारंभिक बाल्यावस्था की धारणाएँ, हमारे सामाजिक रिश्ते और हमारे आसपास का समाज शामिल हैं।

2. Continuity vs Discontinuity / निरंतर बनाम अनिरंतरता

- The **Continuous- Discontinuous** issue addresses how developmental events manifest a smooth progression across the life stages (continuity) or a series of distinct stages (discontinuity). / निरंतर-अनिरंतरता यह बताती है कि कैसे विकासात्मक घटनाएँ जीवन के चरणों (निरंतरता) या अलग-अलग चरणों (अनिरंतरता) की एक श्रृंखला में एक सहज प्रगति को प्रकट करती हैं।

- '**Discontinuity**' in the developmental process refers to new ways of understanding the world that emerge during the process of development. / विकासात्मक प्रक्रिया में 'अनिरंतरता असंततता' दुनिया को समझने के नए तरीकों को संदर्भित करती है, जो विकास की प्रक्रिया के दौरान उभरती हैं।
- The Discontinuity approach gives rise to '**Stage theories**'. / असंबद्धता दृष्टिकोण चरण सिद्धांतों को जन्म देता है।

3. Universality vs. Context Specific: / सार्वभौमिकता बनाम संदर्भ

- **Universal** assumption of development assumes that the path of development is common to all individuals. / विकास की सार्वभौमिक धारणा मानती है कि विकास का मार्ग सभी व्यक्तियों के लिए समान है।
- The extent to which the developmental changes are different across cultures, community, society and individuals is an issue of '**context-specific**' development. / संस्कृतियों, समुदाय, समाज और व्यक्तियों में विकासात्मक परिवर्तन किस हद तक भिन्न हैं, यह 'संदर्भ-विशिष्ट' विकास का एक मुद्दा है।

4. Activity vs Passivity / सक्रियता बनाम निष्क्रियता

- The first issue of '**Activity**' assumes that in the development process the individual is active / 'सक्रिय' का पहला मुद्दा मानता है कि विकास प्रक्रिया में व्यक्ति सक्रिय है।
- On the other hand, '**Passivity**' in development suggests that individual accepts as it is whatever is coming in the pathway of development. / दूसरी ओर, विकास में 'निष्क्रियता' से पता चलता है कि व्यक्ति स्वीकार करता है क्योंकि यह विकास के मार्ग में जो कुछ भी आ रहा है उसे स्वीकार करता है।

5. Stability vs change / स्थिरता बनाम परिवर्तन

- **Stability** is the quality, state or degree of being stable / स्थिरता स्थिर होने की गुणवत्ता, अवस्था या अंश है
- **Change** is an act or process through which something becomes different. / परिवर्तन एक क्रिया या प्रक्रिया है जिसके माध्यम से कुछ अलग होता है।

Developmental Milestones / विकासात्मक पड़ाव

Infancy: Birth to 2 Years / शैशवावस्था: जन्म से 2 वर्ष तक

1. Physical Development / शारीरिक विकास

Age (Months) / आयु (महीने)	Movement / गति
2 to 3 months / 2 से 3 माह	Lifting of the head and pushing up on his arms / सिर को उठाना और अपनी बांहों को ऊपर उठाना
4 months / 4 माह	Rolling over / पलटना
4-5 months / 4-5 माह	Grasp a toy / खिलौना पकड़ना
6 months / 6 माह	Sit up unassisted / बिना सहायता के बैठना
7-10 months / 7 से 10 माह	Crawling / रेंगना / खिसकना

After 10 months / 10 माह	Learn to stand / खड़े होना सीखना
9-12 months / 9 से 12 माह	Grasp-hold-first two finger / मजबूत पकड़-पहली दो उँगली
15 months / 15 माह	Climb stairs, high chairs, and furniture / सीढ़ियाँ, ऊँची कुर्सियाँ और फर्नीचर पर चढ़ना
18 months / 18 माह	More stable (walking backwards, sideways, in circles, and even running) / अधिक स्थिर (पीछे की ओर चलना, बगल में, मंडलियों में, और यहाँ तक कि दौड़ना)
24 months / 24 माह	Jump, begin peddling their first tricycle / कूदना, पहली तिपहिया साइकिल चलाने की शुरुआत

2. Language Development / भाषा विकास

Age (Months) / आयु (महीने)	Language Development / भाषा विकास
2-3 months / 2-3 माह	Cooing (vowel sounds) - show pleasure / कूइंग - (स्वर-लगाना) - आनंद दिखाना
3-4 months / 3-4 माह	Add more verbal-b, k, m, g / अधिक मौखिक जुड़ना-बी, के, एम, जी
4 months / 4 माह	Vowel sounds and consonant sounds-gaga, ahpoo (no meaning) / स्वर धनियाँ और व्यंजन धनियाँ- गागा, आहपू (कोई अर्थ नहीं)
5 months / 5 माह	Learn the musical sound and speech / संगीत ध्वनि और भाषण सीझता है
6 months / 6 माह	Babble / तुतलाना
7 months / 7 माह	Speaking, imitate sounds-moo (English for the cow's sound) / बोलते हुए, ध्वनि-मू की नकल करें (गाय की ध्वनि के लिए अंग्रेजी)
8 months / 8 माह	Connect sounds-actual ideas (milk) / कनेक्ट धनियाँ-वास्तविक विचार (दूध)
9-12 months / 9-12 माह	Mama, dada / मामा, दादा
12 months / 12 माह	2-3 words (expressive vocabulary) / 2-3 शब्द (अभिव्यंजक शब्दावली)
18-24 months / 18-24 माह	Telegraphic speech (2 to 3 words-simple phrases) / टेलीग्राफिक भाषण (2 से 3 शब्द- सरल वाक्यांश)
20 months / 20 माह	50 words / 50 शब्द
24 months / 24 माह	100 Words / 100 शब्द

3. Cognitive Development / संज्ञानात्मक विकास

- Piaget-Reflexive behaviors / पियाजे-प्रतिवर्ती व्यवहार
- 2 milestones - Goal-directed behaviors, Object Permanence / 2 लक्ष्य - निर्देशित व्यवहार, वस्तु स्थायित्व

4. Emotional/Social Development / भावनात्मक/सामाजिक विकास

Age (Months) / आयु (महीने)	Movement / गति
2-3 months / 2-3 माह	Social smile / सामाजिक मुस्कान
4 months / 4 माह	Laugh spontaneously / अनायास हँसना

2-6 months / 2-6 माह	Anger, sadness, surprise, and fear / क्रोध, उदासी, आश्चर्य और भय
5-6 months / 5-6 माह	Stranger anxiety / अजनबी चिंता
6 months / 6 माह	Mimic the emotions / भावनाओं की नकल करना
8-10 months / 8-10 माह	Separation anxiety / अलग होने की चिंता
9 months / 9 माह	Displeasure or sadness / नाराजगी या उदासी
9 to 10 months / 9-10 माह	Intense sadness/frustration/anger / तीव्र उदासी/निराशा/क्रोध
11 months / 11 माह	Emotional instability / भावनात्मक असंतुलन
12 months / 12 माह	Jealousy / ईर्ष्या करना
13-18 months / 13-18 माह	Separation anxiety subside(object permanence) / अलगाव चिंता कम हो जाती है (वस्तु स्थायित्व)
15-18 months / 15-18 माह	Fretful and easily frustrated-tantrums / झल्लाहट और आसानी से निराशा-गुस्सा करना
21 months / 21 माह	Less fretful and more relaxed / कम झल्लाहट और अधिक आराम
24 months / 24 माह	Empathy (apologizing) / सहानुभूति (क्षमा)

Early Childhood (2 years to 6 years) / पूर्व बाल्यावस्था 2 वर्ष से 6 वर्ष

1. Physical Development / शारीरिक विकास

- Growth of legs is rapid (1/2 of height) / पैरों का विकास तेजी से होता है (ऊंचाई का 1/2)
- 3 year boy- 33 pounds, 38 inches (girl shorter - lighter) / 3 साल का लड़का-33 पाउंड, 38 इंच (लड़की छोटी और हल्की)
- 5 year boy-43 inches, 43 pounds / 5 साल का लड़का-43 इंच, 43 पाउंड
- Muscles develop at a very rapid speed (Larger muscles better) / मांसपेशियां बहुत तेज गति से विकसित होती हैं। (बड़ी मांसपेशियां बेहतर तरीके से विकसित होती हैं)
- Brain develops 90% / मस्तिष्क 90% विकसित होता है।

2. Perceptual Development / अवधारणात्मक विकास

Motor / गति	2 Years / 2 वर्ष	3 Years / 3 वर्ष	4 - 5 Years / 4-5 वर्ष
Development / विकास	Walks without help, jumps, runs / बिना मदद के टहलना, उछलना, दौड़ना	Skips, hops / उछलता कूदता है।	Free and active movements responds to music / मुक्त और सक्रिय गति संचालन संगीत के प्रति प्रतिक्रिया करता है।
Fine motor coordination / सूक्ष्म गतिक समन्वयन	Copying / नकल करना	Can match Shapes / आकारों को मिला सकता है।	Can name colours / रंगों को नाम दे सकता है।
Perceptual / अवधारणात्मक विकास	Identifies self, matches colours / स्वयं को पहचानता है रंगों को मिलाता है।	Can fit nets- Boxes / पाशों को ठीक कर सकता है।	Matches shapes and colours, distinguishes /names. / आकार और रंगों को मिला सकता है और पहचान सकता है।

Vocalization / उच्चारण	200 words / 200 शब्द	900 words / 900 शब्द	Can repeat 4 digits 2000 to 3000 words / 4 अंकों को दोहरा सकता है। 2000 से 3000 शब्द
Adaptive behaviour / अनुकूली व्यवहार	Bowel control / अंत पर नियंत्रण	Builds blocks, draw a man / ब्लॉक / खंड बनाता है, एक आदमी की आकृति खींच सकता है।	Draws body with details / विस्तार से शरीर को खींच सकते हैं

3. Language Development / भाषा विकास

Age / उम्र	Vocabulary / शब्दावली	Age / उम्र	Vocabulary / शब्दावली
1 Years / 1 साल	3	4 Years / 4 साल	1560
2 Years / 2 साल	272	5 Years / 5 साल	2562
3 Years / 3 साल	896		

4. Cognitive Development / संज्ञानात्मक विकास

- Accelerated after the age of 2 / 2 की उम्र के बाद तेजी से होता है
- Physical and social reality / भौतिक और सामाजिक वास्तविकता
- 6 year- develops perception of size, shape, colour time and distance / 6 वर्ष - आकार, आकार, रंग समय और दूरी की धारणा विकसित करता है
- Memory increases-Rote memorization / स्मरण शक्ति बढ़ती है- रटकर याद करना
- Creativity develops-Imagination begins / रचनात्मकता विकसित होती है- कल्पना शुरू होती है
- Concrete Thinking and Reasoning develop (but Piaget 7-12) / मूर्त चिन्तन और तर्क विकसित होते हैं
- Span of attention: 7-20 Min / ध्यान की अवधि: 7 से 20 मिनट

5. Social Development / सामाजिक विकास

- Sense of trust and mistrust / विश्वास और अविश्वास की भावना
- Autonomy develops / स्वायत्तता विकसित होती है
- Children of both sexes play together / दोनों लिंगों के बच्चे एक साथ खेलते हैं
- Learn to cooperate / सहयोग करना सीखते हैं
- Take interest in fairy tales / परियों की कहानियों में रुचि लेते हैं
- Negativism increases (3-6 years) / नकारात्मकता बढ़ती है (3-6 वर्ष)
- Social approval / सामाजिक स्वीकृति
- Girls are more dominating than boys in play situations / खेल स्थितियों में लड़कों की तुलना में लड़कियों का अधिक प्रभाव होता है।

Later Childhood (6 years to 12 years) / उत्तर बाल्यावस्था (6 वर्ष से 12 वर्ष)

1. Physical Development / शारीरिक विकास

- Slow increase in weight and height / वजन और ऊंचाई में धीमी वृद्धि
- Girls are ahead of boys by two years / लड़कियां लड़कों से दो साल आगे होती हैं
- Flattening of forehead-sharpening of the nose-broadening of the chest / माथे का चपटा होना नाक का तेज होना- छाती का चौड़ा होना

- Increased resistance to fatigue, strength, manual dexterity / थकान से लड़ने की क्षमता बढ़ती है, मानवीय दक्षता बढ़ती है, शक्तिफुल बढ़ती है।
- 2. Cognitive Development / संज्ञानात्मक विकास**
- Concept of natural laws-developed / प्राकृतिक नियमों की अवधारणा-विकसित
 - Learning and memory become more efficient / सीखना और स्मृति अधिक कुशल हो जाती है
 - Interest in science stories / विज्ञान की कहानियों में रुचि
 - Courage and loyalty increase / साहस और निष्ठा में वृद्धि
 - Imaginative plays are given preference / कल्पनाशील नाटकों को वरीयता दी जाती है
- 3. Emotional Development / संवेगात्मक विकास**
- Control own emotional expression / स्वयं भावनात्मक अभिव्यक्ति पर नियंत्रण रखना
 - Anger is caused by thwarting / नाकामयाबी से गुस्सा होता है
 - Teasing making unfavourable-comparisons with other children / चिढ़ाने प्रतिकूल-अन्य बच्चों से तुलना
 - Parental favouritism causes jealousy / माता-पिता का पक्षपात ईर्ष्या का कारण बनता है
- 4. Social Development / सामाजिक विकास**
- Peer group of their own sex-agent of socialization / लिंग वाले का साथी समूह बनाते हैं
 - Peak unruliness / चरम अनियंत्रितता
 - Sex difference becomes sharp / लिंग भेद अधिक स्पष्ट हो जाता है
 - Reject adult standards / वयस्क मानकों को नकारना
- 5. Locomotor and Manipulatory skills / गति चालक और हस्त लाघव कौशल**
- Locomotor -walking, running, climbing / गत्यात्मक कौशल - चलना, दौड़ना, चढ़ना
 - Manipulatory skills-handling of objects with dexterity / हस्त लाघव कौशल - निपुणता के साथ वस्तुओं का रख-रखाव

Factors Influencing Growth and Development / वृद्धि और विकास को प्रभावित करने वाले कारक

1. Internal Factors / आंतरिक कारक

- Heredity factors / आनुवंशिक कारक
- Biological or constitutional factors / जैविक या शारीरिक कारक
- Emotional factors / भावनात्मक कारक

2. External factors / बाह्य कारक

- **Environment in the womb of the mother:** Physical and mental health, Single child or multiple children, quality and quantity of nutrition, Normal or abnormal delivery, accident to the baby. / माँ के गर्भ में वातावरण: शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, एकल बच्चा या एकाधिक बच्चे, पोषण की गुणवत्ता और मात्रा, सामान्य या असामान्य प्रसव, गर्भाशय में बच्चे को नुकसान या दुर्घटना।
- **Environment available after birth:** Accidents and incidents, quality of physical environment, medical care and nourishment, social and cultural environment. / जन्म के बाद उपलब्ध पर्यावरण: दुर्घटनाएँ और घटनाएँ, भौतिक पर्यावरण की गुणवत्ता, चिकित्सा देखभाल और पोषण, सामाजिक और सांस्कृतिक वातावरण।

Heredity and Environment

आनुवांशिकता एवं पर्यावरण

Meaning of Heredity / आनुवांशिकता का अर्थ

Each individual has a different style of behaviors and personality. We classify this difference due to the influence of heredity and environment. Heredity and environment play an important role in the development of the personality and other qualities in the individual. No person can be born without heredity and genes and cannot develop without environment. An individual's heredity is present since the moment of conception, and some environmental conditions also start influencing him from this very stage. / प्रत्येक व्यक्ति का व्यवहार और व्यक्तित्व एक दुसरे भिन्न होता है। हम इस भिन्नता का वर्गीकरण आनुवांशिकता और वातावरण के आधार पर करते हैं। आनुवांशिकता एवं वातावरण किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास एवं उसकी अन्य विशेषताओं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कोई भी व्यक्ति बिना आनुवांशिकता और जीन के पैदा नहीं हो सकता है और पर्यावरण के बिना विकसित नहीं हो सकता है। एक व्यक्ति की आनुवांशिकता गर्भाधान के क्षण से ही मौजूद होती है, और कुछ वातावरणीय परिस्थितियाँ भी उसे इसी अवस्था से प्रभावित करने लगती हैं।

Laws of Heredity / आनुवांशिकता के नियम

There are some rules of heredity which are as follows / वंशानुक्रम के कुछ नियम हैं, जो निम्न हैं

1. **The law of resemblance:** This means that just as there are mothers and fathers, so are their children. In this way if the parents are intelligent then the children will also be intelligent. If either mother or father is short in stature, then the child will also be found to be short in stature. / समानता का नियम: इससे तात्पर्य है की जैसे माता और पिता होते हैं वैसी ही उनकी संतान होती है। इस प्रकार से यदि माता-पिता बुद्धिमान हैं तो बच्चे भी बुद्धिमान होंगे। यदि माता या पिता में कोई कद में छोटा है तो संतान भी कद में छोटे ही पायी जाएगी।

If either of the mother or father is dark in complexion, then so will the children. If someone in the mother or father has diabetes or any other disease, then there is a possibility that that disease will be found in the child also. / यदि माता या पिता में से कोई रंग में सांवला है, तो बच्चे भी वैसे ही होंगे। यदि माता या पिता में किसी को मधुमेह या कोई दूसरा रोग है तो इसकी सम्भावना है कि संतान में भी वो रोग पाया जायेगा।

2. **Law of Variation:** The meaning of this rule is that whatever the color, form, stature of the parents, the children are not like them. Although there will be some similarities, it will be difficult to spot them. The offspring will be different from their parents but still they will be considered to be affected by heredity. By this rule, it was found that both the first and second law are opposite to each other. / भिन्नता का नियम: इस नियम से तात्पर्य यह है कि माता-पिता का रंग रूप, कद-काठी जो भी है, संतान उनके समान नहीं होती। हालाँकि कुछ समानताएं होंगी मगर उनको जान पाना मुश्किल होगा। संतान अपने माता - पिता से भिन्न होगी मगर फिर भी ये वंशानुक्रम से प्रभावित माने जायेंगे। इस नियम द्वारा यह पाता लगा कि पहला और दूसरा नियम दोनों एक दूसरे के विरोधी हैं।

3. **Law of Regression:** This theory was propounded by Sorenson. But later this principle was adopted by the Mendel, Sorenson noted that a child of a parent with a strong intelligence may have a less sharp IQ, and children of gifted parents may be less gifted. Hence this tendency is called regression. / **प्रत्यागमन का नियम:** इस सिद्धांत का प्रतिपादन तो सोरेन्सन ने किया था। मगर इस सिद्धांत को बाद में मैडल ने अपना लिया। सोरेन्सन ने इसके लिए कहा कि तीव्र बुद्धि वाले माता पिता के बच्चे की बुद्धि कम तीव्र हो सकती है। और प्रतिभाशाली माता-पिता के बच्चे कम प्रतिभाशाली हो सकते हैं। अतः यही प्रवृत्ति प्रत्यागम कहलती है।

Meaning of Environment / पर्यावरण का अर्थ

The word environment in this context means the environment around the child, his interaction with his family, his neighbourhood, his school, the nutrition the child receives, environment is nothing but the sum total of the surroundings in which an individual has to live. Environment is generally divided into two categories natural and social (nurture). / इस संदर्भ में पर्यावरण शब्द का अर्थ है बच्चे के आसपास का वातावरण, उसके परिवार के साथ उसकी बातचीत, उसका पड़ोस, उसका स्कूल, बच्चे को मिलने वाला पोषण, पर्यावरण और कुछ नहीं बल्कि उस परिवेश का कुल योग है जिसमें एक व्यक्ति को रहना पड़ता है। पर्यावरण को आम तौर पर दो श्रेणियों में बांटा गया है- प्राकृतिक और सामाजिक (पोषण)।

What Are The Environmental Factors Which Influence Development? / विकास को प्रभावित करने वाले पर्यावरणीय कारक कौन से हैं?

There are various environmental factors which influence the development. Some of these are classified as follows: / विभिन्न पर्यावरणीय कारक हैं, जो विकास को प्रभावित करते हैं। इनमें से कुछ को इस प्रकार वर्गीकृत किया गया है:

1. **Physical factors:** Physical and geographical conditions influences a child behavior, responses, and attitudes. / **भौतिक कारक:** शारीरिक और भौगोलिक परिस्थितियाँ बच्चे के व्यवहार, प्रतिक्रियाओं और दृष्टिकोण को प्रभावित करती हैं।
For examples, a person born in Delhi would be more tolerant to hot, humid environment, as compared to someone born in Jammu & Kashmir. / उदाहरण के लिए, दिल्ली में जन्म लेने वाला व्यक्ति जम्मू और कश्मीर में जन्मे व्यक्ति की तुलना में गर्म, आर्द्र वातावरण के प्रति अधिक सहिष्णु होगा।
2. **Family:** Family plays an important role in a child development since the first interaction a child has, is with his/her family. The behaviors that a child observes, the values she or he is taught are all through this initial interactions. / **परिवार:** बच्चे के विकास में परिवार एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि बच्चे की पहली बातचीत उसके परिवार के साथ होती है। एक बच्चा जो व्यवहार देखता है, जो मूल्य उसे सिखाया जाता है, वह सब इस प्रारंभिक बातचीत के माध्यम से होता है।
3. **School and teachers:** The school environment, and the teachers also play a very important role in the grooming of a child. / **स्कूल और शिक्षक:** स्कूल का माहौल और शिक्षक भी बच्चे को संवारने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

The teachers are the first role models for a child, and through the way a teacher conducts herself, or interacts with the child affects the knowledge they acquire, and the people they become. / शिक्षक एक बच्चे के लिए पहले रोल मॉडल होते हैं, और जिस तरह से एक शिक्षक खुद को संचालित करता है, या बच्चे के साथ बातचीत करता है, उसके द्वारा प्राप्त ज्ञान और वे जो लोग बनते हैं, उन्हें प्रभावित करता है।

There are various other environmental factors, in addition to these, like the book a child reads, or what he/she watches on TV, the sport they play, affects their development. / इनके अलावा कई

अन्य पर्यावरणीय कारक भी हैं, जैसे कि बच्चा जो किताब पढ़ता है, या वह टीवी पर क्या देखता है, वह जिस खेल को खेलता है, वह उनके विकास को प्रभावित करता है।

Nature vs Nurture Debate / प्रकृति बनाम पोषण की बहस

	Nature / प्रकृति	Nurture / पालन - पोषण करना
What is it? / यह क्या है?	In the "nature vs nurture" debate, nature refers to an individual innate qualities (nativism) / "प्रकृति बनाम पोषण" के बहस में, प्रकृति का तात्पर्य व्यक्ति के जन्मजात गुणों से है। (सहज ज्ञानवाद)।	In the "nature VS nurture" debate, nurture refers to personal experiences (i.e. empiricism or behaviourism). / "प्रकृति बनाम पोषण" बहस में, पोषण व्यक्तिगत अनुभव (यानी अनुभववाद या दुर्व्यवहार) को संदर्भित करता है।
Factors / कारक	Biological and family factors / जैविक और पारिवारिक कारक	Social and environmental factors / सामाजिक और पर्यावरणीय कारक

Educational Implications of Heredity and Environment / वंशानुक्रम और पर्यावरण के शैक्षणिक निहितार्थ

The knowledge of heredity and environment helps the teacher in various ways which are discussed here under. / वंशानुक्रम और पर्यावरण का ज्ञान शिक्षक को विभिन्न तरीकों से मदद करता है, जिनकी यहां चर्चा की गई है।

- Knowledge of heredity and environment helps the teacher to know the individual needs and abilities of the children. / वंशानुक्रम और पर्यावरण का ज्ञान शिक्षक को बच्चों की व्यक्तिगत जरूरतों और क्षमताओं को जानने में मदद करता है।
- It helps to provide proper guidance and counselling to his children in the field of educational, vocational and personal. / यह शैक्षिक, व्यावसायिक और व्यक्तिगत क्षेत्र में अपने बच्चों को उचित मार्गदर्शन और परामर्श प्रदान करने में मदद करता है।
- It helps the teacher to classify the students as gifted, normal or slow learner and average different types of education for them. / यह शिक्षक को बच्चों को प्रतिभावान, सामान्य या धीमे अध्ययनकर्ता के रूप में वर्गीकृत करने में मदद करता है तथा उनके लिए विभिन्न प्रकार के शिक्षण को व्यवस्थित करने में मदद करता है।
- It helps the teacher to provide better learning environment in the school. / यह शिक्षक को विद्यालय में बेहतर शिक्षण वातावरण प्रदान करने में मदद करता है।

Meaning and Nature of Individual Differences / व्यक्तिगत भिन्नता का अर्थ व स्वरूप

Individual differences or personality differences means the differences of one man from other in color, physique, special ability, interest, nature, achievement and other virtues of man. There is no person in the world, which is completely like the other. / व्यक्तिगत भिन्नता या व्यक्तिगत भेद का अर्थ एक व्यक्ति का दूसरे व्यक्ति से रूप, रंग, शारीरिक गठन, विशिष्ट योग्यताओं, बुद्धि, रुचि, स्वभाव, उपलब्धियों तथा व्यक्तित्व के अन्य गुणों आदि में भिन्नता से है। संसार में ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं है जो किसी दूसरे व्यक्ति से पूर्ण रूप से मिलता-जुलता हो।

The Bases of Individual Differences: The important bases of individual differences are following - / व्यक्तिगत भिन्नता के आधार: व्यक्तिगत भिन्नता के प्रमुख आधार निम्नलिखित हैं-

- (1) Heredity / वंशानुक्रम,
- (2) Environment / पर्यावरण

Causes of Individual Differences / व्यक्तिगत भिन्नता के कारण

Psychologists have told many causes of individual differences. Important causes are following- / मनोवैज्ञानिकों ने व्यक्तिगत भिन्नता के कई कारण बताये हैं जिनमें प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं-

1. **Heredity:** The important basis of individual difference is heredity. Heredity is the important cause of the physical, mental and conducts characteristics of man. / **वंशानुक्रम:** व्यक्तिगत भिन्नता का प्रमुख कारण वंशानुक्रम है। व्यक्तियों के शारीरिक, मानसिक और चारित्रिक विशेषताओं का प्रमुख कारण वंशानुक्रम ही है।
2. **Environment:** Environment is the second cause of individual difference. Under the environment, man is affected by the environment of family, social, geographical and cultural environment. / **वातावरण:** व्यक्तिगत भिन्नता का दूसरा कारण वातावरण है। वातावरण के अन्तर्गत पारिवारिक, सामाजिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक वातावरण का प्रभाव व्यक्ति पर पड़ता है।
3. **Age and Intelligence:** The physical, mental, and emotional development of child is according to his age. So the difference is seen in the child of different age. Intelligence is accepted as the innate capability. / **आयु व बुद्धि:** बालक का शारीरिक विकास, मानसिक और संवेगात्मक विकास उसकी अनुसार होता है। इसलिए विभिन्न आयु के बालकों में अन्तर दिखाई देता है। बुद्धि को जन्मजात क्षमता माना के आयु जाता है।
4. **Health:** Individual difference is found due to physical health. Some are healthy and powerful, some people are weak, thus differences are found in the physical health and working capability of them. / **स्वास्थ्य:** शारीरिक स्वास्थ्य के कारण भी व्यक्तिगत भिन्नता पाई जाती है। कुछ लोग स्वस्थ, दृष्ट-पुष्ट, कुछ साधारण तथा कुछ दुर्बल होते हैं, इसलिए उनमें शारीरिक शक्ति और कार्य क्षमता में भिन्नता पाई जाती है।
5. **Caste, Race and Nation:** Caste, Race and Nation has an important place in the causes of individual differences. / **जाति, प्रजाति एवं राष्ट्र :** व्यक्तिगत भिन्नता के कारणों में जाति, प्रजाति तथा देश का भी प्रमुख स्थान होता है।
6. **Education and Economical Condition:** Man is properly developed by the education and he becomes courteous, deep thinker and thoughtful / **शिक्षा एवं आर्थिक दशा:** शिक्षा द्वारा व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। और वह शिष्ट, गम्भीर और विचारशील बनता है।

○○○○○

Jean Piaget / जीन पियाजे

Cognitive development refers to the way children learn and process information. It includes improvement in attention, perception, language, thinking, memory, and reasoning. / संज्ञानात्मक विकास से तात्पर्य बच्चों के सीखने और सूचनाओं को संसाधित करने के तरीके से है। इसमें ध्यान, धारणा, भाषा, सोच, स्मृति और तर्क में सुधार शामिल है।



According to Piaget's cognitive developmental theory, our thoughts and reasoning are part of adaptation. Cognitive development follows a definite sequence of stages. Piaget described four major stages of cognitive development: / पियाजे के संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत के अनुसार, हमारे विचार और तर्क अनुकूलन का हिस्सा हैं। संज्ञानात्मक विकास चरणों के एक निश्चित क्रम का अनुसरण करता है। पियाजे ने संज्ञानात्मक विकास के चार प्रमुख चरणों का वर्णन किया है:

1. Sensory-motor stage (Birth- 2 years) / संवेदी - गामक चरण (जन्म- 2 वर्ष)
2. Pre-operational stage (2-7 years) / पूर्व संक्रियात्मक चरण (2-7 वर्ष)
3. Concrete operational stage (7-11 years) / मूर्त संक्रियात्मक चरण (7-11 वर्ष)
4. Formal operational stage (11+ years) / औपचारिक संक्रियात्मक चरण (11+ वर्ष)

Sensory-Motor Stage / संवेदी - गामक अवस्था

- During this stage, babies up to 2 years learn through their senses. / इस अवस्था के दौरान 2 वर्ष तक के बच्चे अपनी इन्द्रियों के माध्यम से सीखते हैं।
- They learn about their environment and who belongs to it. / वे अपने वातवरण और चीजें इनसे कैसे संबंधित है, के बारे में सीखते हैं।
- One of the primary lessons learned in the sensorimotor stage is object permanence. Object permanence is the concept that things do not vanish from existence if they are no longer in plain sight. / संवेदी - गामक अवस्था में सीखे गए प्राथमिक ज्ञानों में से एक वस्तु स्थिरता है। वस्तु स्थिरता वह संकल्पना है कि यदि वस्तु समतल दृष्टि में मौजूद नहीं हैं, तो भी वे उस स्थिति में लुप्त नहीं होती हैं।

This stage can be divided into six separate sub-stages as given below: / इस अवस्था को छह अलग-अलग उप- अवस्थाओं में विभाजित किया जा सकता है, जो नीचे दिया गया है:

- **Reflexes (0-1 month):** The child understands the environment purely through inborn reflexes such as sucking and looking. / **प्रतिक्रिया (0 1 महीने):** बच्चा चूसना और देखने जैसे जन्मजात क्रियाओं के माध्यम से शुद्ध रूप से वातवरण को समझता है।
- **Primary Circular Reactions (1-4 months):** Between one and four months, the child works on an action of his own which serves as a stimulus to which it responds with the same action, and around and around we go. / **प्रारंभिक वृत्तीय अनुक्रिया (14 महीने):** एक और चार महीने के बीच बच्चा

अपने स्वयं की क्रिया पर कार्य करता है, जो उन कार्यों के लिए उत्तेजना के रूप में कार्य करता है जिसके लिए वह समान क्रिया के साथ प्रतिक्रिया देता है और सभी क्रियाएँ हमारे चारों ओर होती हैं।

- **Secondary Circular Reactions (4-8 months):** The child becomes more focused on the world and begins to intentionally repeat an action to trigger a response in the environment. / **गौण वृत्तीय अनुक्रिया (4-8 महीने):** बच्चा दुनिया पर अधिक केंद्रित हो जाता है और वातावरण में प्रतिक्रिया का पता लगाने के लिए एक क्रिया को जानबूझकर दोहराना शुरू कर देता है।
- **Coordination of Secondary Reactions (8-12 months):** Develop certain focuses on the demand object. Responses become more coordinate and complex. / **गौण अनुक्रियाओं का समन्वय (8-12 महीने):** जिज्ञासा की वस्तुओं पर विशिष्ट ध्यान विकसित करता है। अनुक्रियाएँ अधिक समन्वय और जटिल हो जाती हैं।
- **Tertiary Circular Reactions (12-18 months):** Children begin a period of trial-and-error experimentation during this sub-stage. / **तृतीय वृत्तीय अनुक्रिया (12-18 महीने):** बच्चे के साथ इस उप-अवस्था के दौरान प्रयास और त्रुटि-प्रयोग की अवधि शुरू हो जाती है।
- **Early Representational Thought (18-24 months):** Children begin to develop symbols to represent events or objects in the world in the final sensory-motor sub-stage. / **प्रारंभिक प्रतिनिधानात्मक सोच (18-24 महीने):** बच्चे अंतिम संवेदी-पेशीय उप-अवस्था में दुनिया में घटनाओं या वस्तुओं को दर्शाने के लिए प्रतीकों को विकसित करना शुरू कर देते हैं।

Pre-Operational Stage / पूर्व - संक्रियात्मक अवस्था

- In this stage, children learn through symbolic learning. / इस अवस्था में बच्चे प्रतीकात्मक अधिगम के माध्यम से सीखते हैं।
- **Symbolic learning** is stimulated through language development and imitative or imaginative play. A child may give human characteristics to inanimate objects. / **प्रतीकात्मक अधिगम** भाषा विकास और अनुकरणशील या कल्पनाशील खेल के माध्यम से प्रेरित होता है। एक बच्चा निर्जीव वस्तुओं को मानवीय विशेषताएं दे सकता है।
- During the preoperational stage, the child has **egocentric thinking**. This means that they lack the ability to see outside of their own perspective without being prompted by reward. / **पूर्व - संक्रियात्मक अवस्था** के दौरान बच्चे में आत्मकेंद्रित सोच होती है। इसका अर्थ है कि उनमें किसी इनाम द्वारा प्रेरित किये बिना उनके स्वयं के दृष्टिकोण के बाहर देखने की क्षमता की कमी होती है।
- The child also tends to not be able to understand that situations, actions, or issues can be altered or reversed. / बच्चा यह भी समझने में सक्षम नहीं होता है कि स्थितियों, कार्यों, या मुद्दों को बदला जा सकता है या प्रतिवर्त किया जा सकता है।
- **Preoperational stage (2-7 yrs):** It is categorized into two parts / **पूर्व संक्रियात्मक अवस्था (2-7 वर्ष):** इसे दो भागों में वर्गीकृत किया गया है:
 - (i) **Pre-conceptual stage (2-4 yrs):** In this, they began to pretend play, egocentrism and animism are controlled. / **पूर्व संक्रियात्मक अवस्था (2-4 वर्ष):** इसमें, वे नाटक करना शुरू कर देते हैं; अहंकेंद्रवाद और जीववाद को नियंत्रित किया जाता है।
 - (ii) **Intuitive (4-7 yrs):** In this, the child begins to be curious, wants to use primitive reasoning to know the things work. / **अंतर्ज्ञान (4-7 वर्ष):** इसमें बच्चा जिज्ञासु होने लगता है, काम की चीजों को जानने के लिए मौलिक तर्क का उपयोग करना चाहता है।

Concrete Operational Stage / मूर्त संक्रियात्मक अवस्था

- In this stage, a child has begun to develop logic and concrete reasoning skills. Children in the concrete operational stage are able to quantify and organize. / इस अवस्था में, बच्चा तर्क और मूर्त तर्क कौशल विकसित करना शुरू कर देता है। मूर्त संक्रियात्मक अवस्था में बच्चे मात्रा निर्धारित करने और व्यवस्थित करने में सक्षम होते हैं।
- **Their egocentric thinking diminishes.** They are able to understand the perspective of another person. / उनको आत्मकेंद्रित सोच कम हो जाती है। वे दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण को समझने में सक्षम होते हैं।
- Children in the concrete stage are able to understand and relate to relational terms. **Relational terms, like time, size, space, and distance, are more easily understood and conceptualized in this stage.** / मूर्त संक्रियात्मक अवस्था में बच्चे संबंधपरक शब्दों को समझने और उनसे संबंधित होने में सक्षम होते हैं। समय, आकार, स्थान और दूरी जैसे संबंधपरक शब्द इस अवस्था में अधिक आसानी से समझे जाते हैं और अवधारणा बनाते हैं।
- **Transitivity:** One of the important processes that develop is that of transitivity, which refers to the ability to recognize relationships among various things in a serial order. / **सकर्मकता:** विकसित होने वाली महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं में से एक सकर्मकता है, जो एक क्रम में विभिन्न चीजों के बीच संबंधों को पहचानने की क्षमता को संदर्भित करती है।
- **Seriation:** It refers to the ability to sort objects or situations according to any characteristic, such as size, color, shape, or type. For example, the child would be able to look at his plate of mixed vegetables and eat everything except the brussels sprouts. / **क्रमबद्ध:** यह किसी भी विशेषता, जैसे आकार, रंग, या प्रकार के अनुसार वस्तुओं या स्थितियों को क्रमबद्ध करने की क्षमता को संदर्भित करती है। उदाहरण के लिए, बच्चा मिश्रित सब्जियों की अपनी थाली को देख सकेगा और अंकुरित चीजों को छोड़कर सब कुछ खा सकेगा।
- **Conservation:** Conservation is one of Piaget's developmental accomplishments in which the child understands that changing the form of a substance or object does not change its amount, overall volume, or mass. / **संरक्षण:** संरक्षण पियाजे की विकासात्मक उपलब्धियों में से एक है, जिसमें बच्चा यह समझता है कि किसी पदार्थ या वस्तु का रूप बदलने से उसकी मात्रा, समग्र आयतन या द्रव्यमान नहीं बदलता है।

Formal operational stage / औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था

- The formal operational stage is the final stage of Piaget's theory of development. In this stage, a child develops the ability to utilize abstract thinking. / **अमूर्त संक्रियात्मक अवस्था,** पियाजे के विकास के सिद्धांत की अंतिम अवस्था है। इस अवस्था में बच्चे अमूर्त सोच का प्रयोग करने की क्षमता को विकसित करते हैं।
- They are able to consider different perspectives, opinions, and concepts to draw conclusions. / वे निष्कर्ष निकालने के लिए विभिन्न दृष्टिकोणों, विचारों और अवधारणाओं पर विचार करने में सक्षम होते हैं।
- Children in the formal operational stage are able to use abstract thought. They use abstract thought to solve problems. In the formal operational stage, a child's skills are fine-tuned. / **अमूर्त संक्रियात्मक अवस्था में बच्चे अमूर्त सोच का प्रयोग करने में सक्षम होते हैं। वे समस्याओं को हल करने के लिए अमूर्त सोच का प्रयोग करते हैं। अमूर्त संक्रियात्मक अवस्था में बच्चे का कौशल पूर्ण वर्णित होता है।**
- This makes the following forms of thought easy to use for drawing conclusions and solving problems / यह निष्कर्ष निकालने और समस्याओं को हल करने के लिए विचार के निम्नलिखित रूपों को आसान बनाता है।

Deductive logic / निगमनात्मक तर्क

Hypothetical situations / परिकल्पित स्थिति

Piaget's pendulum problem illustrated hypothetico-deductive reasoning in adolescents / पियाजे के पेण्डुलम की समस्या ने किशोरों में काल्पनिक निगमनात्मक तर्क का चित्रित किया।

Problem-solving through the organization of information / जानकारी के संगठन के माध्यम से समस्या-समाधान

Drawing conclusions from information, thoughts, and opinions / सूचना, विचार और राय से निष्कर्ष निकालना

The ability to create informed opinions / सूचित राय बनाने की क्षमता

Factors which Piaget considered essential for cognitive development are:- / पियाजे ने जिन तर्कों को संज्ञानात्मक विकास के लिए आवश्यक माना वे निम्नलिखित हैं:

Schemas: Piaget called the schema the basic building block of intelligent behavior, a way of organizing knowledge. / **स्कीमा:** पियाजे ने स्कीमा को बुद्धिमान व्यवहार का बुनियादी निर्माण खंड, ज्ञान को व्यवस्थित करने का एक रूप कहा है।

Adaptation: Adaptation is a process through which living beings adjust to their environment. Just as human beings adapt to the environment, their thinking also adapts to the changes they experience. Two basic processes are involved in adaptation: assimilation and accommodation./

अनुकूलन: अनुकूलन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके माध्यम से जीव अपने पर्यावरण के साथ तालमेल बिठाते हैं। जैसे मनुष्य पर्यावरण के अनुकूल होते हैं, वैसे ही उनका चिंतन भी उन परिवर्तनों के अनुकूल होता है जो वे अनुभव करते हैं। अनुकूलन में दो बुनियादी प्रक्रियाएं: समावेश और समायोजन शामिल हैं।

1. Assimilation: It refers to the process by which new objects and events are grasped or incorporated within the scope of existing schemes or structures. / **आत्मसात्करण:** यह उस प्रक्रिया को संदर्भित करता है जिसके द्वारा मौजूदा योजनाओं या संरचनाओं के क्षेत्र में नई वस्तुओं और घटनाओं को समझा या शामिल किया जाता है।

2. Accommodation: It is the process through which the existing schemes or structure is modified to meet the resistance to straightforward grasping or assimilation of a new object or event. / **समायोजन:** यह वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से किसी नई वस्तु या घटना को सीधे पकड़ने या आत्मसात करने के प्रतिरोध को पूरा करने के लिए मौजूदा योजनाओं या संरचना को संशोधित किया जाता है।

Equilibrium: The cognitive stability or balance arrived by the processes of assimilation and accommodation is the equilibrium obtained. / **संतुलन:** आत्मसात और सामंजस्य की प्रक्रियाओं द्वारा आने वाली संज्ञानात्मक स्थिरता या संतुलन प्राप्त संतुलन है।

Biological maturity: The basis of Piaget's classification of cognitive development is maturation. This acts as a biological base for cognitive development. / **जैविक परिपक्वता:** पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के वर्गीकरण का आधार परिपक्वता है। यह संज्ञानात्मक विकास के लिए जैविक आधार के रूप में कार्य करता है।

Physical experience: It is accepted that there can be no knowledge development without relating objects within the environment. An individual acquires knowledge not by passively copying objects in the environment but by acting upon them. / **भौतिक अनुभव:** यह स्वीकार किया जाता है कि वस्तुओं के संबंध के बिना ज्ञान का विकास नहीं हो सकता है। पर्यावरण के भीतर एक व्यक्ति पर्यावरण में वस्तुओं की निष्क्रिय रूप से नकल करके नहीं बल्कि उन पर कार्य करके ज्ञान प्राप्त करता है।

Lev Vygotsky / लेव वाइगोत्स्की

Lev Vygotsky, a Russian psychologist and a contemporary of Jean Piaget proposed a theory of cognitive development known as 'Socio-Cultural Theory'. He believed that the society and culture of the children play a vital role in the development of their cognition. / लेव वायगोत्स्की ने संज्ञानात्मक विकास के एक सिद्धांत का प्रस्ताव दिया जिसे 'सामाजिक- सांस्कृतिक सिद्धांत' के रूप में जाना जाता है। उनका मानना था कि बच्चों का समाज और संस्कृति बच्चों के संज्ञानात्मक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

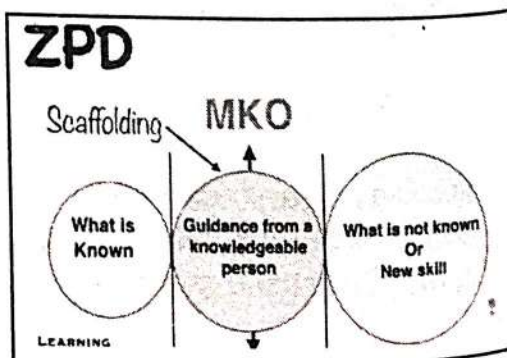
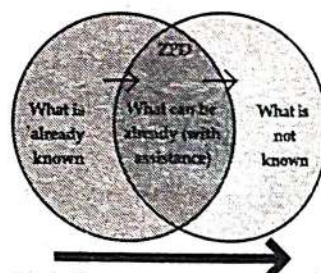


According to Vygotsky, there are three main factors that affect the learning of the child and these are- Social interaction, Culture, and Language: / वायगोत्स्की के अनुसार, बच्चे के अधिगम को प्रभावित करने वाले तीन मुख्य कारक हैं और ये हैं- सामाजिक अंतः क्रिया, संस्कृति और भाषा :

1. **Social interaction:** Children try to interact with people. Example: Peer groups, family members, etc. / **सामाजिक अंतः क्रिया:** बच्चे लोगों के साथ अंतः क्रिया करने की कोशिश करते हैं। उदाहरण: सहकर्मी समूह, परिवार के सदस्य, आदि।
2. **Culture:** Children adopt the culture by interaction. / **संस्कृति:** बच्चे अंतः क्रिया द्वारा संस्कृति को अपनाते हैं।
3. **Language:** Children can easily intimate their primary language through interaction or communication. / **भाषा:** बच्चे बातचीत या संचार के माध्यम से अपनी प्राथमिक भाषा को आसानी से बता सकते हैं।

Vygotsky also proposed three basic needs of students during learning, these are: / वायगोत्स्की ने भी सीखने के दौरान छात्रों की तीन बुनियादी जरूरतों का प्रस्ताव रखा, ये निम्न हैं:

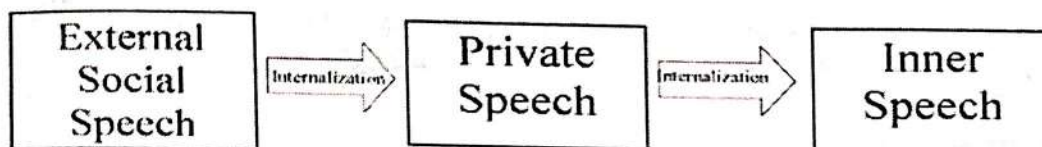
1. **Zone of Proximal Development:** It is the gap between the actual developmental level of a person as determined by independent problem-solving, and the levels of potential development as determined through problem-solving under adult guidance or in collaboration with more capable peers. It also includes scaffolding. / **निकटवर्ती विकास का क्षेत्र:** यह एक व्यक्ति के वास्तविक विकास के स्तर के बीच की खाई है जो स्वतंत्र समस्या को हल करने के द्वारा निर्धारित की जाती है, और संभावित विकास के स्तर को वयस्क के मार्गदर्शन में या अधिक सक्षम साथियों के साथ समस्या समाधान के माध्यम से निर्धारित किया जाता है। इसमें पाड़ - निर्माण भी शामिल है।
2. **Scaffolding:** Scaffolding is the term, given by Vygotsky, in which he proposed that the temporary help given by the teachers, family, friends, etc. to the children in his learning. / **पाड़:** वायगोत्स्की द्वारा दिया गया शब्द पाड़ है, जिसमें उन्होंने प्रस्ताव दिया कि शिक्षकों, परिवार, दोस्तों, आदि द्वारा बच्चों को उनके अधिगम में अस्थायी मदद दी जाए।
3. **MKO (more knowledgeable others):** Vygotsky defined the "More Knowledgeable Other" (MKO) as anyone who has a better understanding or a higher ability level than the learner, particularly in regard to a specific task, concept, or process. MKO could be teachers, parents, tutors, and even peers. / **दूसरों से अधिक जानकार अन्य:** वायगोत्स्की ने "दूसरों से अधिक जानकार अन्य" (MKO) को किसी ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया



जिसके पास सीखने वाले की तुलना में, खासकर किसी विशिष्ट कार्य, अवधारणा या प्रक्रिया के संबंध में बेहतर समझ या उच्च क्षमता स्तर है। MKO शिक्षक, माता-पिता, अनुशिक्षक और यहां तक कि साथी भी हो सकते हैं।

Three Stages of Language / भाषा के तीन चरण

In his "Socio-cultural Theory", Vygotsky also proposed the three stages of language that a child progresses through while developing cognitively. These stages are: / अपने "सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत" में, वायगोत्स्की ने भाषा के तीन चरणों का भी प्रस्ताव रखा, जो एक बच्चा संज्ञानात्मक रूप से विकसित होने के दौरान आगे बढ़ता है। ये चरण निम्नलिखित हैं:



Social speech / सामाजिक वाक	It refers to the external communication to talk with other people. / यह अन्य लोगों के साथ बात करने के लिए बाहरी संचार को संदर्भित करता है।
Private speech / निजी वाक	It refers to internal communication by which children direct themselves. It is a mechanism to turn shared knowledge into personal knowledge. / यह आंतरिक संचार को संदर्भित करता है जिसके द्वारा बच्चे स्वयं को निर्देशित करते हैं। यह साझा ज्ञान को व्यक्तिगत ज्ञान में बदलने का एक तंत्र है।
Inner speech / आंतरिक वाक	It arose when private speech goes underground and is transformed into silent inner speech. / यह तब उत्पन्न हुआ जब निजी वाक भूमिगत हो गया और मौन आंतरिक वाक में बदल गया।

Vygotsky's social-cultural perspective of learning emphasizes importance of **cultural tools** in the learning process / लेव वायगोत्स्की का सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, अधिगम प्रक्रिया में **सांस्कृतिक उपकरणों** के महत्व पर जोर देता है।

Role of Socio-cultural environment in cognitive development / संज्ञानात्मक विकास में सामाजिक- सांस्कृतिक वातावरण की भूमिका:

- This theory implies the idea that social interaction is a primary cause and plays a crucial role in the learner's cognitive development. / यह सिद्धांत का तात्पर्य है कि सामाजिक संपर्क एक प्राथमिक कारण है और यह शिक्षार्थी के संज्ञानात्मक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- Children learn through interaction and collaboration with skilled and knowledgeable people./ बच्चे कुशल और जानकार लोगों के साथ बातचीत और सहयोग के माध्यम से सीखते हैं।

Vygotsky's view on Language / भाषा पर व्यगोत्स्की का दृष्टिकोण

- Lev Vygotsky emphasized that the acquisition of speech is the major activity in cognitive development. / लिंव वायगोत्स्की ने इस बात पर जोर दिया कि वाणी का अधिग्रहण संज्ञानात्मक विकास में प्रमुख गतिविधि है।
- According to Piaget, thought emerges first and according to vygotsky, language has profound effect on thoughts / पियाजे के अनुसार विचारों का उदय सबसे पहले होता है और वायगोत्स्की के अनुसार भाषा का विचारों पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

Jerome Bruner / जेरोम ब्रूनर

Jerome Seymour Bruner is an American psychologist who has contributed to cognitive psychology and cognitive learning theory in educational psychology, as well as to history and to the general philosophy of education. / जेरोम सेमुर ब्रूनर एक अमेरिकी मनोवैज्ञानिक हैं जिन्होंने शैक्षिक मनोविज्ञान में संज्ञानात्मक मनोविज्ञान और संज्ञानात्मक अधिगम सिद्धांत के साथ-साथ इतिहास और शिक्षा के सामान्य दर्शन में योगदान दिया है।



He has identified three stages of cognitive representation which includes:/ उन्होंने संज्ञानात्मक प्रतिनिधित्व के तीन चरणों की पहचान की है जिसमें शामिल हैं:

1. Enactive stage / सक्रिय अवस्था

- It refers to the representation of knowledge through actions. / यह क्रियाओं के माध्यम से ज्ञान के प्रतिनिधित्व को दर्शाता है।
- Learning by doing is the main principle. / करके सीखना मुख्य सिद्धांत है।
- They learn by physical actions and storing things in memory / वे शारीरिक क्रियाओं और स्मृति में चीजों को संग्रहीत करके सीखते हैं।

2. Iconic stage / प्रतिष्ठित चरण

- It refers to the visual summarization of images. / यह छवियों के दृश्य संक्षेप को संदर्भित करता है। The learner stores sensory images which are visual ones / शिक्षार्थी संवेदी चित्रों को संग्रहीत करता है, जो दृश्यात्मक हैं।

3. Symbolic stage / प्रतीकात्मक चरण:

- It refers to the use of words and other symbols to describe experiences. / यह अनुभवों का वर्णन करने के लिए शब्दों और अन्य प्रतीकों के उपयोग को संदर्भित करता है।
- The experience is stored in memory in the form of symbols ie language / अनुभव स्मृति में प्रतीकों यानि भाषा के रूप में संचित रहता है।

Major Concepts Given By Bruner / ब्रूनर द्वारा दी गई प्रमुख अवधारणाएं

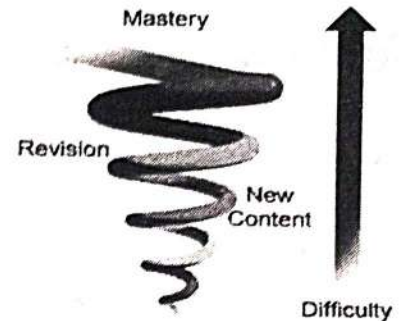
1. Discovery Learning / अन्वेषण अधिगम

- Discovery Learning was introduced by Jerome Bruner. It is considered a constructivist- based approach to education. It is also referred to as problem-based learning and experiential learning./ अन्वेषण अधिगम की शुरुआत जेरोम ब्रूनर ने की थी। इसे शिक्षा के लिए एक रचनावादी - आधारित दृष्टिकोण माना जाता है। इसे समस्या - आधारित अधिगम और अनुभवात्मक अधिगम के रूप में भी जाना जाता है।
- Discovery Learning is a method of Inquiry-Based Instruction. / अन्वेषण अधिगम पूछताछ - आधारित पूछताछ-आधारित निर्देश की एक विधि है।
- The learner is encouraged to use their intuition, imagination, and creativity, and search for new information to discover facts, correlations, and new truths. / शिक्षार्थियों को अपने अंतर्ज्ञान, रचनात्मकता और कल्पना का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है क्योंकि वे नए ज्ञान की तलाश करते हैं और ऐसे संबंध बनाते हैं जो नए तथ्यों और सत्यों की ओर ले जाते हैं।

- Bruner introduced a learning method called discovery method. / ब्रूनर ने एक अधिगम की विधि की शुरुआत की जिसे अन्वेषण अधिगम कहा जाता है।

2. Spiral Curriculum / सर्पिल पाठ्यक्रम

- He developed the concept of a spiral curriculum. According to Bruner, learning is an active process in which learners construct new ideas and concepts based on their current/past knowledge. The learner selects and transforms information, constructs hypotheses make decisions and rely on cognitive structures to do so. / उन्होंने एक सर्पिल पाठ्यक्रम की अवधारणा विकसित की। ब्रूनर के अनुसार, सीखना एक सक्रिय प्रक्रिया है जिसमें शिक्षार्थी अपने वर्तमान / पूर्व ज्ञान के आधार पर नए विचारों और अवधारणाओं का निर्माण करते हैं। शिक्षार्थी सूचना का चयन और परिवर्तन करता है, परिकल्पनाओं का निर्माण करता है तथा निर्णय लेता है और ऐसा करने के लिए संज्ञानात्मक संरचनाओं पर निर्भर करता है।



3. Concept Attainment Model (CAM) / सम्प्रत्यय उपलब्धि प्रतिमान

- The Concept Attainment model is an instructional strategy founded on the works of Jerome Bruner. Built on the principle of concept formation, the Concept Attainment model promotes student learning through a process of structured inquiry. / सम्प्रत्यय उपलब्धि प्रतिमान एक निर्देशात्मक नीति है जो जेरोम ब्रूनर के कार्यों पर आधारित है। सम्प्रत्यय निर्माण के सिद्धांत पर निर्मित, सम्प्रत्यय उपलब्धि प्रतिमान संरचित पूछताछ की प्रक्रिया के माध्यम से छात्र अधिगम को बढ़ावा देता है।



Jean Piaget / जीन पियाजे**Piaget's Ideas about Moral Development / नैतिक विकास के बारे में पियाजे के विचार**

In Piaget's (1935 / 1965) views, the child enters a new stage of moral development when he enters the stage of concrete operations at age 6 or 7. / पियाजे के (1935 / 1965) विचारों में, बच्चा नैतिक विकास की एक नई अवस्था में प्रवेश करता है जब वह 6 या 7 साल की आयु में मूर्त संक्रिया की अवस्था में प्रवेश करता है

1. Heteronomous Morality or Moral Realism / विषम नैतिकता या नैतिक यथार्थवाद

In this stage, rules are regarded as unchangeable, absolute, and imposed by an external authority. The egocentrism of young children encourages them to adhere to three beliefs / इस अवस्था में, नियमों को एक बाहरी शक्ति द्वारा अपरिवर्तनीय निरपेक्ष और लागू माना जाता है। छोटे बच्चों का अहम केंद्रण उन्हें तीन विश्वासों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करता है-

(a) **Imminent justice:** Wrong doing invariably leads to punishment. / **आसन्न न्याय:** गलत करने पर दंड मिलता है।

(b) **Objective Consequences:** The morality of an act is judged by its objective consequences, not the objective intentions of the person. / **उद्देश्य परिणाम:** किसी कार्य की नैतिकता उसके उद्देश्य परिणामों से आंकी जाती है, न कि व्यक्तियों के उद्देश्य इरादों से।

(c) **Absolutism:** Young school children believe in the absolutism of a moral perspective. They believe that there is only one correct moral conclusion per circumstance. / **निरपेक्षता:** युवा विद्यालयी बच्चे नैतिक दृष्टिकोण के निरपेक्षता में विश्वास करते हैं। उनका मानना है कि प्रति परिस्थिति में केवल एक सही नैतिक निष्कर्ष है।

2. Stage of Autonomous Morality or Morality of Cooperation / स्वायत्त नैतिकता या सहयोग की नैतिकता की अवस्था

A new stage is achieved around the age of 10. As children become less egocentric by age 9 or 10, they are also able to realize that rules are not fixed but arbitrary. They come to know that rules can change and it is possible to make personal decisions about obeying rules. / 10 वर्ष की आयु के आसपास एक नई अवस्था प्राप्त की जाती है। क्योंकि 9 या 10 वर्ष की आयु तक बच्चे कम आत्म-केंद्रित होते हैं, वे यह महसूस करने में भी सक्षम होते हैं कि नियम तय नहीं किए गए हैं, बल्कि स्वैच्छिक हैं। उन्हें ज्ञात होता है कि नियम बदल सकते हैं और नियमों का पालन करने के बारे में व्यक्तिगत निर्णय लेना संभव है।

- The moral authority of adults is replaced in part by a morality based on cooperation and mutual understanding. At this stage, it is not wrong to break the rules; rather, the motives, the rules, the specific situations are all considered in making a judgment. They feel praise and punishment should be distributed in a non-arbitrary, evenhanded way. It is hard for children at this stage to understand that the same behavior might evoke different responses from different people. / वयस्कों के नैतिक अधिकार को सहयोग और पारस्परिक समझ के आधार पर

एक नैतिकता से बदल खंडों में दिया जाता है। इस स्तर पर, नियमों को तोड़ना गलत नहीं है; बल्कि, प्रयोजन, नियम, विशिष्ट परिस्थितियाँ सभी को एक निर्णय लेने के लिए माना जाता है। उन्हें लगता है कि प्रशंसा और सजा को गैर-मनमाने ढंग से, समान रूप से वितरित किया जाना चाहिए। इस स्तर पर बच्चों के लिए यह समझना मुश्किल है कि एक ही व्यवहार अलग-अलग लोगों से अलग-अलग अनुक्रियाएं पैदा कर सकता है।

Comparison of Heteronomous and Autonomous Moral Reasoning विषम और स्वायत्त नैतिक तर्क की तुलना		
	Heteronomous (5-10 years) / स्वायत्त (10 वर्ष और अधिक)	Autonomous (10 Years and Up) / विषमलैंगिक (5-10 वर्ष)
Rules / नियम	Come from authority: "eternal and unchangeable." / अधिकार से आओ : "शाश्वत और अपरिवर्तनीय"	Co-constructed with others. Rules are rational / दूसरों के साथ सह-निर्माण किया। नियम तर्कसंगत हैं
Point of view / दृष्टिकोण	Centered on one perspective / एक दृष्टिकोण पर केन्द्रित	Decentered; able to consider multiple perspectives / विकेंद्रित; अनेक दृष्टिकोणों पर विचार करने में सक्षम
Intention / इरादा	Motivation for action not considered / कार्रवाई के लिए प्रेरणा पर विचार नहीं किया गया	Motivation for action considered / कार्रवाई के लिए प्रेरणा पर विचार किया गया
Consequences / नतीजे	Focus on behavior outcomes / व्यवहार के परिणामों पर ध्यान दें	Does not focus on behavior outcomes / व्यवहार के परिणामों पर ध्यान केंद्रित नहीं करता
Concept of justice / न्याय की अवधारणा	Confuses natural misfortune with punishment for moral misdeed / प्राकृतिक दुर्भाग्य को नैतिक दुष्कर्म की सजा के साथ भ्रमित करता है	Does not confuse natural misfortune with punishment / सजा के साथ प्राकृतिक दुर्भाग्य को भ्रमित नहीं करता
Punishment / सजा	Expiatory punishment; punishment for the sake of punishment / प्रायश्चितात्मक सजा; सजा के लिए सजा	Reciprocal punishment the punishment should fit the crime / पारस्परिक दंड, दंड अपराध के अनुरूप होना चाहिए

Lawrence Kohlberg / लॉरेंस कोहलबर्ग

Lawrence Kohlberg, an American psychologist, has propounded the "Theory of Moral Development". He has made a systematic study of moral development in his theory that is categorized into 3 levels and 6 stages. / एक अमेरिकी मनोवैज्ञानिक लॉरेंस कोहलबर्ग ने 'नैतिक विकास के सिद्धांत' का प्रस्ताव दिया। उन्होंने अपने सिद्धांत में नैतिक विकास का एक व्यवस्थित अध्ययन प्रस्तुत किया है जिसे 3 स्तरों और 6 अवस्थाओं में वर्गीकृत किया गया है।



Kohlberg's Theory of Moral Development



1. Pre- Conventional Level: At this level, the child is not responsive to cultural rules and labels of good and bad, right or wrong but interprets these labels in terms of physical or hedonistic consequences of actions or in terms of physical powers of those who communicate the rules and labels. This level is further sub-divided into two stages. / **पूर्व- पारंपरिक स्तर:** इस स्तर पर, बच्चा सांस्कृतिक नियमों और अच्छे और बुरे, सही या गलत के स्तर के प्रति उत्तरदायी नहीं होता है, लेकिन इन स्तरों को कार्यों के भौतिक या सुखवादी परिणामों के संदर्भ में या संचार करने वालों की शारीरिक शक्तियों के संदर्भ में व्याख्या करता है। इस स्तर को आगे दो चरणों में उप-विभाजित किया गया है।

- **Stage-I:** The Punishment and Obedience Orientation: The physical consequences of an action determine whether the action is good or bad regardless of the human value or the meaning of these consequences. Avoidance of punishment and deference to power are valued in their own right, not in terms of respect for the underlying moral order. / **चरण 1: सजा और आज्ञाकारिता (आज्ञापालक) अभिनवीकरण:** किसी क्रिया के भौतिक परिणाम यह निर्धारित करते हैं कि मानवीय मूल्य या इन परिणामों के अर्थ की परवाह किए बिना क्रिया अच्छी है या बुरी है। सजा से बचाव और सत्ता के प्रति सम्मान अपने आप में मूल्यवान है, न कि अंतर्निहित नैतिक व्यवस्था के सम्मान के संदर्भ में है।
- **Stage-2:** Instrumental Relativist Orientation: Right action consists of that which instrumentally satisfies one's own needs and occasionally the needs of others. / **चरण 2: वाद्य-विनिमय अभिनवीकरण:** सही क्रिया में वह शामिल होता है जो किसी की अपनी जरूरतों को पूरा करता है और कभी-कभी दूसरों की जरूरतों को पूरा करता है।

2. Conventional level: At this level maintaining the expectations of the individual, family, group, or nation is perceived as of value in its own right regardless of the immediate and obvious consequences. This level is further classified into 2 levels. / **पारंपरिक स्तर:** इस स्तर पर व्यक्ति, परिवार, समूह या राष्ट्र की अपेक्षाओं को बनाए रखना, तत्काल और स्पष्ट परिणामों की परवाह किए बिना अपने आप में मूल्य के रूप में माना जाता है। इस स्तर को आगे 2 स्तरों में वर्गीकृत किया गया है-

- **Stage 3:** Good boy - Nice Girl Orientation: Good behavior is that which pleases or helps others and is approved by them. Behavior at this stage is frequently judged by intentions - "he means well", becomes important for the first time. One earns approval by being good to others. / **चरण 3: अच्छा-लड़का- अच्छी लड़की अभिनवीकरण:** अच्छा व्यवहार वह है, जो दूसरों को प्रसन्न करता है या मदद करता है और उनके द्वारा अनुमोदित है। इस स्तर पर व्यवहार को अक्सर उद्देश्यों से

आंका जाता है- " उसका अर्थ अच्छा है", पहली बार महत्वपूर्ण हो जाता है। व्यक्ति दूसरों के लिए अच्छा बनकर अनुमोदन अर्जित करता है।

- **Stage 4:** The Law and Order Orientation: There is an orientation towards authority, fixed rules, and maintenance of social order. Right behavior consists of doing one's duty, showing respect for established or lawful authority, and maintaining given social order for its own sake. / **चरण 4:** कानून और व्यवस्था अभिनवीकरण: यह प्राधिकरण, निश्चित नियमों और सामाजिक व्यवस्था के रखरखाव की ओर एक अभिनवीकरण है। सही व्यवहार में अपना कर्तव्य करना, स्थापित या वैध अधिकार के प्रति सम्मान दिखाना और अपने लिए दी गई सामाजिक व्यवस्था को बनाए रखना शामिल है।

3. **Post conventional level:** At this level, there is a clear effort to define moral values and principles that have validity and application apart from the authority of the groups or persons. This level also has two stages. / **उत्तर पारंपरिक स्तर:** इस स्तर पर, नैतिक मूल्यों और सिद्धांतों को परिभाषित करने का एक स्पष्ट प्रयास है, जो समूहों या व्यक्तियों के अधिकार के अलावा वैधता और अनुप्रयोग हैं। इस स्तर के भी दो चरण होते हैं।

- **Stage 5:** The Social Contract, Legalistic Orientation: In terms of general individual rights and standards that have been critically examined and agreed upon by the whole society. Apart from what is constitutional and democratically agreed upon the right is a matter of personal values. The result is based upon a legal point of view but with a Right to Education emphasis upon the possibility of changing the law in terms of consideration of social utility / **चरण 5:** सामाजिक अनुबंध, कानूनी अभिनवीकरण: सामान्य व्यक्तिगत अधिकारों और मानकों के संदर्भ में जिनकी गहन रूप से जांच की गई है और पूरे समाज द्वारा सहमति व्यक्त की गई है। इसके अलावा जो संवैधानिक और लोकतांत्रिक रूप से अधिकार पर सहमत है वह व्यक्तिगत मूल्यों की स्थिति है। परिणाम एक कानूनी दृष्टिकोण पर आधारित होता है लेकिन शिक्षा के अधिकार के साथ सामाजिक उपयोगिता के विचार के संदर्भ में कानून को बदलने की संभावना पर जोर दिया जाता है।
- **Stage 6:** The Universal Ethical Principle Orientation: Right is defined by the decision of the conscience in accordance with self-chosen ethical principles appealing to logical comprehensiveness, universality, and consistency. These are universal principles of justice, reciprocity, quality of human rights, and respect for the dignity of human beings as individual persons. / **चरण 6:** सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांत अभिनवीकरण: तार्किक व्यापकता, सार्वभौमिकता और निरंतरता के लिए अपील करने वाले स्व-चयनित नैतिक सिद्धांतों के अनुसार विवेक के निर्णय द्वारा अधिकार को परिभाषित किया गया है। ये न्याय, पारस्परिकता, मानवाधिकारों की गुणवत्ता और व्यक्तिगत व्यक्तियों के रूप में मानव की गरिमा के लिए सम्मान के सार्वभौमिक सिद्धांत हैं।



Social Development

सामाजिक विकास

Erik Erikson / एरिक एरिकसन

Erik Erikson's Psycho-social Theory focused on the adaptive function of the ego and the development of ego strength. / एरिक एरिकसन का मनोसामाजिक सिद्धांत ने अहम के अनुकूल कार्य और अहम शक्ति के विकास पर ध्यान केंद्रित किया।

Erik Erikson has given a theory that personality development had eight stages that were arranged hierarchical and were ordered. / एरिक एरिकसन ने एक सिद्धांत दिया है कि व्यक्तित्व विकास में आठ चरण थे जो पदानुक्रमित थे और उन्हें क्रम दिया गया था। Erik H. Erikson coined the term identity crisis. / एरिक एच. एरिकसन ने आइडेंटिटी क्राइसिस (परिचय अभाव या पहचान का संकट) शब्द दिया।



Stages of Psycho Social Development / मनोसामाजिक के चरण

Erikson covered human personality development in a series of eight stages that take place from the time of birth and continue throughout an individual's complete life. / एरिकसन ने आठ चरणों की श्रृंखला में मानव व्यक्तित्व विकास को कवर किया, जो जन्म के समय से होता है और व्यक्ति के संपूर्ण जीवन में जारी रहता है।

Stage / चरण	Psychosocial Crisis / मनोसामाजिक संकट	Basic Virtue / मूल गुण	Age / उम्र
1.	Trust vs. Mistrust / विश्वास बनाम अविश्वास	Hope/ आशा	Infancy (0 to 1) / शिशु (0 to 1)
2.	Autonomy vs. Shame / स्वायत्तता बनाम शर्म	Will / मर्जी	Early Childhood (1 to 3) / प्रारंभिक बाल्यावस्था (1 to 3)
3.	Initiative vs. Guilt / पहल बनाम अपराधबोध	Purpose / उद्देश्य	Play Age (3 to 6) / प्ले एज (3 to 6)
4.	Industry vs. Inferiority/ उद्योग बनाम हीनता	Competency / क्षमता	School Age (6 to 11) / स्कूल की आयु (6 to 11)
5.	Ego identity vs. Role Confusion / अहम् पहचान बनाम भूमिका भ्रम	Fidelity / सत्य के प्रति निष्ठा	Adolescence (12 to 18) / किशोरावस्था (12 to 18)
6.	Intimacy vs. Isolation / अंतरंगता बनाम अलगाव	Love / प्रेम	Young Adult (18 to 40) / युवा वयस्क (18 to 40)
7.	Generative vs. Stagnation / उत्पादक बनाम ठहराव	Care / देखभाल	Adulthood (40 to 65) / वयस्कता 40 to 65)
8.	Ego integrity vs. Despair / अहंकार अखंडता बनाम निराशा	Wisdom / बुद्धिमता	Maturity (65 +) / परिपक्वता (65+)

Erickson's Eight Psychosocial Stages of Development / एरिकसन के विकास के आठ मनोसामाजिक चरण

1. Trust vs. Mistrust / विश्वास बनाम अविश्वास

- During this stage, the infant is uncertain about the world in which they live and looks towards their primary caregiver for stability and consistency of care. / इस चरण के दौरान, शिशु उस विश्व के बारे में अनिश्चित होता है जिसमें वे रहते हैं और देखभाल की स्थिरता के लिए अपने प्राथमिक देखभालकर्ता की ओर देखते हैं।
- If the care the infant receives is consistent, predictable, and reliable, they will develop a sense of trust. / यदि शिशु को मिलने वाली देखभाल सुसंगत, पूर्वानुमेय और विश्वसनीय है, तो उनमें विश्वास की भावना विकसित होगी।
- If the care has been inconsistent, unpredictable, and unreliable, then the infant may develop a sense of mistrust, suspicion, and anxiety. / यदि देखभाल असंगत, अप्रत्याशित और अविश्वसनीय रही है, तो शिशु में अविश्वास, संदेह और चिंता की भावना विकसित हो सकती है।

2. Autonomy vs. Shame / Doubt / स्वायत्तता बनाम शर्म / संदेह

- According to Erikson, children at this stage are focused on developing a sense of personal control over physical skills and a sense of independence. / एरिकसन के अनुसार, इस स्तर पर बच्चे शारीरिक कौशल और स्वतंत्रता की भावना पर व्यक्तिगत नियंत्रण की भावना विकसित करने पर केंद्रित होते हैं।
- If children are criticized, overly controlled, or not given the opportunity to assert themselves, they begin to feel inadequate in their ability to survive, and may then become overly dependent upon others, lack self-esteem / यदि बच्चों की आलोचना की जाती है, अत्यधिक नियंत्रित किया जाता है, या स्वयं को मुखर करने का अवसर नहीं दिया जाता है, तो वे जीवित रहने की अपनी क्षमता में अपर्याप्त महसूस करने लगते हैं, और फिर दूसरों पर अत्यधिक निर्भर हो सकते हैं, आत्म-सम्मान की कमी हो सकती है।
- Success in this stage will lead to the virtue of will. / इस चरण में सफलता इच्छाशक्ति के गुण विकसित होता है।

3. Initiative vs. guilt / पहल बनाम अपराध

- During the initiative versus guilt stage, children assert themselves more frequently through directing play and other social interactions. / पहल बनाम अपराध की अवस्था के दौरान, बच्चे निर्देशन खेल और अन्य सामाजिक अंतःक्रियाओं के माध्यम से खुद को अधिक बार मुखर करते हैं।
- Central to this stage play, as it provides children with the opportunity to explore their interpersonal skills through initiating activities. / इस मंच के खेल के केंद्र में, यह गतिविधियों को शुरू करने के माध्यम से बच्चों को अपने पारस्परिक कौशल का पता लगाने का अवसर प्रदान करता है। Children begin to plan activities, makeup games, and initiate activities with others. If given this opportunity, children develop a sense of initiative and feel secure in their ability to lead others and make decisions. / बच्चे गतिविधियों की योजना बनाना, खेल खेलना शुरू करते हैं और दूसरों के साथ गतिविधियाँ शुरू करते हैं। यदि यह अवसर दिया जाता है, तो बच्चे पहल की भावना विकसित करते हैं और दूसरों का नेतृत्व करने और निर्णय लेने की अपनी क्षमता में सुरक्षित महसूस करते हैं।
- Conversely, if this tendency is squenched, either through criticism or control, children develop a sense of guilt. / इसके विपरीत, यदि आलोचना या नियंत्रण के माध्यम से इस प्रवृत्ति को दबा दिया जाता है, तो बच्चों में अपराध की भावना विकसित होती है।

- Success in this stage will lead to the virtue of purpose / इस चरण में सफलता उद्देश्य के गुण की ओर विकसित होता है।

4. Industry vs. inferiority / उद्योग बनाम हीनता

- Inferiority occurs during childhood between the ages of five and twelve / पांच से बारह वर्ष की आयु के बीच बाल्यावस्था में हीनता उत्पन्न होती है।
- If children are encouraged and reinforced for their initiative, they begin to feel industrious (competent) and feel confident in their ability to achieve goals. / यदि बच्चों को उनकी पहल के लिए प्रोत्साहित और मजबूत किया जाता है, तो वे मेहनती (सक्षम) महसूस करने लगते हैं और लक्ष्यों को प्राप्त करने की अपनी क्षमता में आत्मविश्वास महसूस करते हैं।
- If this initiative is not encouraged, if it is restricted by parents or teachers, then the child begins to feel inferior, doubting his own abilities and therefore may not reach his or her potential. / यदि इस पहल को प्रोत्साहित नहीं किया जाता है, तो इसे माता-पिता या शिक्षकों द्वारा प्रतिबंधित किया जाता है, तो बच्चा हीन महसूस करने लगता है, अपनी क्षमताओं पर संदेह करता है और इसलिए अपनी क्षमता तक नहीं पहुंच पाता है।
- Success in this stage will lead to the virtue of competence. / इस चरण में सफलता योग्यता के गुण की ओर विकसित होता है।

5. Identity vs. role confusion / पहचान बनाम भूमिका भ्रम

- During this stage, adolescents search for a sense of self and personal identity, through an intense exploration of personal values, beliefs, and goals. / इस चरण के दौरान, किशोर व्यक्तिगत मूल्यों, विश्वासों और लक्ष्यों की गहन खोज के माध्यम से स्वयं और व्यक्तिगत पहचान की भावना की खोज करते हैं।
- This is a major stage of development where the child has to learn the roles he will occupy as an adult. / यह विकास का एक प्रमुख चरण है जहां बच्चे को उन भूमिकाओं को सीखना होता है जो वह एक वयस्क के रूप में ग्रहण करेगा।
- Success in this stage will lead to the virtue of fidelity. / इस चरण में सफलता निष्ठा के गुण की ओर विकसित होता है।

6. Intimacy vs. isolation / अंतरंगता बनाम अलगाव

- During this stage, the major conflict centers on forming intimate, loving relationships with other people. / इस चरण के दौरान, प्रमुख संघर्ष अन्य लोगों के साथ अंतरंग, प्रेमपूर्ण संबंध बनाने पर केंद्रित होता है। Successful completion of this stage can result in happy relationships and a sense of commitment, safety, and care within a relationship. / इस चरण के सफलतापूर्वक पूरा होने से संबंध में खुशहाल संबंध और प्रतिबद्धता, सुरक्षा और देखभाल की भावना पैदा हो सकती है।
- Avoiding intimacy, fearing commitment and relationships can lead to isolation, loneliness, and sometimes depression. / अंतरंगता से बचना, प्रतिबद्धता और संबंधों से डरना अलगाव, अकेलापन और कभी-कभी अवसाद का कारण बन सकता है।
- Success in this stage will lead to the virtue of love. / इस चरण में सफलता प्रेम के गुण की ओर विकसित होता है।

7. Generativity vs. stagnation / उत्पादकता बनाम स्थिरता

- Through generativity, we develop a sense of being a part of the bigger picture. / उत्पादकता के माध्यम से, हम बड़ी तस्वीर का भाग होने की भावना विकसित करते हैं।

- Success leads to feelings of usefulness and accomplishment, while failure results in shallow involvement in the world. / सफलता उपयोगिता और उपलब्धि की भावनाओं को जन्म देती है, जबकि असफलता के परिणामस्वरूप विश्व में उथल-पुथल होती है।
- By failing to find a way to contribute, we become stagnant and feel unproductive. / योगदान करने का तरीका खोजने में विफल रहने से, हम स्थिर हो जाते हैं और अनुत्पादक महसूस करते हैं।
- Success in this stage will lead to the virtue of care. / इस चरण में सफलता देखभाल के गुण की ओर ले जाएगी।

8. Integrity vs. despair / ईमानदारी बनाम निराशा

- It is during this time that we contemplate our accomplishments and can develop integrity if we see ourselves as leading a successful life. / यह इस समय के दौरान है कि हम अपनी उपलब्धियों पर विचार करते हैं और अगर हम स्वयं को एक सफल जीवन जीने के रूप में देखते हैं तो हम ईमानदारी विकसित कर सकते हैं।
- Erik Erikson believed if we see our lives as unproductive, feel guilt about our past, or feel that we did not accomplish our life goals, we become dissatisfied with life and develop despair, often leading to depression and hopelessness. / एरिक एरिकसन का मानना था कि यदि हम अपने जीवन को अनुत्पादक के रूप में देखते हैं, अपने अतीत के बारे में अपराधबोध महसूस करते हैं, या महसूस करते हैं कि हमने अपने जीवन के लक्ष्यों को पूरा नहीं किया है, तो हम जीवन से असंतुष्ट हो जाते हैं और निराशा का विकास करते हैं, जो अक्सर अवसाद और निराशा की ओर ले जाता है।



Language is the primary means of communication for humans and the learning of a second language is important for various reasons including understanding different cultures, better communication with people from different backgrounds, and even landing a job. / भाषा मनुष्यों के लिए संचार का प्राथमिक साधन है और दूसरी भाषा सीखना विभिन्न कारणों से महत्वपूर्ण है, जिसमें विभिन्न संस्कृतियों को समझना, विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों के साथ बेहतर संचार और यहां तक कि नौकरी प्राप्त करना भी शामिल है।

Language development is the process through which a person develops and learns a language throughout infancy and childhood, which typically refers to a person's first or primary language. / **भाषा विकास** वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से एक व्यक्ति शैशवावस्था और बाल्यावस्था में एक भाषा विकसित करता है और सीखता है, जो आमतौर पर किसी व्यक्ति की पहली या प्राथमिक भाषा को संदर्भित करती है।

- Language development in the early years supports the ability of your child to communicate and express and understand feelings. / प्रारंभिक वर्षों में भाषा का विकास आपके बच्चे की भावनाओं को संप्रेषित करने और व्यक्त करने और समझने की क्षमता का समर्थन करता है।
- Language development is the process by which children come to understand and communicate language during early childhood. / भाषा विकास वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा बच्चे बाल्यावस्था में भाषा को समझने और संवाद करने के लिए प्रयोग करते हैं।
- It also supports your child's thinking ability and helps them develop and maintain relationships. / यह आपके बच्चे की सोचने की क्षमता का भी समर्थन करता है और उन्हें संबंधों को विकसित करने और बनाए रखने में मदद करता है।

Language rich environment is an essential base for language development as it: / **भाषा समृद्ध वातावरण भाषा विकास के लिए एक अनिवार्य आधार है क्योंकि:**

- Nurtures the expressiveness, creativity and imagination of the learners. / शिक्षार्थियों की अभिव्यक्ति, रचनात्मकता और कल्पना का पोषण करता है
- Lays the foundation for spontaneous language growth and development. / सहज भाषा विकास और विकास की नींव रखता है।
- Addresses learner's diverse needs by a variety of learning models and techniques. / विभिन्न प्रकार के लर्निंग मॉडल और तकनीकों द्वारा शिक्षार्थियों की विविध आवश्यकताओं को संबोधित करता है।
- Consists of visual and performance arts which engage students in creative activity. / इसमें दृश्य और प्रदर्शन कलाएं होती हैं जो छात्रों को रचनात्मक गतिविधियों में संलग्न करती हैं।

Theories of Language Development / भाषा विकास के सिद्धांत

1. **Noam Chomsky:** Noam Chomsky, known as the father of modern linguistics, has made a crucial contribution in the field of linguistics. / **नोआम चॉम्स्की:** आधुनिक भाषाविज्ञान के जनक के रूप में जाने जाने वाले नोआम चॉम्स्की ने भाषाविज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

- According to Chomsky, an innate capacity to acquire language is the result of our uniquely human biological inheritance which is called 'Language Acquisition Device'. / चॉम्स्की के अनुसार, भाषा प्राप्त करने की एक सहज क्षमता हमारे विशिष्ट मानव जैविक विरासत का परिणाम है जिसे 'भाषा अधिग्रहण डिवाइस' कहा जाता है।

Language acquisition device is a hypothetical tool in a child's brain that makes learners able to: / भाषा अधिग्रहण डिवाइस बच्चे के मस्तिष्क में एक काल्पनिक उपकरण है जो शिक्षार्थियों को निम्न में सक्षम बनाता है:

- Acquire and produce language. / भाषा का अधिग्रहण और उत्पादन
- Learn and assimilate language easily. / आसानी से भाषा सीखना और इस्तेमाल करना।
- Analyze language and extract basic rules. / भाषा का विश्लेषण करना और बुनियादी नियम निकालना।

Other important concepts given by Noam Chomsky / नोआम चोमस्की द्वारा दी गई अन्य महत्वपूर्ण अवधारणाएँ

- **Innate ability:** He strongly believes that children born with an innate knowledge of grammar that serves as the basis for all language acquisition. / सहज क्षमता: वह दृढ़ता से मानता है कि व्याकरण के जन्मजात ज्ञान के साथ पैदा हुए बच्चे जो सभी भाषा अधिग्रहण के लिए आधार के रूप में कार्य करते हैं।
 - **Generative grammar:** According to Chomsky it refers to a finite set of rules to generate sentences and can be used to produce more sentences in that language. / जनक व्याकरण: चॉम्स्की के अनुसार यह वाक्यों को उत्पन्न करने के लिए नियमों के एक सीमित सेट को संदर्भित करता है और इसका उपयोग उस भाषा में अधिक वाक्यों का उत्पादन करने के लिए किया जा सकता है।
 - **Universal grammar:** Chomsky's universal grammar suggests that all children have an innate ability to acquire, understand, and develop grammar. / सार्वभौमिक व्याकरण: चॉम्स्की के अनुसार यह वाक्यों को उत्पन्न करने के लिए नियमों के एक सीमित सेट को संदर्भित करता है और इसका उपयोग उस भाषा में अधिक वाक्यों का उत्पादन करने के लिए किया जा सकता है।
2. **Stephen Krashen:** Stephen Krashen is an expert in the field of linguistics with a specialization in theories of language acquisition and development. He gave the Theory of Second language Acquisition which is widely known and well-accepted. / स्टीफन क्रैशन: स्टीफन क्रैशन भाषा विज्ञान के क्षेत्र में एक विशेषज्ञ हैं, जो भाषा अधिग्रहण और विकास के सिद्धांतों में विशेषज्ञता रखते हैं। उन्होंने द्वितीय भाषा अधिग्रहण का सिद्धांत दिया जो व्यापक रूप से जाना जाता है और अच्छी तरह से स्वीकार किया जाता है।

Krashen's theory of second language acquisition consists of five main hypotheses / दूसरी भाषा अधिग्रहण के क्रैशन के सिद्धांत में पांच मुख्य परिकल्पनाएं शामिल हैं

1. The Acquisition Learning hypothesis. / अधिग्रहण - सीखने की परिकल्पना।
2. The Monitor hypothesis. / मॉनिटर परिकल्पना।
3. The Input hypothesis. / इनपुट परिकल्पना।
4. The Affective Filter hypothesis. / प्रभावी निस्पंदन परिकल्पना।
5. The Natural Order hypothesis. / प्राकृतिक आदेश परिकल्पना।

It can be said that Stephen Krashen gave the terms acquisition, observation, natural, input, dominant hypothesis in his theory of second language learning. / यह कहा जा सकता है कि स्टीफन क्रैशन ने दूसरी भाषा सीखने के अपने सिद्धांत में अधिग्रहण, अवलोकन, प्राकृतिक, इनपुट, प्रमुख परिकल्पना दी थी।

Language is not only a means of communication, it is also a medium through which most of our knowledge is acquired. It is a system that, to a great extent, structures the reality around us. Language acquisition involves processes of scientific inquiry such as observation of data, classification and categorization, hypothesis formation, and verification. / भाषा केवल संप्रेषण का साधन नहीं हैं, यह एक ऐसा माध्यम भी है जिसके द्वारा हमारा अधिकांश ज्ञान अर्जित किया जाता है। यह एक ऐसी प्रणाली है, जो काफी हद तक हमारे आसपास की वास्तविकता को दर्शाती है। भाषा अधिग्रहण में वैज्ञानिक जांच की प्रक्रियाएं शामिल हैं जैसे आंकड़ों का अवलोकन, वर्गीकरण तथा श्रेणीकरण, परिकल्पना निर्माण, और सत्यापन आदि।

- In children acquiring their second language, listening comes first, followed by speech, then reading and writing. In the second language of the child, this sequence is clear. Throughout these stages of language development, the child makes errors and corrects them, or is corrected by teachers. / द्वितीय भाषा प्राप्त करने वाले बच्चों में, सुनना पहले आता है, उसके बाद भाषण, फिर पढ़ना और लिखना आता है। बालक की द्वितीय भाषा में यह क्रम स्पष्ट होता है। भाषा के विकास के इन चरणों के दौरान, बच्चा गलतियाँ करता है और उन्हें सुधारता है, या शिक्षकों द्वारा ठीक किया जाता है।
- Language learning is essentially a matter of acquiring the important skills of listening, speaking, reading, and writing in an integrated manner, and harnessing these skills to the performance of formal as well as informal communication tasks. / भाषा अधिगम अनिवार्य रूप से एक एकीकृत तरीके से सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने के महत्वपूर्ण कौशल प्राप्त करने और औपचारिक और अनौपचारिक संचार कार्यों के प्रदर्शन के लिए इन कौशलों का उपयोग करने का विषय है।

Input-rich communicational environments are a prerequisite to language learning since languages are learned implicitly by comprehending and communicating messages, either through listening or reading for meaning. / इनपुट - समृद्ध संचार वातावरण भाषा अधिगम के लिए एक पूर्वपेक्षा है क्योंकि भाषाओं को अर्थ के लिए सुनने या पढ़ने के माध्यम से संदेशों को समझने और संप्रेषित करने के द्वारा परोक्ष रूप से सीखा जाता है।

- In the sequence of language, learning listening comes first, followed by speaking, then reading and writing. In the second language of the child, this sequence is clear. Throughout these stages of language development, the child makes errors and corrects them, or is corrected by teachers. / भाषा के क्रम में, पहले सुनना सीखना आता है, उसके बाद बोलना, फिर पढ़ना और लिखना। बालक की दूसरी भाषा में यह क्रम स्पष्ट होता है। भाषा के विकास के इन चरणों के दौरान, बच्चा गलतियाँ करता है और उन्हें सुधारता है, या शिक्षकों द्वारा ठीक किया जाता है।
- A comprehensible input-rich curriculum lays the foundation for spontaneous language growth, and different language skills develop simultaneously in communicative sociocultural contexts in linear order as LSRW approaches. / एक बोधगम्य इनपुट - समृद्ध पाठ्यक्रम सहज भाषा विकास की नींव रखता है, और विभिन्न भाषा कौशल एक साथ संचार सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों में रैखिक क्रम में विकसित होते हैं जैसे LSRW दृष्टिकोण।

- Language learning is essentially a matter of acquiring the important skills of listening, speaking, reading, and writing in an integrated manner, and harnessing these skills to the performance of formal as well as informal communication tasks. / भाषा अधिगम अनिवार्य रूप से एक एकीकृत तरीके से सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने के महत्वपूर्ण कौशल प्राप्त करने और औपचारिक और अनौपचारिक संप्रेषण कार्यों के प्रदर्शन के लिए इन कौशलों का उपयोग करने का विषय है।

Components of Language / भाषा के घटक

Components / अवयव	Features / विशेषताएँ
Phoneme / फोनीम	<ul style="list-style-type: none"> • It is the smallest or basic unit of spoken language. / यह बोली जाने वाली भाषा की सबसे छोटी या बुनियादी इकाई है। • The smallest unit of sound makes a difference in pronunciation and meaning. / ध्वनि की सबसे छोटी इकाई जो उच्चारण और अर्थ में अंतर करती है। • The word "pen" has three phonemes viz. 'p,' 'e' and, 'n'. / शब्द "pen" में तीन स्वर हैं। 'p,' 'e' और, 'n'।
Syntax / वाक्य विन्यास	<ul style="list-style-type: none"> • These are the grammatical rules which explain how different words can be combined to make a meaningful sentence. / ये व्याकरणिक नियम हैं, जो बताते हैं कि सार्थक वाक्य बनाने के लिए विभिन्न शब्दों को कैसे जोड़ा जा सकता है।
Semantics / अर्थ विज्ञान	<ul style="list-style-type: none"> • It refers to the set of rules by which we understand the meaning of words and sentences. / यह नियमों के संग्रह को संदर्भित करता है जिसके द्वारा हम शब्दों और वाक्यों के अर्थ को समझते हैं। • For example, adding "ed" at the end of the word refers to the past tense. / उदाहरण के लिए, शब्द के अंत में फ्तमकय् जोड़ना भूतकाल को दर्शाता है।
Morpheme / रूपिम	<ul style="list-style-type: none"> • The morpheme is the smallest unit of meaning. / रूपिम अर्थ की सबसे छोटी इकाई है। • Phonemes are combined to make morpheme, such as the word "remake", consists of two words "re" and "make". / स्वनिम को रूपिम बनाने के लिए संयोजित किया जाता है, जैसे फ्तमउंमय् शब्द में दो शब्द फ्तमय् और फ्उंमय् होते हैं।
Pragmatics / तथ्यात्मक	<ul style="list-style-type: none"> • The societal rules related to language. Pragmatics refers to the social rules of language. / सामाजिक नियम भाषा से संबंधित होते हैं। व्यावहारिकता से तात्पर्य भाषा के सामाजिक नियमों से है। • As language is a social tool of interaction, it has some underlying rules such as how to behave as a listener. / जैसा कि भाषा बातचीत का एक सामाजिक उपकरण है, इसके कुछ अंतर्निहित नियम हैं जैसे कि श्रोता के रूप में कैसे व्यवहार किया जाए।

According to Piaget, a thought emerges first and according to Vygotsky, language has a profound effect on thought / पियाजे के अनुसार, एक विचार पहले उभरता है और वायगोत्स्की के अनुसार, भाषा का विचार पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

Nature of Learning / अधिगम का स्वरूप

Learning is an extensive word. Learning depends on the inborn responses. Being inspired by the inborn instinct, a man does whatever activities there are for the adjustment of his situation. According to the Psychologists- Learning is a mental process. A mental process is expressed by the behaviour. A human behaviour is changed and refined on the basis of the experiences in his behaviour. / अधिगम एक व्यापक शब्द है। अधिगम जन्मजात प्रतिक्रियाओं पर आधारित होता है। व्यक्ति जन्मजात प्रवृत्तियों से प्रेरित होकर जो भी क्रियाएँ करता है, वह अपनी परिस्थितियों से समायोजन स्थापित करने के लिए होती हैं। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार अधिगम एक मानसिक प्रक्रिया है। मानसिक प्रक्रिया की अभिव्यक्ति व्यवहारों के द्वारा होती है। मानव-व्यवहार अनुभवों के आधार पर परिवर्तित और परिमार्जित होता रहता है।

Features of Learning Process / अधिगम प्रक्रिया की विशिष्टताएँ

The following characteristics of learning process are highlighted: / अधिगम प्रक्रिया की निम्नलिखित विशिष्टताएँ प्रकाशित होती हैं-

1. Learning is universal / अधिगम सार्वभौमिक है।
2. Learning is change / अधिगम परिवर्तन है।
3. Learning is development / अधिगम विकास है।
4. Learning is Purposive / अधिगम प्रयोजनपूर्ण है।
5. Learning is continuous / अधिगम निरन्तर है।
6. Learning is creative / अधिगम रचनात्मक है।
7. Learning is a relationship between stimuli and responses / अधिगम उत्तेजना तथा अनुक्रिया के मध्य एक सम्बन्ध है।
8. Learning is related with cognitive, affective and conative domains / अधिगम ज्ञानात्मक प्रभावात्मक तथा क्रियात्मक पक्ष से सम्बन्धित है।
9. Learning is Transferable / अधिगम स्थानान्तरणीय है।
10. Learning is a process / अधिगम प्रक्रिया है।

Classical Conditioning Theory / शास्त्रीय अनुबंधन सिद्धांत

I. P. Pavlov delivered the conditioned reflex theory (1849-1936). He was the native of Russia and a famous scientist. He was provided Nobel Prize in 1904 for doing the work on the digestion process. He published two books, Conditioned Reflex and Lectures on Conditioned Reflex. This theory is known by the name of Connected Reflex, Connected Variation, and Conditioned Response. But on the basis of the experiment, done by Pavlov on the dog, this theory has been given the name of 'Classical Conditioned Theory'. On the basis of nature of this theory it has also been given the name of 'Response Bond Theory'. / अनुकूलित प्रत्यावर्तन सिद्धान्त का प्रतिपादन आई. पी. पावलोव (1849 - 1936) ने किया। वह रूस का निवासी एवं प्रसिद्ध शरीर वैज्ञानिक था। उसे 1904 में पाचन प्रक्रिया पर किये गये कार्यों के लिए

नोबल पुरस्कार प्रदान किया गया था। उसने दो पुस्तकें Conditioned Reflexes तथा Lectures on Conditioned Reflexes प्रकाशित कराईं। इस सिद्धान्त को सम्बद्ध प्रत्यावर्तन, सम्बन्ध प्रतिक्रिया, अनुकूलित अनुक्रिया आदि नामों से जाना जाता है, किन्तु पावलोव द्वारा किये गये कुत्ते पर प्रयोग के उदाहरण पर आधारित सिद्धान्त को 'शास्त्रीय अनुकूलन सिद्धान्त' का नाम दिया गया है।

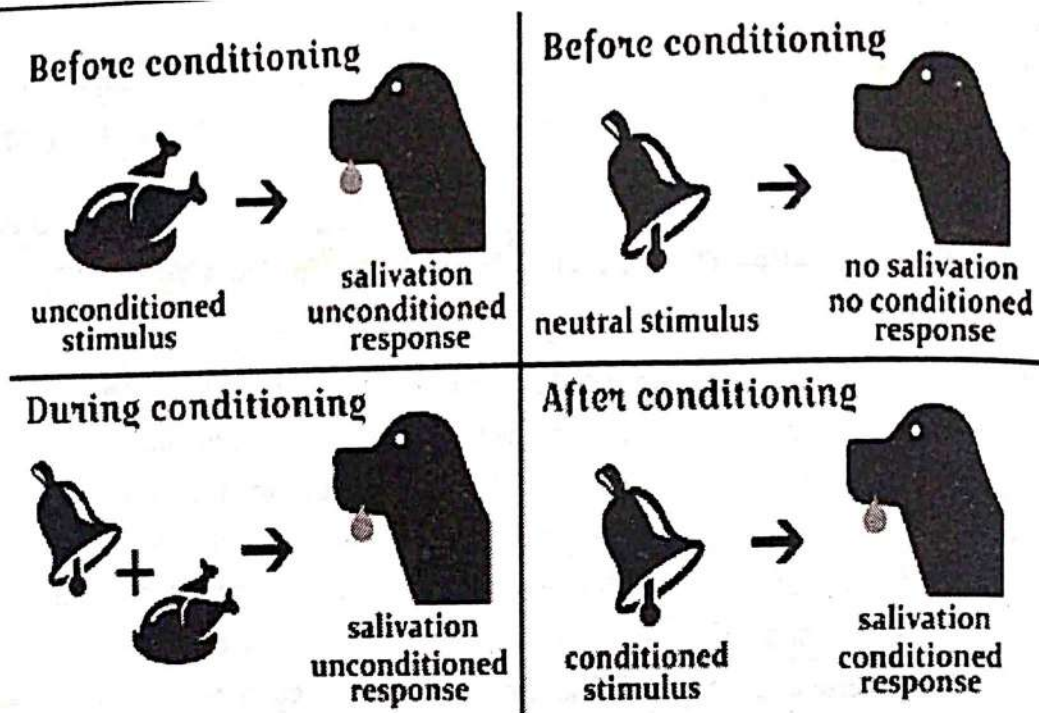
Pavlov's Conditioned Reflex Theory / पावलोव का अनुकूलित प्रत्यावर्तन सिद्धान्त

Pavlov's Classical Experiment: Pavlov did his experiment on a dog in a laboratory. During this experiment, food was given to a dog on a certain time everyday. Seeing the food the salivation of dog began to excrete. The presentation of food was a Unconditioned stimulus and the process of salivation by this stimulation was a Unconditioned response. Pavlov rang the bell in the second time, which was conditioned stimulus, and the alertness of dog and twisting the ears with this stimulation was an conditioned response. After this Pavlov rang the bell along with the presenting the food, means Unconditioned or conditioned stimulus presented together, as a response the dog salivated. This was the only response of both stimuli. This process was repeated in the laboratory many times, by which food and bell means, unconditioned or conditioned stimulus connected reflexes were conditioned. Now in the third round Pavlov only rang the bell, means only conditioned stimulus, but did not present food even then dog salivated. Here it is an important thing that food as a stimulus substituted bell as a stimulus. This is the learning of substitution. Which Pavlov named conditioned reflex. Now a days psychologists named the Pavlov conditioned Reflex Theory Classical theory. /

पावलोव का शास्त्रीय प्रयोग पावलोव: ने अपना प्रयोग एक प्रयोगशाला में एक कुत्ते पर किया। इस परीक्षण में एक कुत्ते को प्रतिदिन एक निश्चित समय पर भोजन दिया जाता था। भोजन को देखकर कुत्ते की लार टपकने लगती थी। भोजन की प्रस्तुति एक स्वाभाविक उत्तेजक और इस उत्तेजक से लार का टपकना स्वाभाविक अनुक्रिया थी। पावलोव ने दूसरे समय में घंटी बजाई जो एक अस्वाभाविक उत्तेजक और इस उत्तेजना से कुत्ते का चौकन्ना होना, कान खड़ा करना आदि अस्वाभाविक अनुक्रिया थी। इसके पश्चात् पावलोव ने भोजन की प्रस्तुति और घंटी की आवाज एक साथ की अर्थात् स्वाभाविक और अस्वाभाविक उत्तेजक एक साथ प्रस्तुत किये गये जिससे अनुक्रिया के रूप में कुत्ते ने लार टपकाई। यह दोनों उत्तेजकों की एक अनुक्रिया थी। यह क्रम पावलोव ने प्रयोगशाला में कई बार दुहराया जिसके द्वारा भोजन और घण्टी अथवा स्वाभाविक उत्तेजक और अस्वाभाविक उत्तेजक सम्बद्ध प्रत्यावर्तित अथवा अनुकूलित हो गई। अब तीसरे चरण में पावलोव ने केवल घण्टी की आवाज की अर्थात् केवल अस्वाभाविक उत्तेजक प्रस्तुत नहीं किया, भोजन प्रस्तुत नहीं किया, तो भी कुत्ते ने लार टपका दी। यहाँ यह बात महत्वपूर्ण है कि भोजन रूपी उत्तेजक घण्टी रूपी उत्तेजक में स्थानापन्न हो गई। यही स्थानापन्न अधिगम है जिसे पावलोव ने अनुकूलित प्रत्यावर्तन का नाम दिया। आज के मनोवैज्ञानिकों ने पावलोव के अनुकूलित प्रत्यावर्तन को शास्त्रीय अनुकूलन की संज्ञा दी है।

The above description of Pavlov can be defined in the following column - / पावलोव के प्रयोग के उपर्युक्त वर्णन को निम्नांकित तालिका से स्पष्ट किया जा सकता है-

1. U.C.S. (भोजन) = U. C. R. (लार)
2. C. S. (घंटी) + U.C.S. (भोजन) = U.C.R. (लार)
3. C. S. (घंटी) = C.R. (लार)



Extinction: Pavlov stopped the presentation of conditioned and unconditioned stimuli on the basis of time doseness in his further experiments, means only the bell was rung but food was not presented consequently, dog stopped the salivation process on sound of the bell. This was called extindion. / विलोपन- पावलावर: ने अपने आगे के प्रयोगों में अनुकूलित तथा अनानुकूलित उत्तेजनाओं को काल सामीप्य के आधार पर एक साथ प्रस्तुत करना बन्द कर दिया। अर्थात् केवल घण्टी बजाई जाती थी और भोजन नहीं प्रस्तुत किया जाता था जिससे कुछ दिनों के पश्चात् घण्टी की ध्वनि पर कुत्ते ने लार टपकाना बन्द कर दिया। इसे पावलाव ने विलोपन प्रक्रिया की संज्ञा दी है।

Spontaneous Recovery: It is seen in the observation of extinction related experiments that conditioning never finishes completely; rather the capability to counter is developed in the conditioning process. / तात्कालिक पुनराप्ति: विलोपन सम्बन्धी प्रयोगों के निरीक्षणों में देखा गया कि अनुकूलन पूर्णतः समाप्त नहीं हो जाता, बल्कि अनुकूलित प्रक्रिया में प्रतिरोधन क्षमता का विकास हो जाता है।

Inhibition: Inhibition is that process in the function of establishing conditioning, in which any other stimulus originates inhibition in the response. It can be caused by two reasons (a) Internal Reason in which any internal inhibition element does work, and (b) External Reason—in which any external inhibition element of environment does work. / प्रतिरोधन: प्रतिरोधन, अनुकूलन स्थापित करने की क्रिया में, वह प्रक्रिया है जिसमें कोई अन्य उत्तेजना अनुकूलित अनुक्रिया में प्रतिरोध उत्पन्न कर दे। प्रतिरोधन दो कारणों से हो सकता है- (a) आन्तरिक कारण- जिसमें कोई आन्तरिक प्रतिरोधक तत्व क्रियाशील होना है, तथा (b) बाह्य कारण- जिसमें वातावरण का बाहरी कोई प्रतिरोधक तत्व क्रियाशील होता है।

Generalization: Generalization is that process in which stimulus related to conditioning response seems same. For example, if a dog has learnt salivation on the bell sound, he salivates on the sound of metronome, because both have the same sound. / सामान्यीकरण: सामान्यीकरण वह प्रक्रिया है जिसमें अनुकूलित अनुक्रिया से सम्बन्धित उत्तेजना से मिलती जुलती उत्तेजना उसी के समान प्रतीत होती हैं। उदाहरणार्थ यदि कुत्ता घण्टी की ध्वनि पर लार टपकाना सीख गया है, तो वह मेट्रोनोम की ध्वनि पर भी लार टपकाता है, क्योंकि घण्टी और मेट्रोनोम की ध्वनि मिलती-जुलती है।

Importance of Classical Conditioned Theory in Education / शिक्षा में शास्त्रीय अनुकूलन सिद्धान्त की उपयोगिता एवं महत्त्व

1. This method helps in removing bad habits and in changing the conduct and behaviour, / यह विधि बुरी आदतों के निवारण, आचरण तथा व्यवहार बदलने में सहायता करती है।
2. With the help of this method phobia related mental diseases can be cured, / इस विधि की सहायता से भय सम्बन्धी मानसिक रोगों का उपचार किया जा सकता है।
3. For the establishment of discipline, the theory of reward and punishment is also depended on it, / अनुशासन स्थापित करने के दण्ड एवं पुरस्कार के सिद्धान्त इसी विधि पर आधारित हैं।
4. This method helps children in the social awareness and adjustment with the environment, / यह विधि बालकों के समाजीकरण में तथा वातावरण में समायोजन करने में सहायता देती है।

Operant Conditioning / क्रियाप्रसूत अनुबंधन

BF Skinner, an American psychologist proposed the Theory of operant conditioning in 1938. B. F. Skinner's experiments on operant conditioning won him worldwide fame. Skinner defined operant conditioning as the process of learning that elicits operant behavior. / बी. एफ. स्किनर, एक अमेरिकी मनोवैज्ञानिक ने 1938 में क्रियाप्रसूत अनुबंधन सिद्धान्त का प्रस्ताव रखा था। बी. एफ. स्किनर के क्रियाप्रसूत अनुबंधन पर किए गए प्रयोगों ने उन्हें दुनिया भर में प्रसिद्धि दिलाई। स्किनर ने क्रियाप्रसूत अनुबंधन को अधिगम की प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया है जो क्रियात्मक व्यवहार को प्रभावित करती है।



- Operant conditioning can be defined as a principle of learning in which behavior is maintained or changed through its positive or negative consequences. / क्रियाप्रसूत अनुबंधन को अधिगम के सिद्धान्त के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसमें व्यवहार को उसके सकारात्मक या नकारात्मक परिणामों के माध्यम से बनाए रखा या बदला जाता है।
- The basic principles of operant conditioning are that when a behavior occurs and is followed by reinforcement, it is more likely to occur again in the future / क्रियाप्रसूत अनुबंधन के मूल सिद्धान्त यह हैं कि जब कोई व्यवहार होता है और उसके बाद पुनर्बलन होता है, तो भविष्य में उसके फिर से होने की संभावना अधिक होती है।
- Reinforcement is the key element in Skinner's S-R theory. A reinforcement is anything that strengthens the desired response. It could be a reward, verbal praise, good grade, etc. This theory also covers negative reinforcement- any stimulus that results in the increased frequency of a response when it is withdrawn (different from adverse stimulus - punishment - which result in reduced response). / स्किनर के S - R सिद्धान्त में पुनर्बलन प्रमुख तत्व है। एक पुनर्बलन वह है जो वांछित प्रतिक्रिया को मजबूत करता है। यह एक पुरस्कार, मौखिक प्रशंसा, अच्छा ग्रेड, आदि हो सकता है। इस सिद्धान्त में नकारात्मक पुनर्बलन भी शामिल है - कोई भी उद्दीपक जिसके परिणामस्वरूप प्रतिक्रिया की आवृत्ति में वृद्धि स्किनर ने क्रियाप्रसूत अनुबंधन को सीखने की प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया है, जो क्रियाप्रसूत व्यवहार को प्रभावित करती है।
- Skinner defined operant conditioning as the process of learning that elicits operant behavior. Type R conditioning involves operant behavior, and emphasis is on the response. Type R conditioning is also called operant conditioning. / इसके आधार पर अनुबंधन दो प्रकार का होता है, जो कि टाइप S और टाइप R हैं। स्किनर ने क्रियाप्रसूत अनुबंधन को सीखने की प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया है

जो क्रियाप्रसूत व्यवहार को प्रभावित करती है। टाइप R अनुबंधन में संचालक व्यवहार शामिल है, और प्रतिक्रिया पर जोर दिया जाता है। टाइप R अनुबंधन को क्रिया-प्रसूत अनुबंधन भी कहा जाता है।

Experiment / प्रयोग

- In his classic experiment, Skinner placed a semi-starved rat in the box / अपने शास्त्रीय प्रयोग में, स्किनर ने पिंजरे में एक अर्ध-भूखा चूहा रखा था।
- There was a lever that, after being pressed, released a mechanism to deliver a pellet of food to the rat. / एक हथ्था था जिसे दबाए जाने के बाद, चूहे को भोजन की एक गोली पहुंचाने के लिए एक तंत्र जारी किया गया था।



- Initially, the rat is engaged in a number of random behaviours like walking, sniffing and scratching. / प्रारंभ में, चूहा चलने, सूँघने और खरोंचने जैसे कई यादृच्छिक व्यवहारों में लगा हुआ था।
- None of these helped to get the food. At some point in time, the rat accidentally hit the lever and the food was delivered. / इनमें से किसी ने भी भोजन प्राप्त करने में मदद नहीं मिली। किसी समय, चूहा गलती से हथ्थे से टकरा गया और खाना पहुंच गया।
- Of course, for the semi-starved rat, this was a big reward. / बेशक, अर्ध-भूखे चूहे के लिए, यह एक बड़ा पुरस्कार था।

In Skinner's other famous experiment, a pigeon pecks the red ball and gets food. Because of food (reinforcement), the pigeon is likely to peck the same ball again and again. / स्किनर के अन्य प्रसिद्ध प्रयोग में, एक कबूतर लाल गेंद को चोंच मारता है और भोजन प्राप्त करता है। भोजन (पुनर्बलन) के कारण, कबूतर एक ही गेंद को बार-बार चोंच मार सकता है।

Reinforcement / पुनर्बलन

Responses from the environment that increase the probability of a behavior being repeated. Whenever you see a behavior persisting or increasing over time, you can assume the consequences of that behavior are reinforcers for the individual involved. The reinforcement process can be diagrammed as follows: / पुनर्बलन पर्यावरण से प्रतिक्रियाएं जो व्यवहार के दोहराए जाने की संभावना को बढ़ाती हैं। जब भी आप किसी व्यवहार को समय के साथ निरंतर या बढ़ते हुए देखते हैं, तो आप मान सकते हैं कि उस व्यवहार के परिणाम व्यक्ति के लिए पुष्टकारक हैं। पुनर्बलन प्रक्रिया निम्नानुसार आरेखित की जा सकती है।

- **Positive reinforcement:** A behavior that is associated with a positive consequence or desirable outcome in the past will increase the chances of the behavior occurring again. This is called positive reinforcement. / **सकारात्मक पुनर्बलन:** एक व्यवहार जो अतीत में एक सकारात्मक परिणाम या वांछनीय परिणाम के साथ जुड़ा हुआ है, व्यवहार के फिर से होने की संभावना को बढ़ा देगा। इसे सकारात्मक पुनर्बलन कहा जाता है।

Example The rat rewarded with food when he pressed the lever (button) / **उदाहरण:** चूहे ने भोजन के साथ पुरस्कृत किया जब उसने लीवर (बटन) दबाया

- **Negative reinforcement:** Learning can also take place if an undesirable consequence is avoided because of an action taken. This is called negative reinforcement. It can be used for children with Special Needs. / **नकारात्मक पुनर्बलन:** अगर किसी कार्रवाई के कारण अवांछित परिणाम से बचा जाता है, तो सीखना भी हो सकता है। इसे नकारात्मक पुनर्बलन कहा जाता है। इसका उपयोग विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों के लिए किया जा सकता है।

Example: The rat get electric shocks produced by floor by pressing the lever (button) / उदाहरण: चूहे को लीवर (बटन दबाने से फर्श से उत्पन्न बिजली के झटके लगते हैं।

Punishment / दंड

- Positive punishment is when a child gets punished for avoiding some action. / सकारात्मक दंड तब होता है जब बच्चे को कुछ कार्रवाई से बचने के लिए दंडित किया जाता है।
- Negative punishment is when a child gets ignored to avoid certain behavior / नकारात्मक दंड तब होता है जब एक बच्चे को कुछ व्यवहार से बचने के लिए अनदेखा किया जाता है।

Shaping/ गठन

- In such a procedure reinforcement is applied to responses that are increasingly closer to the desired behavior. / ऐसी प्रक्रिया में उन प्रतिक्रियाओं पर पुर्नबलन लागू किया जाता है, जो वांछित व्यवहार के अधिक निकट होते जा रहे हैं।
- Shaping refers to the gradual forming of the behavior. / आकार देने से तात्पर्य व्यवहार के क्रमिक गठन से है

Reinforcement Schedule / पुनर्बलन अनुसूची

The main types of partial reinforcement schedules (schedules of reinforcement) depend upon the time at which the reinforcement is given or the rate/number of times the reinforcement is given to the response. / आंशिक पुनर्बलन कार्यक्रम के मुख्य प्रकार (पुनर्बलन के कार्यक्रम) उस समय पर निर्भर करते हैं जिस पर पुनर्बलन दिया जाता है या प्रतिक्रिया के लिए पुनर्बलन की दर / संख्या दी जाती है।

- **Fixed-ratio schedule (FR):** This depends upon a particular number of responses that must be made before the reinforcement is given. For example, reinforcement is given after every fourth response or every third response. This schedule leads to a high rate of response that occurs at a relatively steady rate / **निश्चित अनुपात अनुसूची (FR):** यह एक विशेष संख्या में प्रतिक्रियाओं पर निर्भर करता है, जो पुनर्बलन दिए जाने से पहले की जानी चाहिए। उदाहरण के लिए, हर चौथी प्रतिक्रिया या हर तीसरी प्रतिक्रिया के बाद पुनर्बलन दिया जाता है। यह अनुसूची प्रतिक्रिया की उच्च दर की ओर ले जाती है जो अपेक्षाकृत स्थिर दर पर होती है।
- **Fixed-interval schedule (FI):** The reinforcement is given after a fixed interval of time, irrespective of the number of responses delivered. The performance is relatively varied in this kind of a schedule / **निश्चित अंतराल अनुसूची (FI) :** समय के एक निश्चित अंतराल के बाद पुनर्बलन दिया जाता है, चाहे दिए गए प्रतिक्रियाओं की संख्या कुछ भी हो। इस तरह के अनुसूची में प्रदर्शन अपेक्षाकृत भिन्न होता है
- **Variable-interval schedule (VI):** The reinforcement is given after a varied interval of time. That is to say that it may be given after a one-time interval and then after another interval and so on. / **परिवर्तनीय - अंतराल अनुसूची (VI):** पुनर्बलन समय के विविध अंतराल के बाद दिया जाता है। कहने का तात्पर्य यह है कि यह एक बार के अंतराल के बाद और फिर दूसरे अंतराल के बाद और इसी तरह दिया जा सकता है।
- **Variable-ratio schedule (VR):** In this schedule, reinforcement is given after a varied number of responses. That is it may be given after the first response, then after three responses, then after five responses, and so on. So, there is no fixed number of responses preceding the reinforcement. This kind of reinforcement schedule leads to a high and steady rate of responding. / **परिवर्तनीय - अनुपात अनुसूची (VR):** इस अनुसूची में विभिन्न प्रतिक्रियाओं के बाद पुनर्बलन दिया जाता है। यानी यह पहली प्रतिक्रिया के बाद दिया जा सकता है, फिर तीन प्रतिक्रियाओं के बाद, फिर पांच प्रतिक्रियाओं के बाद, और इसी

तरह। इसलिए, पुनर्बलन से पहले प्रतिक्रियाओं की कोई निश्चित संख्या नहीं है। इस तरह के पुनर्बलन कार्यक्रम से प्रतिक्रिया की उच्च और स्थिर दर होती है।

Trial and Error / त्रुटि एवं प्रयास

Thorndike's Stimulus - Response Bond Theory / थार्नडाइक का उद्दीपक-अनुक्रिया अनुबन्ध सिद्धान्त

Edward L. Thorndike, in his book 'Animal Intelligence', in 1898, delivered famous connectionism. The meaning of connectionism in learning psychology is to make connection between stimulus and response. In the connectionism, connection is established between stimulus and response. / एडवर्ड एल. थार्नडाइक ने अपनी पुस्तक 'एनीमल इन्टेलीजेन्स', 1898 में प्रसिद्ध 'सम्बन्धवाद' का प्रतिपादन किया। अधिगम मनोविज्ञान के क्षेत्र में 'सम्बन्धवाद' का तात्पर्य है उद्दीपक के साथ अनुक्रिया का सम्बन्ध बनाना। सम्बन्धवाद में उद्दीपक तथा अनुक्रिया के मध्य सम्बन्ध स्थापित किया जाता है।

According to Thorndike connection is established between stimulus and response. Symbolically it is expressed by $S \rightarrow R$. Thorndike has presented the rules of learning on the basis of $S \rightarrow R$ bonds. In his book 'Educational Psychology' he has written widely about this theory in the educational field. / थार्नडाइक के सिद्धान्त के अनुसार उद्दीपक तथा अनुक्रिया में संयोग स्थापित होता है। इनको संकेत रूप में $S \rightarrow R$ (S → R) द्वारा प्रदर्शित किया जाता है। (S → R) अनुबन्धनों के आधार पर अधिगम के नियमों को थार्नडाइक ने प्रस्तुत किया है। अपनी पुस्तक Educational Psychology में उसने शैक्षिक क्षेत्र में इस सिद्धान्त का व्यापक उल्लेख किया है।

The chief characteristics of Stimulus-Response Bond Theory / उद्दीपक-अनुक्रिया अनुबन्ध सिद्धान्त की मुख्य विशेषताएँ

- (1) Bonding between stimulus and response is learning. / उद्दीपक तथा अनुक्रिया के मध्य अनुबन्धन स्थापित हो जाना ही अधिगम है।
- (2) Thorndike's theory has given a scientific base to the learning process in the field of education psychology. / थार्नडाइक के सिद्धान्त ने शिक्षा मनोविज्ञान के क्षेत्र में अधिगम प्रक्रिया को एक वैज्ञानिक आधार प्रदान किया है।
- (3) This theory is a form of associate theory. / यह सिद्धान्त साहचर्य सिद्धान्त का ही एक रूप है।

Thorndike's Laws of Learning: Different psychologists have discovered the laws of learning, after experimenting on the animals by laboratory method. But Thorndike has got the credit of making series of laws of learning. / **थार्नडाइक के अधिगम के नियम:** विभिन्न मनोवैज्ञानिकों ने प्रयोगशाला विधि द्वारा पशुओं पर परीक्षण करके अधिगम के नियमों की खोज की है। किन्तु अधिगम के नियमों को क्रमबद्ध करने का श्रेय थार्नडाइक को ही है।

(A) Primary Laws of Learning / अधिगम के मुख्य नियम

- (1) Law of Readiness / तत्परता का नियम
- (2) Law of exercise / अभ्यास का नियम
- (3) Law of Effect / प्रभाव का नियम

(B) Secondary Laws of Learning / अधिगम के गौण नियम

- (1) Law of Multiple Responses / बहु अनुक्रिया का नियम
- (2) Law of Mental set or Attitude / मानसिक स्थिति अथवा मनोवृत्ति का नियम
- (3) Law of Prepotency of Elements / तत्वों की पूर्व समर्थता का नियम

- (4) Law of Response by Analogy / सादृश्यता द्वारा अनुक्रिया का नियम
- (5) Law of Associative Shifting / साहचर्य परिवर्तन का नियम

(A) Primary Laws of Learning / अधिगम के मुख्य नियम

Thorndike has said the following three laws of learning - / थॉर्नडाइक ने अधिगम के प्रमुख रूप से निम्नलिखित तीन नियम बताए हैं-

1. **Law of readiness:** This law means that when learner is ready for learning, he can learn, otherwise he can't. He gets ready for learning. In order to give education to a child firstly a teacher should develop such conditions which originate interest and curiosity in a child and he will be prepared for learning. / **तत्परता का नियम:** इस नियम का अर्थ है कि जब अधिगम करने वाला अधिगामी अधिगम के लिए तत्पर या तैयार होता है, तभी अधिगम कर सकता है, अन्यथा नहीं। अधिगम के लिए उसे तैयार करना पड़ता है। बालक को शिक्षा देते समय शिक्षक को सर्वप्रथम अधिगम के लिये ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न करनी चाहिए जिससे कि बालक में रुचि और जिज्ञासा जाग्रत हो सके और वह अधिगम के लिए तैयार हो जाए।
2. **Law of Exercise:** Law of exercise says that under a situation, in order to determine a right response, that response should be repeated again and again. Which learning process we repeat many times, we learn it easily. Learning can be made easy by exercise. / **अभ्यास का नियम:** अभ्यास का नियम यह बताता है कि एक परिस्थिति में सही अनुक्रिया को दृढ़ करने के लिए उस अनुक्रिया को बार-बार दुहराया जाए। जिस अधिगम क्रिया की हम कई बार पुनरावृत्ति करते हैं उसे हम शीघ्र ही अधिगम कर लेते हैं। अभ्यास से अधिगम को सुगम बनाया जा सकता है।

There are the two aspects of law of exercise - / अभ्यास के नियम के दो रूप हैं-

- (i) **Law of Use:** Whichever work is exercised again and again, is learnt easily. As a poem is repeated again and again to remember it. In the same way for learning riding bicycle, a child has to try many times, he falls and get wounded, but at last he learns riding bicycle. Painting, typing, learning music, playing any game etc can be learnt by using and exercise. / **उपयोग का नियम:** जिस कार्य का अभ्यास बार-बार किया जाता है, वह सरलातापूर्वक शीघ्र सीख लिया जाता है। कविता याद करने के लिए उसे बार-बार दुहराना पड़ता है। इसी प्रकार साईकिल चलाना सीखने के लिए बालक को अनेक बार प्रयास करने पड़ते हैं, वह गिरता भी है चोट भी खाता है। अन्त में अभ्यास के द्वारा वह बिना गिरे साईकिल चलाने लगाता है। चित्रकारी, टाइप करना, संगीत सीखना, कोई खेल खेलना आदि को अभ्यास और उपयोग करके ही सीखा जा सकता है।
- (ii) **Law of disuse:** This law is quite opposite to the law of use. If learnt work is not practiced or used, a man forgets it. For example-A man can not play or sing after leaving the practice of singing and playing. A player cannot play properly, when he comes in the play ground after a long time. Thus, the same thing can be said in the learning process, as- Success can be obtained in maths after doing daily practice. In brief, it can be said whichever work is not done or repeated for a long time, it is not remembered. It is called the law of disuse. / **अनुपयोग का नियम:** यह नियम उपयोग के नियम के विपरीत है। यदि सीखे हुए कार्य का अभ्यास या उपयोग नहीं किया जाता है जो व्यक्ति उसे भूल जाता है। उदाहरणार्थ- गाने और बजाने का अभ्यास छोड़ देने पर व्यक्ति नहीं गा बजा सकता। खिलाड़ी बहुत दिनों बाद यदि खेल के मैदान में खेलने आता है, तो वह ठीक से खेल नहीं पाता। यही बात पढ़ने-लिखने के लिए भी कही जा सकती है, जैसे- गणित का नित्य अभ्यास करने पर ही सफलता मिलती है। संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि जिस कार्य को समय तक किया या दुहराया नहीं जाता, वह याद नहीं रहता है- इसी को अनुपयोग का नियम कहते हैं।

3. **Law of Effect:** This law is also called the law of satisfaction or dissatisfaction. If after doing some work we get satisfaction, we want to do that work again and again. The law of reward and punishment in the education indicates this side, if after doing any work child gets reward he wants to do it again and again, and by doing any work if he gets punishment, he does not want to do that work, so he does not learn it. This law, in the education can be used psychologically. It is the duty of a teacher that he should develop such situation for the learning of a child so that he could get success, and feel satisfaction and pleasure. For whichever work does a child get appreciated, he learns that work soon. All the laws of learning are depend and internally related to each other. / **प्रभाव का नियम:** इस नियम को सन्तोष या असन्तोष का नियम भी कहा जाता है। जिस कार्य को करने के उपरान्त हमें संतोष या सुख मिलता है, उसे हम बार-बार करना चाहते हैं। शिक्षा में पुरस्कार और दण्ड देने का नियम इसी ओर संकेत करता है। जिस कार्य को करने से बालक को पुरस्कार मिलता है, उसे वह बार-बार करना चाहता है। किन्तु जिस कार्य को करने के लिए दण्ड मिलता है उसे वह नहीं करना चाहता, अतः उसे वह नहीं सीखता। इस नियम का प्रयोग शिक्षा में मनोवैज्ञानिक ढंग से किया जा सकता है। शिक्षक को चाहिए कि वह बालक के लिए अधिगम की ऐसी परिस्थिति का निर्माण करे जिससे उसे सफलता प्राप्त हो सके और संतोष व सुख की अनुभूति हो। बालकों को जिस कार्य के लिए प्रशंसा मिलती है, उसे वे शीघ्र सीख जाते हैं। अधिगम के उपर्युक्त सभी नियम एक दूसरे पर आधारित तथा आन्तरिक रूप से सम्बन्धित हैं।

(B) Secondary Laws of Learning / अधिगम के गौण नियम

Except above three important laws of learning, Thorndike has presented five secondary laws of learning, which are following - / उपर्युक्त तीन प्रमुख अधिगम नियमों के अतिरिक्त थार्नडाइक ने अधिगम के पाँच गौण नियम भी प्रतिपादित किये हैं, जो निम्नलिखित हैं-

1. **Law of Multiple Responses:** According to Thorndike, when some stimulus provokes any creature he does many responses to get satisfaction, and there are multi responses before right response, out of which many responses are useless. But if responses are not multiple, learner could not learn right response. / **बहुअनुक्रिया का नियम:** थार्नडाइक के अनुसार जब कोई उद्दीपक जीव को उत्तेजित करता है तो सन्तुष्टि प्राप्त करने के लिए वह अनेक प्रकार की अनुक्रियाएँ करता है अर्थात् सही अनुक्रिया के पूर्व बहु अनुक्रियाएँ होती हैं जिनमें से प्रायः अनेक अनुक्रियाएँ निरर्थक भी रहती हैं। किन्तु यदि अनुक्रियाएँ बहुरूपी न हों तो अधिगमी सही अनुक्रिया करना नहीं सीख सकता।
2. **Law of Mental set or Attitude:** Mental condition and attitude affect much in the learning. Favorable attitude comes. If a learner has lack of expected attitude and mental conditions toward the learning process, then he can't do learning. So, according to this rule, it is necessary that a child should be prepared mentally before learning process. / **मानसिक स्थिति अथवा मनोवृत्ति का नियम:** अधिगम में मानसिक स्थिति अथवा मनोवृत्ति का बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। अनुकूल मनोवृत्ति आती है। यदि अधिगमी में अधिगम क्रिया के प्रति उपेक्षित मनोवृत्ति या मानसिक स्थिति का अभाव है तो वह अधिगम नहीं कर सकता, शिक्षण चाहे कितना ही प्रभावशाली क्यों न हो। अतः इस नियम के अनुसार यह आवश्यक है कि शिक्षण - क्रिया से पूर्व बालक को मानसिक रूप से पहले तैयार किया जाए।
3. **Law of Prepotency of Elements:** This law is also called the law of selective response. It means that learner does not responds towards all the factors in troublesome condition, but he has a potential in responding towards some selected factors. Towards whichever condition, learner has potential in responding, is called the elements of prepotency, which already exists in the learner. / **तत्वों की पूर्व समर्थता का नियम:** इस नियम को चयनकारी अनुक्रिया का नियम भी कहते हैं। इस नियम का तात्पर्य यह है कि अधिगमी समस्याजनक परिस्थिति के सभी तत्वों के प्रति अनुक्रिया न कर कुछ चुने हुए तत्वों के

प्रति अनुक्रिया करने में समर्थ रहता है। जिस स्थिति के प्रति अधिगामी अनुक्रिया करने में समर्थ होता है उसे समर्थता का तत्व कहते हैं, जो अधिगामी में पहले से विद्यमान रहती है।

4. **Law of Analogy:** Law of analogy mean responses done on the basis of similarity or analogy of two situations. In it, the use of previous knowledge and earlier experience is done in the new learning condition. Here the theory of transference does work. When some knowledge or experience is assumed properly, or it is assimilated, then it can be easily transferred in any other learning conditions. So it is also called the law of assimilation. / सादृश्यता द्वारा अनुक्रिया का नियम: सादृश्यता द्वारा अनुक्रिया के नियम का तात्पर्य यह है कि अनुक्रिया दो परिस्थितियों की समानता अथवा सादृश्यता के आधार पर होती है। जब किसी ज्ञान या अनुभव को अच्छी तरह से धारण कर लिया जाता है या उसका आत्मसात कर लिया जाता है तो किसी दूसरी या नवीन अधिगम परिस्थितियों में उसका सरलता से अन्तरण किया जा सकता है। इसीलिए इस नियम को आत्मीकरण का नियम भी कहते हैं।
5. **Law of Associative Shifting:** Thorndike's associative shifting law means that the place of response of learner goes on change; it shifts in the form of formal and later conditions, which have relation? During the time of providing new knowledge to learner, if the same conditions are originated which were presented in the time of giving earlier knowledge, then learner will do the same response. To establish this kind of associative affinity between earlier and new knowledge, is called associative shifting. So as far as it can be, associative conditions should be developed before learning, so that learner could shift the place of knowledge. / साहचर्य परिवर्तन का नियम: थर्नडाइक के साहचर्य परिवर्तन के नियम से यह अभिप्राय है कि अधिगामी की अनुक्रिया का स्थान परिवर्तित होता है, यह पूर्व तथा पश्चात् की परिस्थिति के रूप में होता है, जिनमें समानता होती है। यदि नवीन ज्ञान को प्रदान करते समय वही परिस्थितियाँ उत्पन्न कर दी जाएँ जो अभिप्राय को पूर्व ज्ञान प्रदान करते समय विद्यमान थीं तो अधिगामी पूर्वानुसार ही अनुक्रिया करेगा। पूर्व एवं नवीन परिस्थितियों में इस प्रकार की सहचारी समानता स्थापित करना ही साहचर्य परिवर्तन कहलाता है। अतः जहाँ तक हो सके अधिगम से पूर्व सहचारी परिस्थितियों का निर्माण किया जाना चाहिए जिससे अधिगामी ज्ञान का स्थान परिवर्तन कर सके।

Social Learning Theory / सामाजिक अधिगम सिद्धांत

Albert Bandura proposed Social Learning Theory. He emphasized on how children learn from surroundings and cognitive factors. He described how a child is influenced by observing imitating and modeling others. / अल्बर्ट बंडुरा ने सामाजिक अधिगम सिद्धांत का प्रतिपादन किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बच्चे किस तरह से परि वेश और संज्ञानात्मक कारकों से सीखते हैं। उन्होंने बताया कि कैसे एक बच्चा दूसरों की नकल और प्रतिरूप को देखकर प्रभावित होता है।



In this kind of learning / इस प्रकार के अधिगम में

- Human beings learn social behaviors, therefore, it is sometimes called social learning. / व्यक्ति सामाजिक व्यवहार सीखता है, इसलिए इसे कभी - कभी सामाजिक अधिगम भी कहा जाता है।
- They observe others and emulate their behavior. This form of learning is called modelling. / वे दूसरों का निरीक्षण करते हैं और अपने व्यवहार का अनुकरण करते हैं। अधिगम के इस रूप को मॉडलिंग (प्रतिरूपण) कहा जाता है।
- Observational learning observers acquire knowledge by observing the model's behavior, but performance is influenced by the model's behavior is rewarded or punished. / अवलोकन अधिगम में पर्यवेक्षक प्रतिमान के व्यवहार को देखकर ज्ञान प्राप्त करते हैं, लेकिन प्रदर्शन प्रतिमान के व्यवहार को पुरस्कृत या दंडित करने से प्रभावित होता है।

Steps of Social Learning / सामाजिक अधिगम की प्रक्रिया

The social learning theory of 'Albert Bandura' emphasizes that the process of social learning consists of four steps (respectively) including : / 'अल्बर्ट बंडुरा' के सामाजिक अधिगम सिद्धांत में इस पर बल दिया गया है कि सामाजिक अधिगम की प्रक्रिया में चार चरण (क्रमशः) शामिल हैं:

Attention / ध्यान	It refers to the process of paying attention to the model to observe in order to learn. / यह अधिगम के क्रम में अवलोकन करने के लिए मॉडल पर ध्यान देने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है।
Retention / प्रतिधारण	It refers to the process of recalling the learned activity for later use. / यह बाद में उपयोग के लिए सीखी गई गतिविधि को दोहराने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है।
Reproduction / पुनरुत्पादन	It refers to the process of performing or reproducing the learned action. / अधिगम की क्रिया को करने या पुनः पेश करने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है।
Motivation / अभिप्रेरणा	It refers to the process of motivating learners to repeat the observational learning. / यह शिक्षार्थियों को प्रेक्षणात्मक अधिगम को दोहराने के लिए प्रेरित करने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है।

Albert Bandura constructed an experiment entitled "Bobo Doll Behaviour: A Study of Aggression." / अल्बर्ट बंडुरा ने "बोबो डॉल बिहेवियर : ए स्टडी ऑफ अग्रेसन " नामक एक प्रयोग का निर्माण किया।

In this experiment Bandura exposed a group of children to a video, featuring violent and aggressive actions. For the experiment Bandura made of a film of one of his students, a young woman, essentially beating up a bobo doll. / इस प्रयोग में बंडुरा ने बच्चों के एक समूह को हिंसक और आक्रामक कार्यों की विशेषता वाले एक वीडियो से अवगत कराया। प्रयोग के लिए बंडुरा ने अपने छात्रों में से एक की फिल्म बनाई, एक युवा महिला, एक बोबो गुड़िया की पिटाई कर रही थी।



- Bobo doll is an inflatable, egg-shaped balloon creature with a weight in the bottom that makes it bob back up when you knock him down. The woman punched the clown, shouting "sockeroo!" She kicked it, sat on it, hit with a little hammer, and so on, shouting various aggressive phrases. Bandura showed this film to groups of kindergartners who, as you might predict, liked it a lot. / बोबो गुड़िया एक फुलाए जाने योग्य, अंडे के आकार का गुब्बारा प्राणी है, जिसके तल में वजन है जिसे जब आप उसे नीचे गिराते हैं तो वह वापस ऊपर की ओर उठ जाती है। महिला ने "सॉकरू!", और इसी तरह, विभिन्न आक्रामक वाक्यांशों को चिल्लाते हुए जोकर को घूसा मारा। उसने उसे लात मारी, उस पर बैठ गई, हथौड़े से प्रहार किया। बंडुरा ने इस फिल्म को किंडरगार्टनर्स (छोटे बच्चों) के समूहों को दिखाया, जैसा कि आप अनुमान लगा सकते हैं, उन्हें यह बहुत पसंद आया।
- Bandura did a large number of variations on the study: The model was rewarded or punished in a variety of ways, the kids were rewarded for their imitations, the model was changed to be less attractive or less prestigious, and so on. / बंडुरा ने अध्ययन पर बड़ी संख्या में परिवर्तन किए : मॉडल को विभिन्न तरीकों से पुरस्कृत या दंडित किया गया, बच्चों को उनकी नकल के लिए पुरस्कृत किया गया, मॉडल को कम आकर्षक या कम प्रतिष्ठित होने के लिए बदल दिया गया, और इसी तरह आगे भी हुआ।

Modelling/मॉडलिंग

In addition to other mechanisms social learning involves 'imitation' of the role models which is a process by which individuals learn new behavior by observing others, also called modelling or observational learning. / अन्य तंत्रों के अलावा सामाजिक शिक्षण में आदर्श की 'नकल' शामिल होती है जो एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति दूसरों को देखकर नया व्यवहार सीखते हैं, जिसे मॉडलिंग या अवलोकन अधिगम भी कहा जाता है।

Self-Efficacy/ आत्म-प्रभावकारिता

Self-efficacy refers to our belief about what we are capable of achieving. In other words, it refers to the perceived competencies of a person. They determine how we interact with our environment and other people. High self-efficacy children solve problems more quickly than those who had low self-efficacy beliefs. / आत्म-प्रभावकारिता हमारे विश्वास को संदर्भित करती है, जो हम प्राप्त करने में सक्षम हैं। दूसरे शब्दों में, यह किसी व्यक्ति की कथित दक्षताओं को संदर्भित करता है। वे निर्धारित करते हैं कि हम अपने पर्यावरण और अन्य लोगों के साथ कैसे बातचीत करते हैं। उच्च आत्म-प्रभावकारिता वाले बच्चे उन समस्याओं की तुलना में अधिक तेजी से हल करते हैं जिनकी आत्म-प्रभावकारिता की मान्यताएँ कम थीं।

Reciprocal Determinism / पारस्परिक निर्धारणवाद

Complete analysis of behaviour from reciprocal determinism requires consideration of all three sets of behaviour – cognitive, behavioural, and environmental - influence one another. / उनका सिद्धांत यह भी बताता है कि मानव व्यवहार एक पारस्परिक क्रिया है जो संज्ञानात्मक, व्यवहारिक और पर्यावरणीय स्रोतों के माध्यम से प्रभावों के साथ निरंतर और पारस्परिक है।

Insight Theory/ अंतर्दृष्टि सिद्धांत

- German psychologists Wertheimer, Kohler, Koffka, and Lewin have studied the nature of perception and are the leaders of gestalt psychology. Wertheimer is considered the father of gestalt psychology. / जर्मन मनोवैज्ञानिक वर्दमेयर, कोहलर, कोफ्का और लेविन ने धारणा की प्रकृति का अध्ययन किया है और ये गेस्टाल्टवाद के प्रवर्तक हैं। वर्दमेयर को गेस्टाल्ट मनोविज्ञान का जनक माना जाता है।
- "Gestalt" is a German noun for which there is no English word equivalent. The nearest English translation of "Gestalt" is "configuration" or more simply "an organized whole". Gestalt psychologists consider the process of learning as a gestalt an organized whole. / "गेस्टाल्ट" एक जर्मन संज्ञा है जिसके लिए कोई समकक्ष हिंदी शब्द नहीं है। "गेस्टाल्ट" का निकटतम हिंदी अनुवाद "विन्यास" या अधिक सरल रूप से "एक संगठित संपूर्ण" है। गेस्टाल्ट मनोवैज्ञानिकों ने अधिगम की प्रक्रिया को गेस्टाल्ट के एक संगठित संपूर्ण के रूप में माना जाता है।
- The 'Insight Theory of Learning' or 'Learning by insight' is promoted by Wolfgang Kohler, a Gestalt theorist. / 'सूझ द्वारा अधिगम' या 'अंतर्दृष्टि से अधिगम' को गेस्टाल्ट सिद्धांतकार वोल्फगैंग कोहलर ने बढ़ावा दिया है।
- In his theory, he has proposed the term 'Insight' that doesn't take place with trial - error, rather than it is a sudden reorganization of experience. / अपने सिद्धांत में, उन्होंने 'अंतर्दृष्टि' शब्द का प्रस्ताव किया है जिसका अर्थ परीक्षण और त्रुटि नहीं है, बल्कि यह अनुभव के अचानक पुनर्गठन से है।

Experiment / प्रयोग

Kohler demonstrated the following experiment based on insight / कोहलर ने परिज्ञान पर आधारित निम्नलिखित प्रयोग का प्रदर्शन किया:

- He kept chimpanzees in a closed room where food was kept out of their reach, and items like boxes, stick was there. / उन्होंने चिम्पांजी को एक बंद कमरे में रखा जहाँ भोजन को उसकी पहुँच से दूर रखा गया था, और बक्से, छड़ी जैसी चीजें वहाँ छोड़ी गयी थीं।
- The chimpanzee would roam inside the room to reach the food. / चिम्पांजी भोजन तक पहुँचने के लिए कमरे के अंदर घूमते रहता था।
- They would 'suddenly' stand on a box and use the stick to bring food close to them. / वे एक बक्से पर अचानक खड़े हो जाते हैं और छड़ी का उपयोग भोजन को उनके करीब लाने की कोशिश करते थे।
- It should be noted that it was not the result of trial and error instead, the chimpanzee suddenly came up with the idea to use boxes and stick. / यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि यह परीक्षण और त्रुटि का परिणाम नहीं था, चिम्पांजी को अचानक बक्से और छड़ी का उपयोग करने का विचार आया था।



Gestalt principles or laws / गेस्टाल्ट सिद्धांत या नियम

Gestalt principles or laws are rules that describe how the human eye perceives visual elements. These principles aim to show how complex scenes can be reduced to more simple shapes. They also aim to explain how the eyes perceive the shapes as a single, united form rather than the separate simpler elements involved. / गेस्टाल्ट सिद्धांत या नियम ऐसे नियम हैं, जो दर्शाते हैं कि मानव आँख दृश्य तत्वों को कैसे देखती है। इन सिद्धांतों का उद्देश्य यह दिखाना है कि जटिल दृश्यों को अधिक सरल आकृतियों में कैसे कम किया जा सकता है। उनका उद्देश्य यह भी स्पष्ट करना है कि आँखें किस तरह से अलग-अलग सरल तत्वों को शामिल करने के बजाय एकल, एकजुट रूप में आकृतियों को देखती हैं।

There are six individual principles commonly associated with gestalt theory / सामान्यतः छह व्यक्तिगत सिद्धांत हैं जो गेस्टाल्ट सिद्धांत से जुड़े हैं:

1. Law of Figure-ground Relationship / आकृति - आधार संबंध का नियम:

- This principle states that we have a tendency to segregate our world in the form of figure and ground. / इस सिद्धांत में कहा गया है कि हमारे पास आकृति और जमीन के रूप में हमारी दुनिया को अलग करने की प्रवृत्ति है।
- We always see a figure (image) against the background. The figure is that part of the stimuli which has our focus of the visual field, whereas the ground is the background. / हम हमेशा पृष्ठभूमि के विरुद्ध एक आकड़ा (छवि) देखते हैं। छवि उत्तेजनाओं का वह हिस्सा है जिसमें दृश्य क्षेत्र का हमारा ध्यान है, जबकि आधार पृष्ठभूमि है।
- The figure has a definite shape and is better remembered whereas, the background is shapeless and has no limits. / आकृति का एक निश्चित आकार है और बेहतर याद है जबकि, पृष्ठभूमि आकारहीन है और इसकी कोई सीमा नहीं है।

2. **Law of Proximity / सामीप्य का नियम:**

- This refers to the grouping of elements or objects that occur close together as per patterns. / यह उन तत्वों या वस्तुओं के समूहों को संदर्भित करता है, जो पैटर्न के अनुसार एक साथ होते हैं।
- In order to perceive stimuli meaningfully, stimuli that are closer to each other are perceived by us belonging to one group. / उत्तेजनाओं को सार्थक रूप से अनुभव करने के लिए, एक-दूसरे के करीब आने वाली उत्तेजनाएँ हमें एक समूह से संबंधित होती हैं।

3. **Law of Good Figure / Law of Pragnanz / Law of Symmetry / अच्छे चित्र का नियम / प्रज्ञानज का नियम / समानता का नियम:**

- According to this principle, we have a tendency to organize stimuli to make the figure balanced or symmetrical. Thus, out of all possible ways of grouping stimuli, we tend to group stimuli in the simplest and stable shape. / इस सिद्धांत के अनुसार, हमारे पास आकृति को संतुलित या सममित बनाने के लिए उत्तेजनाओं को व्यवस्थित करने की प्रवृत्ति है। इस प्रकार समूह उत्तेजनाओं के सभी संभावित तरीकों में से, हम सरल और स्थिर आकार में समूह उत्तेजनाओं की ओर रुख करते हैं।
- Thus, we can say that simpler forms are more perceived by us. / इस प्रकार, हम कह सकते हैं कि सरल रूप हमारे द्वारा अधिक देखे जाते हैं।

4. **Law of Continuation / निरंतरता का नियम:**

- This law involves movement. / इस कानून में आंदोलन शामिल है।
- It states that things are organized according to their movement together in a group i.e., stimuli moving in similar directions are perceived as belonging to the same group. / बताता है कि चीजों को एक समूह में एक साथ उनकी गतियों के अनुसार आयोजित किया जाता है यानी, समान दिशाओं में चलती हुई उत्तेजनाओं को उसी समूह से संबंधित माना जाता है।

5. **Law of Closure / संवरण का नियम:**

- We sense so many things but it is the law of closure that completes our perception. / हम बहुत सारी चीजों को समझते हैं लेकिन यह बंद करने का नियम है, जो हमारी धारणा को पूरा करता है।
- The perceptual processes organize our perceptions of the stimulus by filling in the gaps in our sensations. / अवधारणात्मक प्रक्रियाएँ हमारी संवेदनाओं में अंतराल को भरकर उत्तेजना की हमारी धारणाओं को व्यवस्थित करती हैं।

6. **Law of Similarity / समानता का नियम:**

- This principle suggests that things are grouped together according to their similarity. / यह सिद्धांत बताता है कि चीजों को उनकी समानता के अनुसार एक साथ वर्गीकृत किया गया है।
- Example: During a cricket match, we tend to group players based on the color of their jersey. / उदाहरण: क्रिकेट मैच के दौरान, हम समूह के खिलाड़ियों को उनकी जर्सी के रंग के आधार पर देखते हैं।

Gestalt theory of learning / अधिगम का गेस्टाल्ट सिद्धांत

- It is primarily concerned with the nature of perception. According to it, an individual perceives the thing as a whole. / यह मुख्य रूप से धारणा की प्रकृति से संबंधित है। इसके अनुसार, एक व्यक्ति चीज को संपूर्ण मानता है।
- A thing is perceived as a relationship within a field that includes the thing and its complex background incorporating its previous experiences and purposes. / एक वस्तु को एक क्षेत्र के भीतर एक संबंध के रूप में माना जाता है जिसमें वह वस्तु और उसकी जटिल पृष्ठभूमि शामिल होती है जिसमें उनके अनुभव और उद्देश्य शामिल होते हैं।

- While learning, a learner always perceives the situation as a whole and after seeing and evaluating the different relationships intelligently takes a proper decision. / सीखते समय, एक शिक्षार्थी हमेशा स्थिति को समग्र रूप से मानता है और विभिन्न संबंधों को समझदारी से देखने और उनका मूल्यांकन करने के बाद उचित निर्णय लेता है।
- The child first perceives the situation as a whole and then evaluates its parts which implies that they first learn anything as a whole and then learn their part. / बच्चा पहले स्थिति को पूरी तरह से समझता है और फिर उसके भागों का मूल्यांकन करता है, जिसका अर्थ है कि वे पहले कुछ भी पूर्ण रूप से सीखते हैं और फिर इसके भागों को सीखते हैं।

Transfer of Learning / अधिगम का स्थानांतरण

Transfer of learning is the application of knowledge gained from completing one task to help solve a different but related, problem. / अधिगम का सकारात्मक स्थानांतरण एक अलग लेकिन संबंधित समस्या को हल करने में मदद करने के लिए एक कार्य को पूरा करने से प्राप्त हुए ज्ञान का अनुप्रयोग है।

There are three types of learning / अधिगम के तीन प्रकार हैं:

- (i) **Positive transfer of learning:** Positive transfer of learning is when learning on one task does facilitate learning another. / अधिगम का सकारात्मक स्थानांतरण: अधिगम का सकारात्मक स्थानांतरण तब होता है जब एक कार्य द्वारा सीखा गया ज्ञान, अन्य कार्य को सीखने में सुविधा प्रदान करता है।

For example / उदाहरण के लिए-

- A person who can read and write Telugu trying to learn Kannada / एक व्यक्ति जो तेलगु पढ़ और लिख सकता है कन्नड़ सीखने का प्रयास कर रहा है।
- Learning of cycle riding helping helps positively in leading of bike riding. / साइकिल चलाने का ज्ञान बाद में सकारात्मक रूप से बाइक चलाना सीखने में मदद करता है।
- When a pupil masters simple grammatical rules he is enabled to speak correct English, write competently, and study other subjects in English as well. / जब कोई छात्र सरल व्याकरणिक नियमों में महारत हासिल कर लेता है तो वह सही अंग्रेजी बोलने, सक्षम रूप से लिखने और अंग्रेजी में अन्य विषयों का अध्ययन करने में सक्षम होता है।

- (ii) **Negative transfer of learning:** When one learning interferes with others, it is called negative transfer of learning. / अधिगम का नकारात्मक स्थानांतरण: जब एक शिक्षा अन्य के साथ हस्तक्षेप करती है, तो इसे प्रशिक्षण का नकारात्मक स्थानांतरण कहा जाता है।

For example / उदाहरण के लिए-

- Left-hand drive vehicles hindering the learning of right-hand drive. / उदाहरण: लेफ्ट-हैंड ड्राइव करने वाले वाहन राइट हैंड ड्राइव अधिगम में बाधा डालते हैं।
- The habit of speaking Hindi hinders to use English in communication. / हिंदी बोलने की आदत संचार में अंग्रेजी का उपयोग करने में बाधा उत्पन्न करती है।

- (iii) **Zero transfer of learning:** When previous learning has no influence on learning or performance in a later situation. / अधिगम का शून्य स्थानांतरण: जब पिछली शिक्षा का बाद की स्थिति में अधिगम या प्रदर्शन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

For example / उदाहरण के लिए-

- Ability to do bowling has nothing to do with batting. / उदाहरण: गेंदबाजी करने की क्षमता का बल्लेबाजी से कोई संबंध नहीं है।

The process of learning to internalize the values and norms into itself or the mode of learning to live in society is called the process of Socialization. / शब्द समाजीकरण सामाजिक कौशल प्राप्त करने के तरीके या मूल्यों और परंपराओं को आत्मसात करने के लिए अधिगम की प्रक्रिया को संदर्भित करता है।

It may be defined more comprehensively as a life-long process of inculcation whereby an individual learns the principles, values, and symbols of the social system in which he participates and the expression of those values and norms in the roles he enacts. / इसे अधिक व्यापक रूप से सतत चलने वाली प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसके द्वारा एक व्यक्ति उस सामाजिक व्यवस्था के सिद्धांतों, मूल्यों और प्रतीकों को सीखता है जिसमें वह भाग लेता है और उन मूल्यों और मानदंडों की अभिव्यक्ति को व्यक्त करता है।

Characteristics of Socialization / समाजीकरण की विशेषताएं

- It is a lifelong process, it occurs throughout life. / यह सतत चलने वाली प्रक्रिया है, यह जीवन पर्यन्त चलती रहती है।
- The roles a person enacts are the expressions of his social nature. / एक व्यक्ति की भूमिकाएँ उसके सामाजिक स्वभाव की अभिव्यक्ति होती हैं।
- Socialization is not a learner process, a learner should have to cover multiple aspects. / समाजीकरण एक अधिगम की प्रक्रिया ही नहीं है, बल्कि इसमें एक शिक्षार्थी के कई पहलुओं को शामिल करना चाहिए।
- The learner learns social values much by direct involvement in the social cultures, society, groups, etc. / शिक्षार्थी सामाजिक मूल्यों को सामाजिक संस्कृतियों, समाज, समूहों आदि में प्रत्यक्ष रूप से शामिल करके बहुत कुछ सीखते हैं।

Principles of Socialization / समाजीकरण के सिद्धांत

- To make new members of society familiar with social traditions, manners, customs, etc./ सामाजिक परंपराओं, शिष्टाचार, रीति-रिवाज आदि से समाज के नए सदस्यों को परिचित कराना।
- To prepare the members of the society to adapt to the constantly changing environment / 415 के सदस्यों को लगातार बदलते परिवेश के अनुकूल बनाने के लिए तैयार करना।
- To lead to education through a process of social interaction / सामाजिक संपर्क की प्रक्रिया के माध्यम से शिक्षा का नेतृत्व करना।
- To study the various types of social relationships and their impact on individual development./ विभिन्न प्रकार के सामाजिक संबंधों और व्यक्तिगत विकास पर उनके प्रभाव का अध्ययन करना।

Types of socialization / समाजीकरण के प्रकार

1. Primary Socialization / प्राथमिक समाजीकरण	It happens during infancy and childhood. It refers to the process where the child becomes socialized through the family in the early childhood years. / यह शैशवावस्था और बाल्यावस्था के दौरान होता है। यह उस प्रक्रिया को संदर्भित करता है जहां बच्चे को बाल्यावस्था के वर्षों में परिवार के माध्यम से समाजीकृत किया जाता है।
---	---

	This highlights that the key agent in the process of primary socialization is the family./ यह रेखांकित करता है कि प्राथमिक समाजीकरण की प्रक्रिया में प्रमुख माध्यम परिवार है।
2. Secondary Socialization / द्वितीयक समाजीकरण	<p>It occurs once the infant passes into the childhood phase and continues into maturity. It refers to the process that begins in the later years through agencies such as neighbourhood, school and peer groups. / यह तब होता है जब बच्चा बाल्यावस्था के चरण में गुजरता है और परिपक्वता में जाता है। यह उस प्रक्रिया को संदर्भित करता है, जो बाद के वर्षों में पड़ोस, विद्यालय और सहकर्मी समूहों जैसे माध्यम से शुरू होता है।</p> <p>During this phase more than the family, some other agents of socialization like the neighbourhood, school and peers' group begin to play a role in socializing the child. / परिवार से अधिक इस चरण के दौरान, पड़ोस, स्कूल और दोस्तों के समूह जैसे समाजीकरण के कुछ अन्य माध्यम बच्चे को सामाजिक बनाने में भूमिका निभाने लगते हैं।</p>
3. Development Socialization / विकासात्मक समाजीकरण	It is the process of learning behavior in a social institution or developing social skills / यह एक सामाजिक संस्था में व्यवहार सीखने या सामाजिक कौशल विकसित करने की प्रक्रिया है।
4. Anticipatory Socialization / प्रत्याशात्मक समाजीकरण	It refers to the mental rehearsals, concrete plans, and subtle changes in values and perceptions that a significant change in social roles about to occur. / यह मानसिक पूर्वाभ्यास, मूर्त योजनाओं और मूल्यों और धारणाओं में सूक्ष्म परिवर्तन को संदर्भित करता है, जो सामाजिक भूमिकाओं में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन होने वाला है।
5. Re-socialization / पुनः समाजीकरण	It refers to the process of discarding former behavior pattern and accepting / new ones as part of a transition in one's life. This occurs throughout the human life. / यह पूर्व व्यवहार स्वरूप को त्यागने और एक के जीवन में परिवर्तन के भाग के रूप में नए लोगों को स्वीकार करने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है। यह पूरे मानव जीवन में होता है।

Inclusive Education (IE) is a new approach towards educating children with disabilities and learning difficulties with that of normal ones within the same roof. It brings all students together in one classroom and community, regardless of their strengths or weaknesses in any area, and seeks to maximize the potential of all students. / समावेशी शिक्षा (IE) एक ही छत के भीतर विकलांग बच्चों और सीखने की कठिनाइयों के साथ सामान्य बच्चों को शिक्षित करने की दिशा में एक नया दृष्टिकोण है। यह किसी भी क्षेत्र में उनकी क्षमता या कमजोरियों की परवाह किए बिना सभी छात्रों को एक कक्षा और समुदाय में एक साथ लाता है, और सभी छात्रों की क्षमता को अधिकतम करने का प्रयास करता है।

The objectives of inclusive education are / समावेशी शिक्षा के उद्देश्य हैं

- **Improving access:** To provide more equitable access to education and educational resources. This improves the representation of all segments of the population and promotes education for all diverse students. / **अभिगम में सुधार:** शिक्षा और शैक्षिक संसाधनों तक अधिक समान अभिगम प्रदान करना। यह जनसंख्या के सभी वर्गों के प्रतिनिधित्व में सुधार करता है और सभी विविध छात्रों के लिए शिक्षा को बढ़ावा देता है।
- **Ensuring the same opportunities for everyone:** By providing education to all, we ensure everyone can have the same opportunities for growth and development. / **सभी के लिए समान अवसर को सुनिश्चित करना:** सभी को शिक्षा प्रदान करके, हम यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी को वृद्धि और विकास के समान अवसर मिल सकें।
- **Holistic development:** It has been noted that children with special perform better when they sit with regular students rather than in separate classes. / **समग्र विकास:** यह देखा गया है कि विशेष वर्ग के बच्चे अलग-अलग कक्षाओं के अलावा नियमित छात्रों के साथ बैठने पर बेहतर प्रदर्शन करते हैं।
- **Better infrastructure:** Inclusive education promotes building infrastructure which is disability friendly as well as ensuring access to information, opportunities, and social acceptance for students with special needs. / **श्रेष्ठ संरचना :** समावेशी शिक्षा संरचना के निर्माण को बढ़ावा देती है जो दिव्यांगता अनुकूल होने के साथ-साथ विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के लिए सूचना, अवसरों और सामाजिक स्वीकृति तक पहुँच को सुनिश्चित करता है।
- **Facilitating empowerment:** When students are able to make their own decisions, work towards their development and contribute to the larger community, this promotes the feeling of empowerment. / **सशक्तिकरण की सुविधा:** जब विद्यार्थी अपने निर्णय को लेने में सक्षम होते हैं, अपने विकास की दिशा में काम करते हैं और बड़े समुदाय में योगदान करते हैं, यह सशक्तिकरण की भावना को बढ़ावा देता है।

Basic Principles of Inclusive Education / समावेशी शिक्षा के मूल सिद्धांत

- Equity and equal opportunities for all. / सभी के लिए समानता और समान अवसर।
- Well constructed educational plan / अच्छी तरह से शैक्षिक योजना का निर्माण करना।
- Use of multilingualism as a resource. / संसाधन के रूप में बहुभाषावाद का उपयोग।

- Use of specific pedagogical strategies. / विशिष्ट शैक्षणिक रणनीतियों का उपयोग
- Sensitization towards individual differences / व्यक्तिगत भिन्नता के प्रति संवेदनशीलता।

Special education needs (SEN) / विशेष शिक्षा आवश्यकताओं (SEN)

Special education needs (SEN) mean specially designed instruction for children with the above-mentioned challenges in all settings such as classrooms, home, workplace, public places, the street, and rehabilitation homes, etc. / विशेष शिक्षा आवश्यकताओं (SEN) का अर्थ कक्षाओं, घर, कार्यस्थल, सार्वजनिक स्थानों, गली और पुनर्वास घरों आदि जैसी सभी व्यवस्थाओं में उपर्युक्त चुनौतियों वाले बच्चों के लिए विशेष रूप से प्रारूपित किया गया निर्देश है।

- Special Educational Needs (SEN) refer to learners with learning, physical, and developmental disabilities; behavioral, emotional, and communication disorders; and learning deficiencies. / विशेष शैक्षिक आवश्यकताएँ (SEN), शारीरिक और विकासात्मक अक्षमताओं; व्यवहार, भावनात्मक और संचार विकार; और अधिगम अक्षमता वाले शिक्षार्थियों को संदर्भित करती हैं।
- When children/students with SEN study in general classrooms with their peers, the arrangement is called 'inclusive education'. / छात्र अपने साथियों के साथ सामान्य कक्षाओं में पढ़ते हैं, तो इस व्यवस्था को 'समावेशी शिक्षा' कहा जाता है।
- Children with special needs are children who have some difficulties which come in the way of their being able to function adequately in the family, community, or school. / विशेष आवश्यकता वाले बच्चे वे बच्चे होते हैं जिन्हें कुछ कठिनाइयाँ होती हैं जो उनके परिवार, समुदाय या स्कूल में पर्याप्त रूप से कार्य करने में सक्षम होने के मार्ग में आती हैं।
- The difficulty may be physical, cognitive, language, social, emotional, or psychological. / कठिनाई शारीरिक, संज्ञानात्मक, भाषा, सामाजिक, भावनात्मक या मनोवैज्ञानिक हो सकती हैं।
- CWSN children need special or extra inputs to help them overcome their difficulties. / CWSN बच्चों को उनकी कठिनाइयों को दूर करने में मदद करने के लिए विशेष या अतिरिक्त इनपुट की आवश्यकता होती है।

Some Common Learning Disabilities in Children / बच्चों में कुछ सामान्य सीखने की अक्षमता:

Disability / अक्षमता	Related / संबंधित
Dyscalculia / डिसकेल्कुलिया	Calculation / गणना
Dysgraphia / डिसग्राफिया	Writing / लेखन
ADHD / एडीएचडी	Attention Deficit Hyperactivity Disorder / ध्यान भाव सक्रियता विकार
Dyslexia / पठनवैफल्य	Reading / पढ़ना
Autism / पठनवैफल्य	Social Interaction / सामाजिक संबंध

The benefits of inclusion for students with SEN are as follows / SEN वाले छात्रों के लिए समावेशन के लाभ इस प्रकार हैं:

- Spending the school day alongside normal children provides many opportunities for social interaction that would not be available in segregated settings. / सामान्य बच्चों के साथ स्कूल के दिन बिताने से सामाजिक संपर्क के कई अवसर मिलते हैं जो अलग-अलग व्यवस्था में उपलब्ध नहीं होंगे।
- Children with SEN have appropriate models of behaviour. They can observe and imitate the socially acceptable behaviour of the students without SEN. / विशेष शिक्षा आवश्यकता वाले बच्चों के व्यवहार के उपयुक्त मॉडल होते हैं। वे विशेष शिक्षा आवश्यकता के बिना छात्रों के सामाजिक रूप से स्वीकार्य व्यवहार का निरीक्षण और अनुकरण कर सकते हैं।

- Attending inclusive schools increases the probability that students with SEN will continue to participate in a variety of integrated settings throughout their lives / समावेशी स्कूलों में भाग लेने से यह संभावना बढ़ जाती है कि विशेष शिक्षा आवश्यकता वाले छात्र अपने पूरे जीवन में विभिन्न प्रकार की एकीकृत व्यवस्था में भाग लेते रहेंगे।
- It values the diversity, each child brings to the classroom and facilitates all with equal opportunities to learn and grow. It improves the quality and making provisions of education for all. / यह विविधता को महत्व देती है, प्रत्येक बच्चे को कक्षा में लाती है और सभी को सीखने और बढ़ने के समान अवसर प्रदान करती है। यह गुणवत्ता में सुधार करती है और सभी के लिए शिक्षा का प्रावधान करती है।

Backwardness / पिछड़ापन

Backwardness is an individualistic problem and differs from person to person. A child is called backward when his educational achievement is below the level of his natural abilities. The cause can be ranging from many physical, mental, and personal conditions. / पिछड़ापन एक व्यक्तिवादी समस्या है और एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में भिन्न होती है। एक बच्चे को पिछड़ा तब कहा जाता है जब उसकी शैक्षिक उपलब्धि उसकी प्राकृतिक क्षमताओं के स्तर से कम हो। इसका कारण कई शारीरिक, मानसिक और व्यक्तिगत स्थितियों हो सकती है।

Causes of Backwardness / पिछड़ेपन के कारण

- Defective eyesight, hearing, speech defects, or chronic disease or illness are some physical causes. / दोषपूर्ण दृष्टि, श्रवण, वाक् दोष, या पुरानी बीमारी या विकार कुछ शारीरिक कारण हैं।
- Mental deficiency is also one of the causes of backwardness. Some children are born with some inherent defects in their brain system or with some intellectual sub-normality / मानसिक कमी भी पिछड़ेपन का एक कारण है। कुछ बच्चे अपने मस्तिष्क प्रणाली में कुछ अंतर्निहित दोषों के साथ या कुछ बौद्धिक उप-सामान्यता के साथ पैदा होते हैं।
- Poverty, broken homes and divorce between father and mother, Presence of stepfather or mother in the house, or bad company are some social and environmental causes. / गरीबी, टूटे घर और पिता और माता के बीच तलाक, घर में सौतेले पिता या माता की उपस्थिति, या बुरी संगत कुछ सामाजिक और पर्यावरणीय कारण हैं।
- The school is also responsible for backwardness as due to inefficient and untrained teachers lead to a defective curriculum. / स्कूल पिछड़ेपन के लिए भी जिम्मेदार है क्योंकि अकुशल और अप्रशिक्षित शिक्षकों के कारण दोषपूर्ण पाठ्यक्रम होता है।

Evaluation system / मूल्यांकन प्रणाली

- The evaluation system followed by the school is also a contributing factor. / विद्यालय द्वारा अपनाई जाने वाली मूल्यांकन प्रणाली भी एक योगदान कारक है।
- A diversified evaluation system is required to evaluate diverse learners. / विविध शिक्षार्थियों के मूल्यांकन के लिए एक विविध मूल्यांकन प्रणाली की आवश्यकता है।
- The evaluation system followed in countries like India is still a barrier to inclusion. / भारत जैसे देशों में अपनाई जाने वाली मूल्यांकन प्रणाली अभी भी समावेशन में एक बाधा है।
- The school can develop a diversified evaluation system that fits all learners with different styles and abilities. / विद्यालय एक विविध मूल्यांकन प्रणाली विकसित कर सकता है जो सभी शिक्षार्थियों को विभिन्न शैलियों और क्षमताओं के साथ समायोजित होती है।

Readiness of the teacher / शिक्षक की तैयारी

- The readiness to work with all children, especially those with disabilities is reflected in the attitude of the teacher towards inclusive education, and greatly affects the social interaction of students with special needs in the school. / सभी बच्चों के साथ कार्य करने की तत्परता, विशेष रूप से विकलांग बच्चों के लिए, समावेशी शिक्षा के प्रति शिक्षक के रवैये में परिलक्षित होता है, और विद्यालय में विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के सामाजिक संपर्क को बहुत प्रभावित करता है।
- The attitude of a teacher is the driving force behind the learning environment. / एक शिक्षक की मनोवृत्ति अधिगम परिवेश के पीछे प्रेरक शक्ति है।
- When the teacher possesses a positive attitude towards all learners and their inclusion process, students feel welcomed and motivated to be a part of such a learning environment automatically. / जब शिक्षक सभी शिक्षार्थियों और उनकी समावेशन प्रक्रिया के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखता है, तो छात्र स्वचालित रूप से ऐसे अधिगम परिवेश का हिस्सा बनने के लिए स्वागत और प्रेरित महसूस करते हैं।

Learner's attitude / शिक्षार्थी की मनोवृत्ति

- The attitude of a child towards receiving education in the general classes is a contributing factor to placement in inclusive education. / सामान्य कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त करने के प्रति एक बच्चे की मनोवृत्ति समावेशी शिक्षा में नियुक्ति के लिए एक महत्वपूर्ण कारक है।
- Children with disabilities often carry the burden of stigmatization and discrimination which develops a negative attitude towards being in the midst of normal people. / दिव्यांग बच्चे अक्सर कलंक और भेदभाव का बोझ ढोते हैं जो सामान्य लोगों के बीच रहने के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करता है।
- So, the educational choices of such children are often limited to special schools where they can receive education along with children who are disabled as well / इसलिए, ऐसे बच्चों के शैक्षिक विकल्प अक्सर विशेष विद्यालयों तक सीमित होते हैं जहां वे विकलांग बच्चों के साथ-साथ शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं।

000000

John Dewey, an American philosopher has proposed the concept of 'Progressive Education' which emphasizes that learning takes place only through 'hands-on' approach so the students must interact with their environment to adapt and learn. / जॉन डेवी, एक अमेरिकी दार्शनिक ने 'प्रगतिशील शिक्षा' की अवधारणा का प्रस्ताव दिया है। प्रगतिशील शिक्षा जो इस बात पर बल देती है कि शिक्षण केवल 'करके सीखना' दृष्टिकोण से होता है इसलिए छात्रों को अपने वातावरण के साथ अनुकूलन और अधिगम के लिए अंतः क्रिया करनी चाहिए।



Progressive classroom is a part of progressive education that believes in the capability and potential of every child. / **प्रगतिशील कक्षा** प्रगतिशील शिक्षा का एक भाग है जो हर बच्चे की क्षमता में विश्वास करती है।

1. In a progressive classroom ample opportunities should be provided for construction of knowledge as progressive education / प्रगतिशील शिक्षा के रूप में ज्ञान के निर्माण के लिए एक प्रगतिशील कक्षा में पर्याप्त अवसर प्रदान किए जाने चाहिए, क्योंकि ये:
2. Emphasizes to enhance skills and understanding of the learners by engaging with the contents and experiences. / सामग्री और अनुभवों से जुड़कर शिक्षार्थियों के कौशल और समझ को बढ़ाने पर जोर देता है।
3. Promotes 'learning by doing' to make children self-reliant and productive to use their knowledge and talents effectively. / बच्चों को उनके ज्ञान और प्रतिभा को प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए आत्मनिर्भर और उत्पादक बनाने के लिए 'करके सीखने' को बढ़ावा देता है।
4. Ensures the active participation of students by working in a group and applying practical knowledge to complete an activity./ एक समूह में काम करके और एक गतिविधि को पूरा करने के लिए व्यावहारिक ज्ञान लागू करके छात्रों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करता है।

'Progressive Education' Promotes / 'प्रगतिशील शिक्षा' निम्नलिखित को बढ़ावा देती है:

- Critical thinking/ विवेचनात्मक सोच
- Problem-solving skills / समस्या समाधान कौशल
- Active engagement of students / छात्रों द्वारा सक्रिय जुड़ाव
- Development of social and communicative skills / सामाजिक और संचार कौशल विकसित करता है

According to John Dewey / जॉन डेवी के अनुसार

- "Education is not preparation for life; education is life itself." It is through education that you can change the face of the world. A school is a place where children explore a new world and society, so school reflects society and the natural world. / "शिक्षा जीवन की तैयारी नहीं है; शिक्षा ही जीवन है।" शिक्षा के माध्यम से ही आप दुनिया का चेहरा बदल सकते हैं। स्कूल एक ऐसी जगह है जहाँ बच्चे एक नई दुनिया और समाज की खोज करते हैं, इसलिए स्कूल समाज और प्राकृतिक दुनिया को दर्शाता है।
- Progressive Education is a "social need and function", as a "process of living and growth" which includes both social and individual aspects that are mutually dependent on each other. / एक "सामाजिक आवश्यकता और कार्य" के रूप में प्रगतिशील शिक्षा, "जीवन और विकास की प्रक्रिया" के रूप में जिसमें सामाजिक और व्यक्तिगत दोनों पहलू शामिल हैं जो एक दूसरे पर परस्पर निर्भर हैं।

Characteristics of a Progressive Classroom / एक प्रगतिशील कक्षा की विशेषताएँ

- In a progressive classroom, children are assessed while doing activities/tasks. It allows children to develop their own understanding and knowledge of the world based on their own experiences and reflections. It does not give importance to silent listening only. / एक प्रगतिशील कक्षा में गतिविधियों/कार्यों को करते हुए बच्चों का मूल्यांकन किया जाता है। यह बच्चों को अपने स्वयं के अनुभवों और प्रतिबिंबों के आधार पर दुनिया की अपनी समझ और ज्ञान विकसित करने की अनुमति देती है। यह केवल मौन श्रवण को ही महत्व नहीं देती है।
- It respects the individual differences among learners as it helps in planning course material and training programs and also matching teaching and learning styles for better academic results. / यह शिक्षार्थियों के मध्य व्यक्तिगत भिन्नताओं का सम्मान करती है क्योंकि यह पाठ्यक्रम सामग्री और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की योजना बनाने में मदद करती है और बेहतर शैक्षणिक परिणामों के लिए शिक्षण और अधिगम की शैलियों में संबंध स्थापित करती है।
- Collaborative learning: It teaches children the emotional intelligence and social skills they will need to operate in groups, have healthy relationships, and live happy and successful lives. / सहयोगात्मक अधिगम: यह बच्चों को भावनात्मक बुद्धि और सामाजिक कौशल सिखाता है जिनकी उन्हें समूहों में काम करने, अच्छे संबंध रखने और खुशहाल और सफल जीवन जीने के लिए आवश्यकता होगी।
- It focuses on experiential learning, not on marks. / यह अंकों पर नहीं, बल्कि अनुभवात्मक शिक्षा पर केंद्रित है।
- It gives a strong emphasis on problem solving and critical thinking. / यह समस्या समाधान और आलोचनात्मक चिंतन पर बल देता है।

Feature of Progressive Education / प्रगतिशील शिक्षा की विशेषता

- Education for society and democracy. / समाज और लोकतंत्र के लिए शिक्षा
- Collaborative and cooperative learning. / सहयोगिता पूर्ण अधिगम और सहकारी अधिगम
- Learning as opposed to rote knowledge. / रटकर सीखने के विपरीत ज्ञान अर्जित करना
- Emphasis on lifelong learning and social skills. / आजीवन सीखने और सामाजिक कौशल पर जोर
- Flexible time-table and seating arrangement / लचीली समय सारणी और बैठने की व्यवस्था
- Integrated curriculum focused on thematic units. / एकीकृत पाठ्यक्रम विषयगत इकाइयों पर केंद्रित है
- De-emphasize textbooks, emphasize multiple resources. / पाठ्यपुस्तकों पर जोर दें, कई संसाधनों पर जोर दें
- John Dewey has been one of the most influential educational thinkers of modern times. His educational philosophy has been referred to as Pragmatism, Experimentalism, Functionalism, Instrumentalism, Operationalism, Practicalism, and Progressivism. / जॉन डीवी आधुनिक युग के एक महान शिक्षाविद विचारक हैं। इनके शैक्षिक दर्शन को उपयोगितावाद, प्रयोगवाद, कार्यात्मकता, वाद्यवाद, संचालनवाद, व्यावहारवाद और प्रगतिवाद के रूप में संदर्भित किया गया है।

Learning Disability / अधिगम की अक्षमता

Learning Disability is an umbrella term that encompasses a variety of specific kinds of learning problems. Children with learning disabilities experience difficulty in learning and using certain skills namely reading, writing, listening, etc. / अधिगम अक्षमता एक शब्द है जिसमें कई प्रकार की विशिष्ट प्रकार की अधिगम की समस्याएं शामिल हैं। अधिगम की अक्षमता वाले बच्चे पढ़ने, लिखने, सुनने आदि जैसे कुछ कौशल सीखने और उपयोग करने में कठिनाई का अनुभव करते हैं।



Learning disability word was first coined by **Samuel Kirk** / लर्निंग डिसेबिलिटी शब्द सबसे पहले **सैमुअल किर्क** द्वारा दिया गया था

- Learning disabilities are diagnosed particularly when children start going to schools and are engaged in academic activities with other children in the school. / अधिगम की अक्षमता का निदान विशेष रूप से तब किया जाता है जब बच्चे स्कूल में जाना शुरू करते हैं और स्कूल में अन्य बच्चों के साथ शैक्षणिक गतिविधियों में संलग्न होते हैं।
- When there is some deficit in these basic processes, it may be seen in the imperfect ability to listen, think, speak, read, write, spell, or do mathematical calculations. / जब इन बुनियादी प्रक्रियाओं में कुछ कमी होती है, तो यह गणितीय गणना सुनने, सोचने, बोलने, पढ़ने, लिखने, वर्तनी करने की अपूर्ण क्षमता के रूप में देखी जा सकती है।
- Learning disability is variable in state / सीखने की अक्षमता परिवर्तनशील है।

1. Dyslexia / डिस्लेक्सिया

- Dyslexia is associated with the 'Reading disorder' as it refers to difficulty in Reading, Writing, and Spelling. / डिस्लेक्सिया 'पठन विकार' से जुड़ा है क्योंकि यह पढ़ने, लिखने और वर्तनी में एक कठिनाई को संदर्भित करता है।
- Dyslexia is the most common learning disability (Reading disorder) which makes learners / डिस्लेक्सिया सबसे सामान्य अधिगम अक्षमता (पठन विकार) है, जो शिक्षार्थियों को बनाता है:
- Confuse with the same shapes and sounds of the alphabet. / वर्णमाला के समान आकृतियों और ध्वनियों के साथ भ्रमित होने में।

2. Dysgraphia / लेखन वैकल्प

- Dysgraphia is a writing disability. There are many signs which will indicate that the learner may have dysgraphia. For example, a learner with dysgraphia may / लेखन वैकल्प एक लेखन अक्षमता है। ऐसे कई लक्षण हैं, जो यह संकेत देंगे कि शिक्षार्थी को डिस्ग्राफिया हो सकता है। उदाहरण के लिए, डिस्ग्राफिया वाला एक शिक्षार्थी हो सकता है:
- Have difficulty in writing correct spellings / सही वर्तनी लिखने में कठिनाई होती है

3. **Dyscalculia / गुणज वैकल्य**

- Dyscalculia is a mathematical disability. In this disability, the learner has difficulty in learning or comprehending mathematics. / गुणज वैकल्य एक गणितीय अक्षमता है। इस अक्षमता में शिक्षार्थी को गणित सीखने या समझने में कठिनाई होती है।
- There are many signs which would indicate that the learner may have dyscalculia. / संकेत हैं, जो इंगित करते हैं कि शिक्षार्थी को गुणज वैकल्य हो सकता है।
- Example: A learner with dyscalculia may : / उदाहरण: गुणज वैकल्य वाला शिक्षार्थी हो सकता है

4. **Dyspraxia/Telech**

- It is a motor skills disorder that is caused due to low birth weight and premature birth. It may be caused due to a family history of dyspraxia. / यह एक गत्यात्मक कौशल विकार है, जो कम वजन और समय से पहले जन्म के कारण होता है। यह डिस्प्रेक्सिया के पारिवारिक इतिहास के कारण हो सकता है।
- It affects the fine and gross motor skills of a child. The child with dyspraxia will have / यह एक बच्चे के सूक्ष्म और सकल गत्यात्मक कौशल को प्रभावित करता है। डिस्प्रेक्सिया वाले बच्चे में:

5. **Dysphasia / भाषा विकार**

- A language disorder that affects a person's ability to communicate. / एक भाषा विकार जो किसी व्यक्ति की संवाद करने की क्षमता को प्रभावित करता है।
- It can occur suddenly after a stroke or head injury or develop slowly from a growing brain tumor or disease. / यह अचानक स्ट्रोक या सिर की चोट के बाद हो सकता है या मस्तिष्क के बढ़ते ट्यूमर या बीमारी से धीरे-धीरे विकसित हो सकता है।

6. **Attention Deficit Hyperactivity Disorder (ADHD) / अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर**

- Attention-Deficit Hyperactivity Disorder (ADHD): It is a type of developmental or behavioural disorder whose essential feature is a persistent pattern of inattention, hyperactivity and impulsivity that is more frequent and severe than is typically observed in individuals at a comparable level of development. / अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (ADHD): यह एक प्रकार का विकासात्मक या व्यवहार संबंधी विकार है, जिसकी अनिवार्य विशेषता असावधानी, अतिसक्रियता और आवेग का एक निरंतर स्वरूप है, जो आमतौर पर विकास के तुलनीय स्तर पर व्यक्तियों में देखा जाता है।

7. **Autism Spectrum Disorder (ASD) / ऑटिस्टिक स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर:**

- Autism spectrum disorder (ASD) is a complex developmental condition that involves persistent challenges in social interaction, speech, and nonverbal communication and restricted/repetitive behaviours. The effects of ASD and the severity of symptoms are different in each person. / ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (ASD) एक जटिल विकासात्मक स्थिति है जिसमें सामाजिक संपर्क, भाषण और अशाब्दिक संचार और प्रतिबंधित / दोहरावदार व्यवहार में लगातार चुनौतियां शामिल हैं। एसडी के प्रभाव और लक्षणों की गंभीरता प्रत्येक व्यक्ति में भिन्न होती है।

000000

Gender is a social construct that impacts attitudes, roles, responsibilities, and behaviour patterns of boys and girls, men, and women in all societies. Increasing attention has been given to the importance of achieving gender equality in education. It rejected the underlying biological distinction word "sex" and the expression "sexual inequality", which appears as "an ideological shield for maintaining domination". / लिंग एक सामाजिक संरचना है, जो सभी समाजों में लड़कों और लड़कियों, पुरुषों और महिलाओं के व्यवहार, भूमिका, जिम्मेदारियों और व्यवहार के स्वरूप को प्रभावित करती है। शिक्षा में लैंगिक समानता हासिल करने के महत्व पर ध्यान दिया गया है। यह अंतर्निहित जैविक भेद "लिंग" शब्द और अभिव्यक्ति "लैंगिक असमानता" को नकारता है, जो "प्रभुत्व बनाए रखने के लिए एक वैचारिक ढाल" के रूप में प्रकट होता है।



Gender-related terminologies / लैंगिक से संबंधित शब्दावली

1. **Gender equality** is when people of all genders have equal rights, responsibilities, and opportunities. Everyone is affected by gender inequality-women, men, trans, and gender diverse people, children, and families. Societies that value women and men as equal are safer and healthier. Gender equality is a human right. / **लैंगिक समानता** तब है जब सभी लिंगों के लोगों को समान अधिकार, जिम्मेदारियां और अवसर मिले। प्रत्येक लिंग महिला, पुरुष, ट्रांस और लिंग विविध लोग, बच्चे और परिवार असमानता से प्रभावित होता है। महिलाओं और पुरुषों को समान मान देने वाले समाज अधिक सुरक्षित और स्वस्थ हैं। लैंगिक समानता एक मानव अधिकार है।
2. **Gender Stereotype** A stereotype is a cluster of beliefs usually lacking a rational basis regarding the members of some group. The word 'stereotype' was first used by Walter Lipman in his book "Public Opinion". A stereotype is a belief about some particular trait being prevalent among all members of a social group. / **लैंगिक रूढ़िवादिता** एक रूढ़िवादिता, धारणाओं का एक समूह है जिसमें आमतौर पर किसी समूह के सदस्यों के संबंध में तर्कसंगत आधार नहीं होता है। शब्द 'रूढ़िवादिता' (stereotype) का प्रयोग पहली बार वाल्टर लिपमैन ने अपनी पुस्तक 'पब्लिक ओपिनियन (Public Opinion)' में किया था। एक रूढ़िवादिता एक सामाजिक समूह के सभी सदस्यों के बीच किसी विशेष गुण के विद्यमान होने के बारे में एक धारणा है।
3. **Gender sensitivity** is the process by which people are made aware of how gender plays a role in life through their treatment of others. Gender sensitivity training is used to educate people, usually, employees, to become more aware of and sensitive to gender in their lives or workplaces. / **लैंगिक संवेदनशीलता** वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा लोगों को इस बात से अवगत कराया जाता है कि दूसरों के साथ उनके व्यवहार के माध्यम से लिंग जीवन में कैसे भूमिका निभाता है। लैंगिक संवेदनशीलता प्रशिक्षण का इस्तेमाल लोगों, आमतौर पर कर्मचारियों को उनके जीवन या कार्यस्थलों में लिंग के प्रति अधिक जागरूक और संवेदनशील बनने के लिए शिक्षित करने के लिए किया जाता है।

4. **Gender Parity** it is an equal number or proportion of girls and boys accessing educational opportunities, hence, it is measurable. Although simple, gender parity may be easier to measure, gender equality encompasses a wider concept, of which gender parity is only a part. It is the opposite of gender sensitivity. / **लैंगिक समानता** शैक्षिक अवसरों तक पहुँचने वाली लड़कियों और लड़कों की समान संख्या या अनुपात, इसलिए, यह मापने योग्य है। हालांकि सरल, लैंगिक समानता को मापना आसान हो सकता है, लैंगिक समरूपता में एक व्यापक अवधारणा शामिल है, जिसमें से लैंगिक समानता केवल एक हिस्सा है।
5. **Gender analysis** is referred to identifies the inequalities that arise from the different roles of men and women, and analyzes the consequences of these inequalities for their lives, health, and well-being. / **लैंगिक विश्लेषण** को पुरुषों और महिलाओं की विभिन्न भूमिकाओं से उत्पन्न होने वाली असमानताओं की पहचान करने के लिए संदर्भित किया जाता है, और उनके जीवन, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए इन असमानताओं के परिणामों का विश्लेषण किया जाता है।
6. **Gender bias** is a preference or prejudice toward one gender over the other. Bias can be conscious or unconscious and may manifest in many ways, both subtle and obvious. Gender bias is behaviour that shows favouritism toward one gender over another. Most often, gender bias is the act of favouring men and / or boys over women and/or girls / **जेंडर पूर्वाग्रह** एक लिंग के प्रति दूसरे लिंग के प्रति वरीयता या पूर्वाग्रह है। पूर्वाग्रह सचेत या अचेतन हो सकता है और कई तरह से प्रकट हो सकता है, सूक्ष्म और स्पष्ट दोनों। जेंडर पूर्वाग्रह वह व्यवहार है जो एक लिंग के प्रति दूसरे लिंग के प्रति पक्षपात दिखाता है। अक्सर, लिंग पूर्वाग्रह महिलाओं और / या लड़कियों पर पुरुषों और / या लड़कों का पक्ष लेने का कार्य है।
7. **Gender Diversity** refers to the extent to which a person's gender identity, role, or expression differs from the cultural norms prescribed for people of a particular sex. Gender Diversity most commonly refers to an equal ratio of men and women. / **लिंग विविधता** उस सीमा को संदर्भित करती है जिस हद तक किसी व्यक्ति की लिंग पहचान, भूमिका या अभिव्यक्ति किसी विशेष लिंग के लोगों के लिए निर्धारित सांस्कृतिक मानदंडों से भिन्न होती है। लिंग विविधता सबसे अधिक पुरुषों और महिलाओं के समान अनुपात को संदर्भित करती है।
8. **Gender Conformity** is when one's gender identity, gender expression, and sex are matched according to the social norm. When someone confirms one's behaviour and appearance for the social expectations and acceptance of one's group, it is also an example of gender conformity and gender roles placed on us. / **लिंग अनुरूपता** तब होती है जब किसी की लिंग की पहचान, लिंग की अभिव्यक्ति और लिंग का सामाजिक मानदंड के अनुसार मिलान किया जाता है। जब कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति के समूह की सामाजिक अपेक्षाओं और स्वीकृति के लिए उसके व्यवहार और उपस्थिति की पुष्टि करता है, तो यह भी लिंग अनुरूपता और लैंगिक भूमिकाओं का उदाहरण है।



Definition of Emotions / संवेग की परिभाषा

Human beings experience happiness, sadness, fear, anger, love, jealousy, hatred etc. in their daily life. He behaves like this with some excitement. This state is called emotions. / मनुष्य अपने रोजाना की जिंदगी में सुख, दुख, भय, क्रोध, प्रेम, ईर्ष्या, घृणा आदि का अनुभव करता है। वह ऐसा व्यवहार किसी उत्तेजना वस करता है। यह अवस्था संवेग कहलाती है।

According to Woodworth "Emotion is the excited state of a person." / वुडवर्थ के अनुसार, संवेग, व्यक्ति की उत्तेजित दशा है।

Type of Emotions / संवेगों का प्रकार:

Basic instinct birth behaviour has three sides / संवेग के प्रकार, मूल प्रवृत्ति जन्म व्यवहार के तीन पक्ष होते हैं

- (i) Cognitive / ज्ञानात्मक
- (ii) Emotional / भावात्मक
- (iii) Functional / क्रियात्मक

Components of Emotions / संवेगों के घटक

- (i) Emotional feelings / संवेगात्मक भावनाएं
- (ii) Physical changes / शारीरिक परिवर्तन
- (iii) Behaviour modification / व्यवहार में बदलाव
- (iv) Emotional expression / संवेगात्मक अभिव्यक्ति

Factors affecting emotional development of children, it includes the following factors / बच्चों के संवेगात्मक विकास को प्रभावित करने वाले कारक इसके अंतर्गत निम्न कारक तत्व आते हैं

- (i) Heredity / वंशानुक्रम
- (ii) Family / परिवार
- (iii) Mental ability of intelligence / बुद्धि की मानसिक योग्यता
- (iv) Fatigue / थकान
- (v) Parent's point of view / माता-पिता का दृष्टिकोण
- (vi) Social status / सामाजिक स्थिति
- (vii) Child's health / बालक का स्वास्थ्य
- (viii) Social acceptance / सामाजिक स्वीकृति
- (ix) School and teachers / विद्यालय व शिक्षक

McDougall Theory of Emotions / मैकडूगल का संवेगात्मक सिद्धांत

He considered the basic instincts to be innate tendencies and called him the giver of all kinds of emotions. Emotions is related to basic tendencies. McDougall describe 14 basic tendencies and there associated emotions. / इन्होंने मूल प्रवृत्तियों को जन्मजात प्रवृत्ति माना और उन्हें सभी प्रकार की संवेगों का दाता कहा। संवेग का संबंध मूल प्रवृत्तियों से होता है मैकडूगल ने 14 मूल प्रवृत्तियां तथा प्रत्येक से जुड़ा एक संवेग भी होता है।

क्रम सं.	मूल प्रवृत्ति	संवेग
1.	Combat (युयुत्सा)	Anger (क्रोध)
2.	Escape (पलायन)	Fear (भय)
3.	Food Seeking (भोजनावेषण)	Appetite (भूख)
4.	Repulsion (निवृत्ति)	Disgust (घृणा)
5.	Parental care (सन्तान रक्षा)	Affection (स्नेह)
6.	Sex (काम)	Lust (कामुकता)
7.	Curiosity (जिज्ञासा)	Wonder (आश्चर्य)
8.	Appeal (प्रार्थना)	Distress (दुःख)
9.	Submission (दैन्य)	Negative Self Feeling (आत्महीनता)
10.	Self Assertion (आत्म गौरव)	Positive Self feeling (आत्माभिमान)
11.	Gregariousness (सामूहिकता)	Loneliness (एकाकीपन)
12.	Construction (रचना)	Feeling of Creativity (कृतिभाव)
13.	Laughter (हास)	Amusement (आमोद)
14.	Acquisitiveness (संग्रह प्रवृत्ति)	Ownership feeling (अधिकार भावना)

Importance of Emotions in Education / संवेगों का शिक्षा में महत्व

What is the importance of emotions in classroom teaching in school, let us understand it from the following points- / संवेगों का कक्षा शिक्षण में विद्यालय में क्या महत्व है चलिए इसको निम्न बिंदुओं से समझते हैं-

- Interest in the lesson can be generated by awakening the children's emotions. / बालकों के संवेग को जगाकर पाठ में उनकी रुचि उत्पन्न की जा सकती है।
- By getting knowledge of the emotions of the students, success can be achieved in designing the appropriate curriculum. / विद्यार्थियों के संवेगों का ज्ञान प्राप्त करके उपयुक्त पाठ्यक्रम का निर्माण करने में सफलता प्राप्त किया जा सकता है।
- The teacher can pave the way for the mental powers of the children and inspire them to become more active in their studies. / शिक्षक बालकों की मानसिक शक्तियों के मार्ग को प्रशस्त करके उन्हें अपने अध्ययन में अधिक क्रियाशील बनने की प्रेरणा प्रदान कर सकता है।
- The teacher can refine the emotions of the children and give them the ability to behave in a society friendly manner. / शिक्षक बालकों के संवेगों को परिष्कृत करके उनको समाज के अनुकूल व्यवहार करने की क्षमता प्रदान कर सकता है।
- By awakening suitable emotions in children, they can be inspired to do great works. / बच्चों में उपयुक्त संवेगों को जागृत करके उनको महान कार्यों को करने की प्रेरणा दी जा सकती है।

Hermann Ebbinghaus was a German psychologist and philosopher who pioneered the scientific study of memory. / हरमन एबिंगहॉस एक जर्मन मनोवैज्ञानिक और दार्शनिक थे जिन्होंने स्मृति के वैज्ञानिक अध्ययन का बीड़ा उठाया था।

Memory is the ability to retain information and reproduce it over some time when required to perform a cognitive task. / एक संज्ञानात्मक कार्य को करने के लिए आवश्यक होने पर कुछ समय के लिए जानकारी को बनाए रखने और इसे पुनः प्रस्तुत करने की क्षमता स्मृति है।



Memory refers to the retention and recall of perceived information. / स्मृति का तात्पर्य कथित जानकारी के प्रतिधारण और स्मरण से है।

The sequence of four processes involved at memory level learning is Perception, Retention, Recall, and Recognition. / स्मृति स्तर को सीखने में शामिल चार प्रक्रियाओं का क्रम प्रत्यक्षीकरण, धारण, प्रत्यास्मरण और पहचान है।

Memory can be defined as a perceptually active mental system that receives, encodes, modifies, and retrieves information. Memory refers to the set of processes involved in storing information. This specific process is termed as retention. It can be studied indirectly by measuring retention. Three basic methods of measuring retention are Recall, Recognition, and Relearning. / स्मृति को एक अवधारणात्मक रूप से सक्रिय मानसिक प्रणाली के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जो जानकारी को प्राप्त करती है, संकेतित करती है, संशोधित करती है और पुनर्प्राप्त करती है। स्मृति से तात्पर्य जानकारी के भंडारण में शामिल प्रक्रियाओं के समूह से है। इस विशिष्ट प्रक्रिया को प्रतिधारण कहा जाता है, इसका अप्रत्यक्ष रूप से प्रतिधारण को मापकर अध्ययन किया जा सकता है। प्रतिधारण को मापने के तीन मूल विधियां पुनः स्मरण करना, पहचान करना और पुनः अधिगम करना हैं।

Stages of Memory / स्मृति की अवस्थाएं

It has been conceptualized as a process comprised of three stages. All information received by our senses goes through these stages. The stages are: / इसे तीन चरणों की एक प्रक्रिया के रूप में परिकल्पित किया गया है। हमारी इंद्रियों द्वारा प्राप्त सभी जानकारी इन अवस्थाओं से गुजरती है। ये अवस्थाएं निम्न हैं:

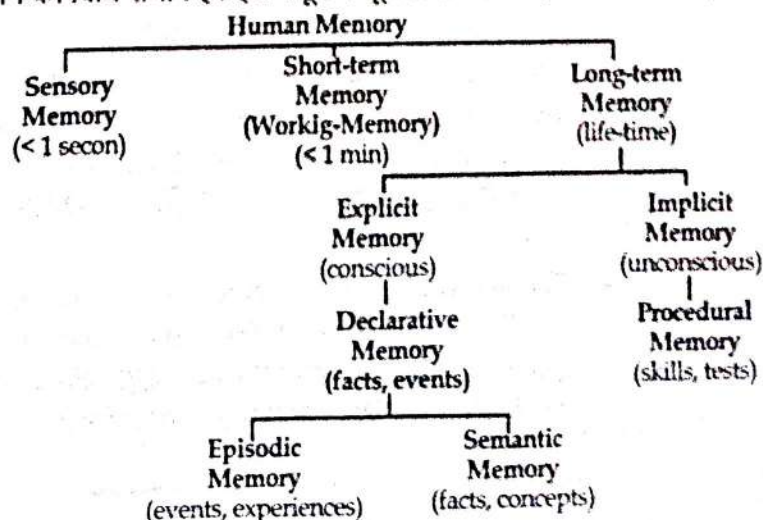
1. Encoding / कूट संकेतन
2. Storage / भंडारण
3. Retrieval / पुनरुद्धार / पुनर्प्राप्ति



Encoding / कूट संकेतन	<ul style="list-style-type: none"> It is the process of converting sensory information into a form that can be processed further by the memory systems. / कूट संकेतन में आने वाले डेटा को प्राप्त करना और उससे कुछ अर्थ प्राप्त करना शामिल है। फिर इसे इस तरह से प्रदर्शित किया जाता है, जो अतिरिक्त प्रसंस्करण की अनुमति देगा। Encoding involves receiving incoming data and deriving some meaning from it. It is then displayed in a manner that will allow for additional processing. / कूट संकेतन में आने वाले डेटा को प्राप्त करना और उससे कुछ अर्थ प्राप्त करना शामिल है। फिर इसे इस तरह से प्रदर्शित किया जाता है, जो अतिरिक्त प्रसंस्करण की अनुमति देगा।
Storage / भंडारण	<ul style="list-style-type: none"> In this second stage, received information from memory systems are stored so that it can be used at a later time also. / इस दूसरी अवस्था में, स्मृति प्रणाली से प्राप्त जानकारी को संग्रहीत किया जाता है ताकि बाद में भी इसका उपयोग किया जा सके। Therefore, the term "storage" refers to a process through which data is stored and kept for a long time. / इसलिए "भंडारण" शब्द एक ऐसी प्रक्रिया को संदर्भित करता है जिसके माध्यम से डेटा को लंबे समय तक संग्रहीत कर रखा जाता है।
Retrieval / पुनर्प्राप्ति	<ul style="list-style-type: none"> It refers to locating and bringing the stored material information to one's awareness when required to complete a task. / किसी कार्य को पूरा करने के लिए यह आवश्यकता होने पर संग्रहीत सामग्री से जानकारी को ढूँढने व संज्ञान में लाने को संदर्भित करता है। Retrieval is the process of bringing previously stored knowledge to the user's awareness so that it can be applied to a variety of cognitive tasks, such as problem solving or decision-making. / पुनर्प्राप्ति पहले संग्रहीत ज्ञान को उपयोगकर्ता की जागरूकता में लाने की प्रक्रिया है ताकि इसे विभिन्न प्रकार के संज्ञानात्मक कार्यों, जैसे समस्या समाधान या निर्णय लेने के लिए लागू किया जा सके।

Atkinson Shiffrin Model / एटकिंसन - शिफरीन

American psychologists Richard Atkinson and Richard Shiffrin (1968) proposed the Atkinson-Shiffrin Model of memory which is very similar to the way computer handles the input and storage of data. This model involves various steps to store information. / अमेरिकी मनोवैज्ञानिकों रिचर्ड एटकिंसन और रिचर्ड शिफरीन (1968) ने स्मृति के एटकिंसन - शिफरीन नमूने का प्रस्ताव रखा जो कंप्यूटर द्वारा आकड़े के निविष्ट और भंडारण को संभालने की विधि समान है। इस नमूने में सूचनाओं को संग्रहीत करने के लिए विभिन्न स्तर शामिल हैं।



The sensory register or memory / संवेदी पंजिका या स्मृति	<ul style="list-style-type: none"> • Sensory memory, which is also known as 'fleeting memory or immediate memory, sometimes, is closely related to the process of perception. / संवेदिक स्मृति, जिसे 'क्षणिक स्मृति' या तत्काल स्मृति के रूप में भी जाना जाता है, कभी-कभी, धारणा की प्रक्रिया से निकटता से संबंधित होती है। • Here, the information is held for a very brief period of time, perhaps a few seconds. / यहां, जानकारी बहुत ही संक्षिप्त अवधि के लिए, शायद कुछ सेकंड के लिए आयोजित की जाती है। • The information passes from the sensory register to the short-term memory, only if attention is paid to it. / सूचना संवेदी पंजिका से अल्पकालिक स्मृति तक जाती है, केवल तभी जब उस पर ध्यान दिया जाता है।
Short-term store or memory / आल्प कालिक संग्रहण या स्मृति	<ul style="list-style-type: none"> • This is also known as working memory or primary memory. / इसे कार्यात्मक स्मृति या प्राथमिक स्मृति के रूप में भी जाना जाता है। • Here, the information is kept up to 30 seconds. / यहां जानकारी को 30 सेकंड तक रखा जाता है। • It has a very limited capacity to store information. / इसमें सूचनाओं को संग्रहीत करने की बहुत सीमित क्षमता होती है। • It stores the sound of the speech, visual images, words, meaningful sentences. Since the storage is very small, most of the new incoming information displaces the previously stored information. / यह भाषण की ध्वनि, दृश्य छवियों, शब्दों, सार्थक वाक्यों को संग्रहीत करता है। चूंकि भंडारण बहुत छोटा है, इसलिए आने वाली अधिकांश नई जानकारी पहले से संग्रहीत जानकारी को विस्थापित कर देती है।
Long-term store or memory / दीर्घकालिक भण्डारण या स्मृति	<ul style="list-style-type: none"> • The information is organized in different ways in long-term store for days, months, years, and maybe forever. / जानकारी को विभिन्न तरीकों से लंबी अवधि के भण्डारण में दिनों, महीनों, वर्षों और शायद हमेशा के लिए व्यवस्थित किया जाता है। • Long-term memory has unlimited capacity to store information. / दीर्घकालिक स्मृति में सूचनाओं को संग्रहीत करने की असीमित क्षमता होती है। • Information is generally not forgotten from the long-term stores, and if any forgetting occurs, it is because the information has not been retrieved or organized properly. / जानकारी को सामान्य तौर पर लंबी अवधि के भण्डारण से भुलाया नहीं जाता है, और यदि कोई भूल होती है, तो यह इसलिए है क्योंकि जानकारी को ठीक से पुनर्प्राप्त या व्यवस्थित नहीं किया गया है। • The information that is stored in the long-term store consists of meaningful words, sentences, ideas, and various experiences of our life. / लंबी अवधि के भण्डारण में संग्रहीत जानकारी में सार्थक शब्द, वाक्य, विचार और हमारे जीवन के विभिन्न अनुभव होते हैं।

G. A. Miller (1956): Suggested that the capacity of working memory was about seven items (plus or minus two) / **G. A. मिलर (1956):** ने सुझाव दिया कि आल्प कालिक मेमोरी की क्षमता लगभग सात आइटम (प्लस या माइनस टू) थी।

Different types of memory / स्मृति के विभिन्न प्रकार

1. **Explicit Memory:** Explicit memory is one of the two main types of long-term human memory, the other of which is implicit memory. Explicit memory is the conscious, intentional recollection of factual information, previous experiences, and concepts. / **स्पष्ट स्मृति:** स्पष्ट स्मृति दीर्घकालिक मानव स्मृति के दो मुख्य प्रकारों में से एक है, जिनमें से दूसरी अंतर्निहित स्मृति है। स्पष्ट स्मृति तथ्यात्मक जानकारी, पिछले अनुभवों और अवधारणाओं का सचेत, जानबूझकर स्मरण है।
2. **Implicit Memory:** Implicit memory is one of the two main types of long-term human memory. It is acquired and used unconsciously and can affect thoughts and behaviors / **अंतर्निहित स्मृति:** अंतर्निहित स्मृति दीर्घकालिक मानव स्मृति के दो मुख्य प्रकारों में से एक है। यह अनजाने में प्राप्त और उपयोग किया जाता है और विचारों और व्यवहारों को प्रभावित कर सकता है।
3. **Episodic Memory:** The memories that are stored concerning the time when they happened are known as episodic memory. / **प्रासंगिक स्मृति:** जो यादें उस समय के बारे में संग्रहीत की जाती हैं जब वे घटित हुई थीं, उन्हें प्रासंगिक स्मृति के रूप में जाना जाता है।
4. **Semantic Memory:** This kind of memory tends to encode, store or organize, retrieve information (knowledge of the world) in the memory according to its meaning. / **शब्दार्थ वैज्ञानिक स्मृति:** इस तरह की स्मृति, स्मृति में अपने अर्थ के अनुसार जानकारी (दुनिया का ज्ञान) को एन्कोड, संग्रहीत या व्यवस्थित करती है।
5. **Procedural Memory:** We acquire various kinds of skills through learning and experience. / **प्रक्रियात्मक स्मृति:** हम अधिगम और अनुभव के माध्यम से विभिन्न प्रकार के कौशल प्राप्त करते हैं।

Example: Learning driving cycle or car. Once a person has achieved mastery in driving a car, he or she does not require conscious awareness for its performance and therefore such skills or habits are classified under implicit memory. / **उदाहरण:** साइकिल या कार चलाना सीखना। एक बार जब कोई व्यक्ति कार चलाने में निपुणता हासिल कर लेता है, तो उसे इसके प्रदर्शन के लिए जागरूक जागरूकता की आवश्यकता नहीं होती है और इसलिए ऐसे कौशल या आदतों को अंतर्निहित स्मृति के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है।



- Creativity is the process by which inventive and original thoughts become a reality. / सृजनात्मकता वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा आविष्कारशील और मूल विचार वास्तविक बन जाते हैं।
- A cognitive skill known as creativity allows one to come up with something new by taking a different approach. / सृजनात्मकता के रूप में जाना जाने वाला एक संज्ञानात्मक कौशल एक अलग दृष्टिकोण लेकर कुछ नया करने की अनुमति देता है।
- It is associated with divergent thinking, which describes a method of problem-solving that uses multiple approaches / यह अपसारी चिन्तन से सम्बंधित है, जो समस्या समाधान की एक विधि का वर्णन करता है, जो कई दृष्टिकोणों का उपयोग करता है।

Characteristics of Creative Children / एक सृजनात्मक बालक की विशेषता

- Perceive the relationship between impossible things. / असंभव वस्तुओं के बीच के संबंध को समझना।
- Interested, outgoing, and ambitious by nature. / स्वभाव से इच्छुक, मिलनसार और महत्वाकांक्षी होते हैं।
- Bring creative and imaginative ideas to life. / सृजनात्मक और कल्पनाशील विचारों को जीवन में उतारना।
- When putting innovative ideas into practice, try new things and are eager to learn and take risks. / परिवर्तनात्मक विचारों को व्यवहार में लाते समय नई वस्तुओं को आजमाना और अधिगम और जोखिम लेने के लिए उत्सुक होते हैं।
- In a variety of circumstances, use divergent and unconventional thinking. / विभिन्न परिस्थितियों में अपसारी और अपरंपरागत चिन्तन का प्रयोग करना।

Components of Creativity / सृजनात्मकता के घटक

- Guilford (1986) considered creative thinking as involving divergent thinking, which consists of four elements such as fluency, flexibility, originality, and elaboration. / गिलफोर्ड (1986) ने सृजनात्मक सोच को अपसारी सोच के रूप में माना, जिसमें प्रवाह, नम्रता, मौलिकता और विस्तार जैसे चार तत्व शामिल हैं।

Fluency / प्रवाह	<ul style="list-style-type: none"> • Fluency is a component of creativity that signifies the smooth flow or vibration of substance or emotion that resonates with a unique symbol or norm. / प्रवाह सृजनात्मकता का एक घटक है जो पदार्थ या भावना के सहज प्रवाह या कंपन को दर्शाता है, जो एक अद्वितीय प्रतीक या आदर्श के साथ प्रतिध्वनित होता है।
Flexibility लचीलापन	<ul style="list-style-type: none"> • It refers to the ability to produce a large variety of ideas such as thinking of varied uses of a particular object / यह एक विशिष्ट वस्तु के अलग-अलग प्रयोगों की सोच जैसे विचारों की एक बड़ी किस्म उत्पादित करने की क्षमता को संदर्भित करता है।
Originality / मौलिकता	<ul style="list-style-type: none"> • The number of statistically infrequent ideas; shows an ability to produce uncommon or unique responses. / सांख्यिकीय संक्रामक विचारों की संख्या; असामान्य या अद्वितीय प्रतिक्रियाओं का उत्पादन करने की क्षमता दर्शाता है।

Elaboration / विस्तार	<ul style="list-style-type: none"> The number of added ideas; demonstrates the subject's ability to develop and elaborate ideas. / जोड़े गए विचारों की संख्या; विचारों को विकसित करने और विस्तृत करने के लिए विषय की क्षमता को दर्शाता है।
------------------------------	---

Stages of Creativity / सृजनात्मकता की अवस्था

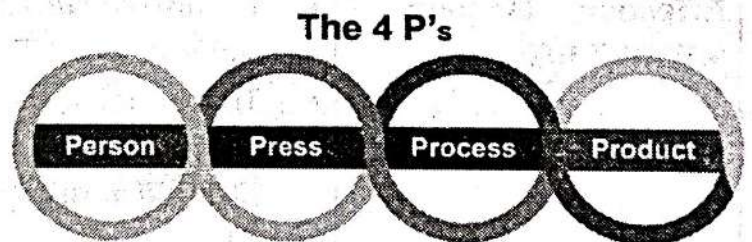
Graham Wallas (1926) outlined the creative thinking process into four stages / ग्राहम वालेस (1926) ने रचनात्मक विचार प्रक्रिया को चार चरणों में वर्गीकृत किया:

- 1. Preparation:** It involves collecting information regarding a problem in order to solve it through trial and error, recalling personal experiences, and investigating in all possible directions. / **तैयारी:** इसमें परीक्षण और त्रुटि के माध्यम से हल करने Preparation Incubation Illumination Verification के लिए एक समस्या के बारे में जानकारी एकत्र करना, व्यक्तिगत अनुभवों को याद करना और सभी संभावित दिशाओं में जांच करना शामिल है।
- 2. Incubation:** It is a slow process in which the individual sinks into the unconscious and reflects on the problem. / **उद्भवन:** यह एक धीमी प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति बेसुध हो जाता है और समस्या को दर्शाता है।
- 3. Illumination:** It is the stage the individual is most active and conscious. It is in this stage that an insight to the problem is experienced suddenly and a new idea or solution emerges. / **प्रदीपन:** यह वह चरण है जब व्यक्ति सबसे अधिक सक्रिय और सचेत है। यह इस चरण में है कि समस्या का एक अंतर्दृष्टि अचानक अनुभव होता है और एक नया विचार या समाधान निकलता है।
- 4. Verification:** This stage might involve modifications to the solution reached in the previous stage by adding or subtracting, or making new connections. / **सत्यापन:** इस चरण में नए कनेक्शनों को जोड़कर या घटाकर या बनाकर पिछले चरण में पहुंचे समाधान में संशोधन शामिल हो सकते हैं।

4 P's of Creativity / रचनात्मकता के 4 P

There are four main factors, also called the 4 P's of creativity, are identified by psychologists that influence creativity. / इसके चार मुख्य कारक हैं, जिन्हें रचनात्मकता के 4 P भी कहा जाता है, ये मनोवैज्ञानिकों द्वारा पहचाने गए हैं, जो रचनात्मकता को प्रभावित करते हैं:

1. Person / व्यक्ति
2. Press / पर्यावरण
3. Process / प्रक्रिया
4. Product / उत्पाद



○○○○○

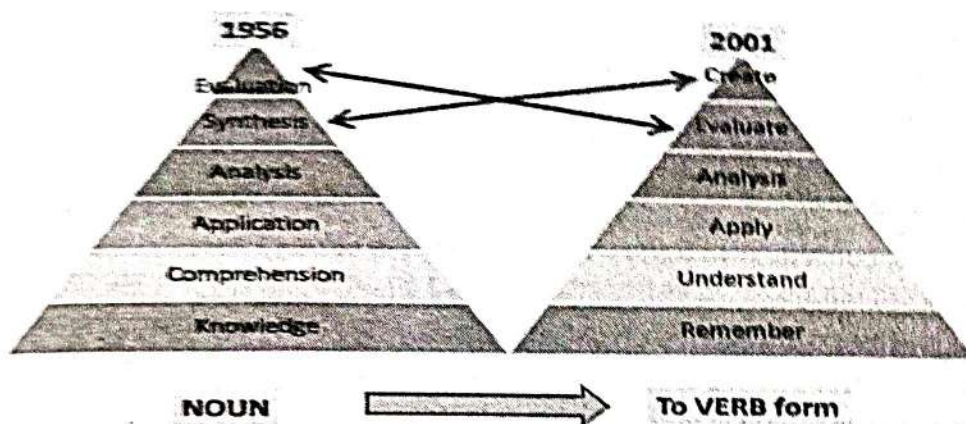
- This model is proposed in 1956 and named after Benjamin Bloom, an educational psychologist at the University of Chicago. / यह मॉडल 1956 में प्रस्तावित है और इसका नाम शिकागो विश्वविद्यालय के एक शैक्षिक मनोवैज्ञानिक बेंजामिन ब्लूम के नाम पर रखा गया है।
- This is actually a hierarchy model to classify the teaching and instructional objectives into a specific level of complexity / यह वास्तव में शिक्षण और निर्देशात्मक उद्देश्यों को एक विशिष्ट स्तर की जटिलता में वर्गीकृत करने के लिए एक पदानुक्रम मॉडल है।
- There are three major domains - Cognitive domain, Affective domain, and Psychomotor domain / तीन प्रमुख क्षेत्र हैं- संज्ञानात्मक क्षेत्र, भावात्मक क्षेत्र, और मनोक्रियात्मक क्षेत्र



Cognitive domain / संज्ञानात्मक क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> • Those educational objectives are included that are concerned with knowledge, recognition, recall, and cater to the development of intellectual abilities and skills. / उन शैक्षिक उद्देश्यों को शामिल किया जाता है, जो ज्ञान, मान्यता, स्मरण से संबंधित हैं और बौद्धिक क्षमताओं और कौशल के विकास को पूर्ण करते हैं
Conative or Psychomotor domain / मनोक्रियात्मक क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> • This domain helps in the development of skills. / यह क्षेत्र कौशल के विकास में मदद करता है। • The training of physical activities is the main objective of this domain. / शारीरिक गतिविधियों का प्रशिक्षण इस क्षेत्र का मुख्य उद्देश्य है।
Affective Domain / भावात्मक पक्ष:	<ul style="list-style-type: none"> • It is also known as the domain of emotional response. / इसे भावनात्मक प्रतिक्रिया के क्षेत्र के रूप में भी जाना जाता है। • These objectives aim to develop certain interests, attitudes, appreciation, and values among pupils. / इन उद्देश्यों का उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच कुछ रुचियों, दृष्टिकोण, प्रशंसा और मूल्यों को विकसित करना है।

The Cognitive Domain / संज्ञानात्मक डोमेन

- It is also known as the thinking domain.
- Initially, the six basic objectives in Bloom's taxonomy are knowledge, comprehension, application, analysis, synthesis, and evaluation. / प्रारंभ में, ब्लूम के वर्गीकरण में छह मूल उद्देश्य ज्ञान, समझ, अनुप्रयोग, विश्लेषण, संश्लेषण और मूल्यांकन हैं।



1. Knowledge / ज्ञान

- Knowledge is defined as the remembering of previously learned material. / ज्ञान को पहले से अधिगम की गई सामग्री के स्मरण के रूप में परिभाषित किया गया है।
- Knowledge represents the lowest level of learning outcomes in the cognitive domain. / संज्ञानात्मक क्षेत्र में अधिगम के परिणामों के निम्नतम स्तर का प्रतिनिधित्व करता है।

2. Comprehension / समझ

- Comprehension is defined as the ability to grasp the meaning of the material. / समझ को सामग्री के अर्थ को समझने की क्षमता के रूप में परिभाषित किया गया है।
- This may be shown by translating material from one form to another word to numbers, by interpreting material explaining or summarizing, and by estimating future trends predicting consequences or effects. / यह सामग्री को एक रूप से दूसरे शब्द से संख्या में अनुवाद करके, व्याख्या करने या सारांशित करने वाली सामग्री की व्याख्या करके, और भविष्य के रुझानों के परिणामों या प्रभावों का अनुमान लगाकर दिखाया जा सकता है।

3. Application / अनुप्रयोग

- Application refers to the ability to use learned material in new and concrete situations. / एप्लिकेशन नई और ठोस स्थितियों में अधिगम की गई सामग्री का उपयोग करने की क्षमता को संदर्भित करता है। This may include the application of such things as rules, methods, concepts, principles, laws, and theories. / इसमें नियमों, विधियों, अवधारणाओं, सिद्धांतों, कानूनों और सिद्धांतों के रूप में ऐसी चीजों का अनुप्रयोग शामिल हो सकता है।

4. Analysis / विश्लेषण

- Analysis refers to the ability to break down the material into its component parts so that its organizational structure may be understood. / विश्लेषण सामग्री को उसके घटक भागों में विभाजित करने की क्षमता को संदर्भित करता है ताकि इसकी संगठनात्मक संरचना को समझा जा सके।
- This may include the identification of parts, analysis of the relationship between parts, and recognition of the organizational principles involved. / इसमें भागों की पहचान, भागों के बीच संबंधों का विश्लेषण और शामिल संगठनात्मक सिद्धांतों की मान्यता शामिल हो सकती है।

5. Synthesis / संश्लेषण

- Synthesis refers to the ability to put parts together to form a new whole. / संश्लेषण से तात्पर्य है एक नया संपूर्ण बनाने के लिए भागों को एक साथ रखना।

- This may involve the production of a unique communication theme or speech, a plan of the operations research proposal, or a set of abstract relations schemes for classifying information. / इसमें एक अद्वितीय संचार विषय या भाषण का उत्पादन, संचालन अनुसंधान प्रस्ताव की एक योजना या वर्गीकृत जानकारी के लिए अमूर्त संबंध योजनाओं का एक सेट शामिल हो सकता है।

6. Evaluation / मूल्यांकन

- Evaluation is concerned with the ability to judge the value of material for a given purpose. / मूल्यांकन किसी दिए गए उद्देश्य के लिए सामग्री के मूल्य को आंकने की क्षमता से संबंधित है।
- The judgments are to be based on definite criteria. / यह निर्णय निश्चित मानदंडों के आधार पर होने हैं।
- Learning outcomes in this area are highest in the cognitive hierarchy because they contain elements of all the other categories, plus conscious value judgments based on clearly defined criteria / इस क्षेत्र में अधिगम परिणाम संज्ञानात्मक पदानुक्रम में सबसे अधिक होते हैं क्योंकि उनमें अन्य सभी श्रेणियों के तत्व शामिल हैं, साथ ही स्पष्ट रूप से परिभाषित मानदंडों के आधार पर सचेत मूल्य निर्णय भी हैं।

Affective Domain / प्रभावी डोमेन

Objectives in the affective domain concern feelings and attitudes that students are expected to develop as a result of instruction. There is no doubt that a lot of confusion prevails with regard to the statement of objectives in the affective domain, as compared to the cognitive domain. Terms like interest, appreciation, values, attitudes, etc., give varying shades of meaning. / भावात्मक पक्षों में उद्देश्य उन भावनाओं और दृष्टिकोणों से संबंधित हैं जिसमें छात्रों से निर्देश के परिणामस्वरूप विकसित होने की उम्मीद होती है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि संज्ञानात्मक क्षेत्र की तुलना में भावात्मक क्षेत्र में उद्देश्यों के विवरण के संबंध में बहुत अधिक भ्रम है। रुचि, प्रशंसा, मूल्य, दृष्टिकोण आदि जैसे शब्द अलग-अलग अर्थ दर्शाते हैं।

1. **Receiving (Attending and Awareness):** This is the first and the lowest level of the objectives under an affective domain. At this level, we are concerned with the student's sensitivity to certain stimuli; that is, whether (s) he is willing to receive or attend to the stimuli / **अग्रहण (उपस्थिति और जागरूकता):** यह एक भावात्मक क्षेत्र के तहत उद्देश्यों का पहला और सबसे निचला स्तर है। इस स्तर पर, हम छात्र की कुछ उद्दीपनों के प्रति संवेदनशीलता से चिंतित होते हैं; वह यह है कि क्या वह उद्दीपनों को प्राप्त करने या उसमें भाग लेने के लिए तैयार हैं।
2. **Responding (Acting, feelings, movement, and change)** It is the next higher level to simple awareness or attention. This category implies greater motivation and regularity in attendance. / **अनुक्रिया (अभिनय, भावनाएं, गति और परिवर्तन):** यह साधारण जागरूकता या ध्यान के लिए अगला उच्च स्तर है। इस श्रेणी का तात्पर्य उपस्थिति में अधिक प्रेरणा और नियमितता से है।
3. **Valuing (Worth, utility, and cause-effect relationship):** This is the third level under the affective domain and implies a commitment to certain ideals or values. This objective includes the development of attitudes. / **अनुमूल्यन (मूल्य, उपयोगिता और कारण - प्रभाव संबंध):** यह भावात्मक पक्ष के तहत तीसरा स्तर है और कुछ आदर्शों या मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस उद्देश्य में दृष्टिकोण का विकास शामिल है।
4. **Organization (Judging integrating, and categorizing):** This level pertains to building a system of values. At this level, values are conceptualized and conflicts between the values are resolved and interrelationships are established. / **संगठन (निर्णय, एकीकरण और वर्गीकरण):** यह स्तर मूल्यों की एक प्रणाली के निर्माण से संबंधित है। इस स्तर पर, मूल्यों की अवधारणा की जाती है और मूल्यों के बीच संघर्ष को हल किया जाता है और अंतर्संबंध स्थापित होते हैं।

5. **Characterization (sustained use of new values and expressions of commitment):** Characterisation by a value and set of values is at the top of the affective domain. It regulates a person's behavior through certain values, ideas, or beliefs and the integration of values and attitudes into a world view or total philosophy of life of his own. / चरित्रीकरण (नए मूल्यों और प्रतिबद्धता की अभिव्यक्तियों का निरंतर उपयोग): एक मूल्य और मूल्यों के समूह द्वारा विशेषता, भावात्मक पक्ष के शीर्ष पर है। यह कुछ मूल्यों, विचारों, या विश्वासों के माध्यम से किसी व्यक्ति के व्यवहार को नियंत्रित करता है और मूल्यों और दृष्टिकोणों के एकीकरण को एक विश्व दृष्टिकोण या अपने स्वयं के जीवन के कुल दर्शन में शामिल करता है।

Psychomotor Domain / साइकोमोटर डोमेन

<p>Psychomotor domain / मनोक्रियात्मक क्षेत्र</p>	<p>This domain is related to the development of skills. / यह क्षेत्र कौशल के विकास से संबंधित है।</p>	<ol style="list-style-type: none"> 1. Imitation: Learner try to follow the demonstration of a skilled person e.g. a dancer follows the steps of her choreographer. / अनुकरण: शिक्षार्थी एक कुशल व्यक्ति के प्रदर्शन का अनुसरण करने की कोशिश करते हैं उदा। एक नर्तकी उसके कोरियोग्राफर के कदमों का अनुसरण करती है। 2. Manipulation: Try to experience various aspects work with efficiency, a software engineer trying to gain knowledge about hardware also / हेर-फेर : विभिन्न पहलुओं का अनुभव करने की कोशिश करें दक्षता के साथ काम करें, एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर हार्डवेयर के बारे में भी ज्ञान प्राप्त करने की कोशिश कर रहा है। 3. Precision: Practice to bring perfection / परिशुद्धता: पूर्णता लाने के लिए अभ्यास करें 4. Articulation: Achieve the desired level of efficiency and effectiveness through practice / अभिव्यक्ति: अभ्यास के माध्यम से दक्षता और प्रभावशीलता के वांछित स्तर को प्राप्त करें, उदा। 5. Naturalization: Adopt/ modify new skills/ techniques/ methods according to requirement, / प्राकृतिककरण: आवश्यकता के अनुसार नए कौशल / तकनीक / विधियों को अपनाना / संशोधित करना
--	---	---

00000

Test: A test is a kind of assessment to measure the knowledge, skills, and aptitude in a specified field. A test is used to analyze the performance of the students and also to know the reliability of the teaching-learning process. / **परीक्षण:** एक परीक्षण एक निर्दिष्ट क्षेत्र में ज्ञान, कौशल और योग्यता को मापने के लिए मूल्यांकन का एक प्रकार है। एक परीक्षण का उपयोग छात्रों के प्रदर्शन का विश्लेषण करने और शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया की विश्वसनीयता को जानने के लिए भी किया जाता है।

Measurement: Measurement is defined as the description of data in terms of numbers. To measure some object, we must follow certain operations and rules which compare the object to some defined standard or scale. / **मापन:** मापन को संख्या के संदर्भ में डेटा के विवरण के रूप में परिभाषित किया गया है। कुछ चीजों को मापने के लिए, हमें कुछ संचालन और नियमों का पालन करना चाहिए जो चीजों की कुछ निर्धारित मानक या पैमाने से तुलना करते हैं।

Assessment: Assessment is a process of collecting relevant information on student learning. It is an integral part of the teaching-learning process. Assessment is conducted in different phases of the teaching-learning process. / **आकलन:** आकलन छात्र अधिगम पर प्रासंगिक जानकारी एकत्र करने की एक प्रक्रिया है। यह शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग है। शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में आकलन किया जाता है।

Evaluation: Evaluation is a systematic way to assess learners' abilities, analyze performance, provide appropriate feedback to each learner and help them to progress. High-quality evaluation is required in teaching for successful learning. / **मूल्यांकन:** मूल्यांकन शिक्षार्थी की क्षमताओं का आकलन करने, प्रदर्शन का विश्लेषण करने, प्रत्येक शिक्षार्थी को उचित प्रतिक्रिया प्रदान करने और उन्हें प्रगति में मदद करने का एक व्यवस्थित तरीका है। सफल अधिगम के लिए शिक्षण में उच्च गुणवत्ता वाले मूल्यांकन की आवश्यकता है।

Test / परीक्षण

A test is a kind of assessment to measure the knowledge, skills, and aptitude in a specified field. A test is used to analyze the performance of the students and also to know the reliability of the teaching-learning process. / एक परीक्षण एक निर्दिष्ट क्षेत्र में ज्ञान, कौशल और योग्यता को मापने के लिए मूल्यांकन का एक प्रकार है। एक परीक्षण का उपयोग छात्रों के प्रदर्शन का विश्लेषण करने और शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया की विश्वसनीयता को जानने के लिए भी किया जाता है।

Some people possess certain specific abilities other than intelligence, which help them in achieving success in some specific field or activity. These certain specific abilities are known as the aptitude of an individual / कुछ लोगों के पास बुद्धि के अलावा कुछ विशिष्ट क्षमताएं होती हैं, जो उन्हें किसी विशिष्ट क्षेत्र या गतिविधि में सफलता प्राप्त करने में मदद करती हैं। इन कुछ विशिष्ट क्षमताओं को किसी व्यक्ति की योग्यता के रूप में जाना जाता है।

Tests are devices to gather information through some specified tasks presented to individuals. We come across various types of tests in education e.g. oral, written and practical; group or individual;

performance, etc. Sometimes 'examination' is also used to mean a device or a test. / परीक्षण व्यक्तियों को प्रस्तुत कुछ निर्दिष्ट कार्यों के माध्यम से जानकारी इकट्ठा करने के लिए उपकरण हैं। हम शिक्षा में विभिन्न प्रकार के परीक्षणों में आते हैं उदा। मौखिक, लिखित और व्यावहारिक समूह या व्यक्ति; प्रदर्शन, आदि कभी-कभी 'परीक्षा' का उपयोग डिवाइस या परीक्षण का अर्थ करने के लिए भी किया जाता है।

1. **Standardized tests:** They are concerned with the whole field of knowledge or ability tested. These tests are made by experts to compare the achievement of individual groups. Qualities of standardized tests validity, reliability, and usability, objectivity. / **मानकीकृत परीक्षण:** ये ज्ञान या परीक्षण की क्षमता के पूरे क्षेत्र से संबंधित हैं। ये परीक्षण विशेषज्ञों द्वारा व्यक्तिगत समूहों की उपलब्धि की तुलना करने के लिए किए जाते हैं। मानकीकृत परीक्षणों की योग्यता वैधता, विश्वसनीयता, निष्पक्षतावाद और उपयोगिता हैं।
2. **Non-standardized tests (Teacher-made tests):** They are concerned with limited and specific fields of knowledge or ability of performance. These are for local use for some particular institutions on small scale. / **गैर-मानकीकृत परीक्षण (शिक्षक-निर्मित परीक्षण):** ये ज्ञान के सीमित और विशिष्ट क्षेत्रों या प्रदर्शन की क्षमता से संबंधित हैं। ये छोटे पैमाने पर कुछ विशेष संस्थानों के लिए स्थानीय उपयोग के लिए हैं।

Characteristics of Good Test: A good test should enable us to the achievement or ability accurately and economically. Here we take a good test- validity, reliability, objectivity and usability. / **उत्तम परीक्षण के लक्षण:** एगूड टेस्ट हमें उपलब्धि और क्षमता को सटीक और आर्थिक रूप से सक्षम बनाना चाहिए। यहाँ हम एक अच्छी परीक्षा लेते हैं - वैधता, विश्वसनीयता और उपयोगिता।

- **Validity:** A test is said to be valid if it measures what it is supposed to measure. Cronbach defines validity as "the extent to which a test measures what it to measure". / **वैधता:** एक परीक्षण को वैध कहा जाता है यदि वह मापता है कि उसे क्या मापना है। क्रोन्बैक वैधता को "एक सीमा तक मापता है कि एक परीक्षण क्या मापता है"।
- **Reliability:** A test is reliable if it gives consistent results of measurement on its administration on different occasions. Pupils should score similar scores if the test is repeated. Its administration maybe after some gap of time and the condition is that pupils do not receive any further training of related test content. / **विश्वसनीयता:** एक परीक्षण विश्वसनीय है अगर यह विभिन्न अवसरों पर अपने प्रशासन पर माप के लगातार परिणाम देता है। यदि परीक्षण दोहराया जाता है, तो विद्यार्थियों को समान स्कोर करना चाहिए। इसका प्रशासन शायद समय के कुछ अंतराल के बाद होता है और स्थिति यह है कि विद्यार्थियों को संबंधित परीक्षण सामग्री का कोई और प्रशिक्षण प्राप्त नहीं होता है।
- **Usability:** Usability refers to practicability - ease, and economy in terms of energy, time, and money. Usability means a test should be: easy to construct; easy in administrating; easy in scoring; easy in interpreting; and economic in terms of money and time. / **प्रयोज्यता:** प्रयोज्यता व्यावहारिकता को संदर्भित करती है- ऊर्जा, समय और धन के संदर्भ में आसानी; और अर्थव्यवस्था। प्रयोज्यता का अर्थ है एक परीक्षण होना चाहिए: निर्माण करना आसान; व्यवस्थापन में आसान; स्कोरिंग में आसान; व्याख्या करने में आसान; और पैसे और समय के मामले में मितव्ययी।
- **Objectivity:** When a student's score on a test is based only on the students answers and not on the personal biases of the scorer (or teacher), then the scoring is considered to be objective. This depends on the procedure of the scoring (and the type of item to be scored). / **निष्पक्षतावाद:** जब किसी परीक्षा में किसी छात्र के अंक केवल छात्र के उत्तरों पर आधारित होता है, न कि गणक (या शिक्षक) के व्यक्तिगत पूर्वाग्रह पर, तो स्कोरिंग को उद्देश्य माना जाता है। यह स्कोरिंग की प्रक्रिया (और प्राप्त की जाने वाली सामग्री का प्रकार) पर निर्भर करता है।

Difference between Norm-referenced and Criterion-referenced test/मानक-संदर्भित और मानदंड-संदर्भित परीक्षण के बीच अंतर

Parameters / मापदंड	Norm-referenced /मानक-संदर्भित	Criterion-referenced Evaluation / मानदंड-संदर्भित परीक्षण
Time of use / उपयोग का समय	<ul style="list-style-type: none"> At the end of a term, naturally school board examination. / एक कार्यकाल के अंत में, स्वाभाविक रूप से स्कूल बोर्ड परीक्षा 	<ul style="list-style-type: none"> During the progress of instruction, like the conduct of the class examination. / निर्देश की प्रगति के दौरान, जैसे कक्षा परीक्षा आयोजित करना।
Similarities with other tests / अन्य परीक्षणों के साथ समानता	<ul style="list-style-type: none"> It supports summative evaluation. / यह योगात्मक मूल्यांकन का समर्थन करता है। Standardized tests are suitably used. / मानकीकृत परीक्षण उपयुक्त रूप से उपयोग किए जाते हैं। 	<ul style="list-style-type: none"> It supports formative and diagnostic evaluation. / यह रचनात्मक और नैदानिक मूल्यांकन का समर्थन करता है। Teacher-made tests are usually used. / शिक्षक-निर्मित परीक्षण आमतौर पर उपयोग किए जाते हैं।
Instructional Objectives / निर्देशात्मक उद्देश्य	<ul style="list-style-type: none"> No instructional objectives are fixed./ कोई निर्देशात्मक उद्देश्य निश्चित नहीं हैं। Course objectives are given importance./ पाठ्यक्रम के उद्देश्यों को महत्व दिया जाता है। 	<ul style="list-style-type: none"> Specific instructional objectives are given which may be defined as a standard. / विशिष्ट निर्देशात्मक उद्देश्य दिए गए हैं जिन्हें एक मानक के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

Some Other Tests / कुछ अन्य परीक्षण

Aptitude test अभिक्षमता परीक्षण	It supports formative and diagnostic evaluation. / यह रचनात्मक और नैदानिक मूल्यांकन का समर्थन करता है। Teacher-made tests are usually used. / शिक्षक-निर्मित परीक्षण आमतौर पर उपयोग किए जाते हैं।
Attitude test / अभिवृत्ति परीक्षण	It is a determined acquired tendency that prepares a person to behave in a certain way towards a specific object or situation. / यह एक निर्धारित अधिग्रहीत प्रवृत्ति है जो किसी व्यक्ति को किसी विशिष्ट वस्तु या स्थिति के प्रति एक निश्चित तरीके से व्यवहार करने के लिए तैयार करता है।
Achievement test / उपलब्धि परीक्षण	It is the acquirement of the desired things that indicates what an individual उपलब्धि परीक्षण has learned or achieved in a particular field. / यह वांछित चीजों का अधिग्रहण है, जो दर्शाता है कि किसी व्यक्ति ने किसी विशेष क्षेत्र में क्या सीखा है या हासिल किया है।

Assessment / आकलन

Assessment is a process of collecting relevant information on student learning. It is an integral part of the teaching-learning process. Assessment is conducted in different phases of the teaching-learning process. / आकलन छात्र अधिगम पर प्रासंगिक जानकारी एकत्र करने की एक प्रक्रिया है। यह शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग है। शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में आकलन किया जाता है।

There are mainly two types of Assessment / मूल्यांकन मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं

Type of assessment / मूल्यांकन के प्रकार	Key Idea / मुख्य विचार	Example / उदाहरण
Formative assessment / औपचारिक मूल्यांकन	<ul style="list-style-type: none"> Monitors the child's progress throughout the teaching and learning process. / शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया के दौरान बच्चे की प्रगति की निगरानी करें 	If a cook tastes a food during cooking it may be akin to assessment for learning. / यदि खाना पकाने के दौरान कोई रसपान करता है तो यह सीखने के लिए आकलन के समान हो सकता है।
Summative assessment / योगात्मक मूल्यांकन	<ul style="list-style-type: none"> Designed to be summative, and to produce an accurate description of a student's achievement. / योगात्मक होने के लिए, और छात्र की उपलब्धि का सटीक विवरण तैयार करने के लिए। Helps to measure, certify, and report the level of student learning and achievement level at the end of the term. / अवधि के अंत में छात्र के सीखने के स्तर को मापने, उपलब्धि के स्तर को मापने, प्रमाणित करने और प्रतिवेदन करने में मदद करता है। 	If a teacher asks questions about a trip after returning, it would be called the assessment of learning / यदि कोई शिक्षक लौटने के बाद किसी यात्रा के बारे में सवाल पूछता है, तो इसे सीऽने का मूल्यांकन कहा जाएगा।

Note that / ध्यान दें कि:

- Assessment for learning / अधिगम के लिए मूल्यांकन DURING instruction / शिक्षा के दौरान
- Assessment of learning / अधिगम का मूल्यांकन - AFTER instruction / शिक्षा के बाद
- Assessment as learning / अधिगम के रूप में मूल्यांकन - self-assessment in students / छात्रों में आत्म-मूल्यांकन

Tools of Formative Assessment / रचनात्मक मूल्यांकन के उपकरण

Formative assessment is a type of assessment which refers to monitor the child's progress throughout the learning and teaching process. / रचनात्मक मूल्यांकन एक प्रकार का मूल्यांकन है जो शिक्षण और अधिगम प्रक्रिया के दौरान बच्चे की प्रगति की निगरानी करने के लिए संदर्भित करता है।

Quizzes, group discussion, conversation, portfolio, rating scale and anecdotal records, etc are the appropriate tools for formative assessment / क्विज, समूह चर्चा, वार्तालाप, पोर्टफोलियो, रेटिंग स्केल और उपाख्यानत्मक अभिलेख, आदि रचनात्मक मूल्यांकन के लिए उपयुक्त उपकरण हैं।

Quizzes / क्विज	It is a test to measure learner's knowledge about a certain subject. It could be used as a tool of brief assessment by organising quiz on different topics. / यह एक निश्चित विषय के बारे में शिक्षार्थी के ज्ञान को मापने की एक परीक्षा है। इसका उपयोग विभिन्न विषयों पर क्विज आयोजित करके संक्षिप्त मूल्यांकन के उपकरण के रूप में किया जा सकता है।
------------------------	---

Group discussion / समूह में चर्चा	It is an approach which facilitates meaningful learning by emphasizing upon learning through meaningful interaction in group settings. / यह एक दृष्टिकोण है जो समूह व्यवस्था में सार्थक बातचीत के माध्यम से सीखने पर जोर देकर सार्थक रूप से सीखने की सुविधा देता है।
Conversation / वार्तालाप	It refers to a talk between two or more learners. It helps learners in sharing experiences and in knowing other's perspectives regarding a specific topic./यह दो या दो से अधिक शिक्षार्थियों के बीच बातचीत को संदर्भित करता है। यह एक विशिष्ट विषय के संबंध में अनुभवों को साझा करने और अन्य दृष्टिकोणों को जानने में शिक्षार्थियों की मदद करता है।
Portfolio / पोर्टफोलियो	It contains samples of the learner's work like project reports, assignments, etc to evaluate academic achievement and learning progress over time. / इसमें समय के साथ शैक्षिक उपलब्धि और सीखने की प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए परियोजना रिपोर्ट, असाइनमेंट आदि जैसे शिक्षार्थी के काम के नमूने शामिल हैं।
Rating scale / रेटिंग स्केल	It refers to a performance appraisal method that rates students on a bipolar scale that usually has several points ranging from "poor" to "excellent". / यह एक प्रदर्शन मूल्यांकन पद्धति को संदर्भित करता है जो एक द्विध्रुवी पैमाने पर छात्रों को दर देता है जिसमें आमतौर पर "कमजोर" से लेकर "उत्कृष्ट" तक कई बिंदु होते हैं।
Anecdotal records / उपाख्यानत्मक अभिलेख	It is an observation that is written in a form of story to provide information regarding a student's character development over the period./ यह एक अवलोकन है जिसे अवधि के दौरान छात्र के चरित्र विकास के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए कहानी के रूप में लिखा जाता है।
Cumulative records / संचयी रिकॉर्ड	Cumulative records present the descriptive records of important events happening in the life of children./ संचयी रिकॉर्ड बच्चों के जीवन में होने वाली महत्वपूर्ण घटनाओं का विवरणात्मक रिकॉर्ड प्रस्तुत करते हैं।

Evaluation / मूल्यांकन

Evaluation is the process of collecting information and then making a decision. It is nothing but gathering data and evidence of students' progress and achievements. Not only it is the formal examination, but also it involves analyzing, characterizing students' learning along with observing testing and assessing. / मूल्यांकन जानकारी एकत्र करने और फिर निर्णय लेने की प्रक्रिया है। यह छात्रों की प्रगति और उपलब्धियों के डेटा और साक्ष्य एकत्र करने के अलावा और कुछ नहीं है। न केवल यह औपचारिक परीक्षा है, बल्कि इसमें छात्रों के सीखने के साथ-साथ उनका अवलोकन, परीक्षण और आकलन करने के साथ विश्लेषण करना भी शामिल है।

Evaluation is Used / मूल्यांकन का उपयोग किया जाता है

- To give feedback to the extent that we can bestow quality education for a quality life. / विस्तार तक प्रतिक्रिया देने के लिए कि हम गुणवत्तापूर्ण जीवन के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर सकते हैं।
- To check if the learning is taking place as planned. / यह जाँचने के लिए कि क्या योजना के अनुसार शिक्षण हो रहा है।
- It offers equal opportunity to each student to display their potential. / यह प्रत्येक छात्र को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का समान अवसर प्रदान करता है।

Various Modern Techniques / विभिन्न आधुनिक तकनीकें

Rating scale / रेटिंग स्केल	<ul style="list-style-type: none"> It is used to measure the attitude of students in any situation, idea, or object. / इसका उपयोग किसी भी स्थिति, विचार या वस्तु में छात्रों के दृष्टिकोण को मापने के लिए किया जाता है। It is always prepared in odd number points like 3 point rating scale or 5 point rating scale to get a middle measuring point. / यह मध्य बिंदु को मापने के लिए हमेशा 3 अंक रेटिंग स्केल या 5 पॉइंट रेटिंग स्केल जैसे विषम संख्या बिंदुओं में तैयार किया जाता है।
Home task / गृह कार्य	<ul style="list-style-type: none"> Home task refers to the works assigned to the students by the teachers to complete at home. / गृह कार्य का आशय शिक्षकों द्वारा घर पर दिए गए कार्यों को घर पर पूर्ण करना है।
Checklist / जांच सूची	<ul style="list-style-type: none"> The checklist is used to evaluate the record opinions or judgments and to indicate the degree or amount / जांच सूची का उपयोग संग्रहीत राय या निर्णय का मूल्यांकन करने और डिग्री या राशि को इंगित करने के लिए किया जाता है। It consists of a list of items prepared by the teacher to study the relevant problems. / इसमें संबंधित समस्याओं का अध्ययन करने के लिए शिक्षक द्वारा तैयार की गई वस्तुओं की सूची होती है।
Questionnaire/ प्रश्नावली	<ul style="list-style-type: none"> It is widely used in educational evaluation to obtain information about certain qualities and practices. / कुछ गुणों और प्रथाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए शैक्षिक मूल्यांकन में इसका व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। It consists of a series of questions and the students have to fill in their responses. / इसमें प्रश्नों की एक श्रृंखला होती है और छात्रों को अपनी प्रतिक्रियाओं में भरना होता है।

Continuous and Comprehensive Evaluation (CCE) / सतत और व्यापक मूल्यांकन (CCE)

Continuous and Comprehensive Evaluation, commonly known as 'CCE' has been introduced as a school-based system of evaluation by the CBSE in 2009 with the enactment of the Right to Education Act. / सतत और व्यापक मूल्यांकन, प्रायः 'CCE' के रूप में जाना जाता है, CBSE द्वारा 2009 में शिक्षा के अधिकार अधिनियम के अध्यादेश साथ मूल्यांकन के एक विद्यालय आधारित प्रणाली के रूप में पेश किया गया है।

- CCE was introduced by the Central Board of Secondary Education (CBSE) in India to evaluate the student's development in all aspects throughout the academic year on a continuous basis. / इसे एक सतत आधार पर पूरे अकादमिक वर्ष में सभी पहलुओं में छात्र के विकास का मूल्यांकन करने के लिए भारत में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) द्वारा पेश किया गया था।
- The objective of CCE is to make evaluation an integral part of learning through diagnostic and remedial teaching. / CCE का उद्देश्य नैदानिक और उपचारात्मक शिक्षण के माध्यम से मूल्यांकन को अधिगम का अभिन्न अंग बनाना है।
- CCE helps in improving student's performance by identifying his/her learning difficulties at regular time intervals right from the beginning of the academic session and employing suitable remedial measures for enhancing their learning performance. / CCE अकादमिक सत्र की शुरुआत से ही नियमित समय अंतराल पर छात्र के अधिगम की कठिनाइयों की पहचान करके और उनके अधिगम के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए उपयुक्त उपचारात्मक उपायों को नियोजित करके छात्र के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद करता है।

Aims of CCE / CCE के अन्य उद्देश्य

- Emphasizing continuity and regularity of assessment. / मूल्यांकन की निरंतरता और नियमितता पर जोर देना।
- Assessing both scholastic and co-scholastic aspects of a child's growth. / एक बच्चे की वृद्धि के दोनों शैक्षिक और सह-शैक्षिक पहलुओं का आकलन करना।
- Emphasize the thought process and de-emphasize memorization as CCE includes all aspects of students' development. / विचार प्रक्रिया पर जोर देना और स्मृति पर जोर नहीं देना।
- Recording the methods of learning to make the required improvements. / आवश्यक सुधार करने के लिए सीखने के तरीकों को रिकॉर्ड करना।
- Making evaluation an integral part of learning through diagnostic and remedial teaching. / नैदानिक और उपचारात्मक शिक्षण के माध्यम से मूल्यांकन को सीखने का अभिन्न अंग बनाना।
- Evaluating child comprehensively rather than focus only on cognitive or intellectual functioning. / विचार प्रक्रिया को बढ़ाना और संस्मरण पर जोर देना।
- Ensuring all-round development of students including cognitive, psychomotor, and affective domains. / स्कूल में उनकी उपस्थिति के दौरान बच्चे के हर पहलू का मूल्यांकन करना।
- Evaluate every aspect of the child during their presence at the school. / स्कूल में उनकी उपस्थिति के दौरान बच्चे के हर पहलू का मूल्यांकन करना।
- Developing a student's cognitive, psychomotor, and affective domains. / छात्र के संज्ञानात्मक, मनोप्रेरणा और भाव - विषयक क्षेत्र को विकसित करना।

CCE describes two different types of evaluations which include summative and formative assessment/evaluation. / CCE दो अलग-अलग प्रकार के मूल्यांकनों का वर्णन करता है जिसमें योगात्मक और रचनात्मक आकलन/मूल्यांकन शामिल हैं।

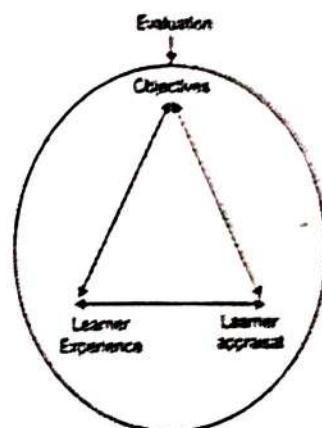
- **"Summative Evaluation"**, commonly known as "Assessment of Learning" is a type of evaluation which / **"योगात्मक मूल्यांकन"**, जिसे आमतौर पर "मूल्यांकन का अध्ययन" के रूप में जाना जाता है, एक प्रकार का मूल्यांकन है जो
 - ♦ Measures, certifies, and reports the level of students' learning by assessing them at the end of the term. / अवधि के अंत में छात्रों का आकलन करके उनके सीखने के स्तर को मापता है, प्रमाणित करता है और रिपोर्ट करता है।
 - ♦ It produces an accurate description of students' potential and achievement to promote them to the next grades. / अगले ग्रेड में छात्रों को बढ़ावा देने के लिए उनकी क्षमता और उपलब्धि का सटीक विवरण तैयार करता है।
 - **"Formative evaluation"**, commonly known as **"Assessment for Learning"** is a type of evaluation which / **"रचनात्मक मूल्यांकन"**, जिसे आमतौर पर **"सीखने के लिए मूल्यांकन"** के रूप में जाना जाता है, एक प्रकार का मूल्यांकन है, जो:
 - ♦ Monitor the child's progress throughout the teaching-learning process and improves students' academic achievements. / शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया में बच्चे की प्रगति की निगरानी करता है और छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों में सुधार करता है।
 - ♦ Diagnoses and removes the learning difficulties of students with appropriate strategies. / उचित रणनीतियों के साथ छात्रों की सीखने की कठिनाइयों का निदान करता है और उन्हें दूर करता है।
- FORMATIVE - 40 PERCENT ; SUMMATIVE - 60 PERCENT

Triangle of Evaluation / मूल्यांकन के त्रिभुज

Evaluation Process depends on Three Pillars / मूल्यांकन प्रक्रिया तीन स्तंभों पर निर्भर करती है:

1. **Educational Objectives:** Objectives may be general or specific.

General objectives include appraising the changes in student behavior, relating measurement to the goals of the instruction, etc. The specific objective includes diagnosing the weaknesses of students, testing the development of skills in students, etc. / **शैक्षिक उद्देश्य:** उद्देश्य सामान्य या विशिष्ट हो सकता है। सामान्य उद्देश्यों में छात्र के व्यवहार में परिवर्तन को शामिल करना, निर्देश के लक्ष्यों से मापन को संबंधित करना आदि शामिल हैं। विशिष्ट उद्देश्य में छात्रों की कमजोरियों का निदान करना, छात्रों में कौशल के विकास का परीक्षण करना आदि शामिल हैं।



2. **Learning Experiences:** These are planned and organized based on the objectives. It refers to any interaction, course, program, or other experience in which learning takes place. / **अधिगम अनुभव:** ये योजनाबद्ध और उद्देश्यों के आधार पर व्यवस्थित होते हैं। यह किसी भी परस्पर क्रिया, पाठ्यक्रम, कार्यक्रम, या अन्य अनुभव को संदर्भित करता है जिसमें शिक्षण होता है।

3. **Learner's appraisal / Tools and Techniques of Evaluation:** It is needed to discover the extent of effectiveness of the experiences at every stage in the learning process to bring out the desired changes in students. It is a continuous process occurring at periodical intervals. / **मूल्यांकन के उपकरण और तकनीक:** छात्रों में वांछित परिवर्तन लाने के लिए शिक्षण प्रक्रिया में हर स्तर पर अनुभवों की प्रभावशीलता की सीमा की खोज करना आवश्यक है। यह समय-समय पर होने वाली एक सतत प्रक्रिया है।

Assessment and Evaluation / आकलन और मूल्यांकन

Assessment / आकलन	<ul style="list-style-type: none"> • It is a wider and qualitative concept than evaluation. / यह मूल्यांकन की तुलना में व्यापक और गुणात्मक अवधारणा है। • It is a process-oriented approach that is used to identify the areas for improvement in the learning process. / यह एक प्रक्रिया उन्मुख दृष्टिकोण है जिसका उपयोग अधिगम की प्रक्रिया में सुधार के लिए क्षेत्रों की पहचान करने के लिए किया जाता है। • It refers to the process of obtaining information about a learner's learning, progress, and achievement. / यह एक शिक्षार्थी के सीखने, प्रगति और उपलब्धि के बारे में जानकारी प्राप्त करने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है।
Evaluation मूल्यांकन	<ul style="list-style-type: none"> • It is a narrow concept as it includes testing, measurement. / यह एक संकीर्ण अवधारणा है क्योंकि इसमें परीक्षण, मापन शामिल है। • It is done to assigning grading or marks to students. / यह छात्रों को ग्रेडिंग या अंक देने के लिए किया जाता है। • It is a product-oriented approach that is used to provide the overall judgment about the learning of the students. / यह एक उत्पाद-उन्मुख दृष्टिकोण है जिसका उपयोग छात्रों के सीखने के बारे में समग्र निर्णय प्रदान करने के लिए किया जाता है। • It is a quantitative estimation of specific changes in children's marks and grades. / यह बच्चों के अंक और ग्रेड में विशिष्ट परिवर्तनों का मात्रात्मक अनुमान है।

Measurement / मापन

Measurement is a process of quantifying the degree to which someone or something possessed a given trait, i.e., quality, characteristics, or features. / मापन उस डिग्री को मापने की एक प्रक्रिया है जिसमें किसी व्यक्ति या किसी चीज में एक विशेषता, अर्थात् गुणवत्ता, विशेषताएं या योग्यताएं होती हैं।

There are mainly four scales of measurement, namely: nominal, ordinal interval, and ratio. / माप के मुख्य रूप से चार पैमाने अर्थात् क्रमिक सूचक, गणनसूचक, अंतराल और अनुपात

1. Ratio Scale / अनुपात पैमाना

- The ratio scale is called the highest scale in measurement. It is the most reliable scale of measurement. / अनुपात पैमाने को मापन में उच्चतम पैमाना कहा जाता है। यह माप का सबसे विश्वसनीय पैमाना है।
- It carries all the characteristics of earlier discussed scales with a true or absolute zero point. / यह पहले चर्चा किए गए पैमानों की सभी विशेषताओं को एक सही या पूर्ण शून्य बिंदु के साथ वहन करता है।
- **Example:** Measurement of height, weight, speed, distance, etc. A distance of 100 meters is exactly twice to 50 meters. / **उदाहरण:** ऊंचाई, वजन, गति, दूरी आदि का मापन। 100 मीटर की दूरी 50 मीटर की ठीक दोगुनी होती है।

2. Nominal Scale / नाममात्र पैमाना

- It classifies people or objects into various categories, classes, or sets. One set or group is assigned one number for a common trait / characteristic among all members of the group / set. / यह लोगों या वस्तुओं को विभिन्न श्रेणियों, वर्गों या समूहों में वर्गीकृत करता है। समूह / समुच्चय के सभी सदस्यों के बीच एक सामान्य विशेषता / लक्षण के लिए एक समुच्चय या समूह को एक नंबर दिया जाता है।
- **Example:** Male and female, assigning numbers like 1 for education, 2 for psychology, 3 for commerce, etc. / **उदाहरण:** पुरुष और महिला शिक्षा के लिए 1, मनोविज्ञान के लिए 2, वाणिज्य के लिए 3 आदि जैसे अंक निर्दिष्ट करना।

3. Ordinal Scale/क्रमसूचक पैमाना

- It ranks people or objects according to the amount of a characteristic they have / यह लोगों या वस्तुओं को उनकी विशेषता की मात्रा के अनुसार क्षेणीबद्ध करता है।
- **Example:** Ranking of learners according to their height from tallest to shortest, or on some trait from most to least or vice versa. / **उदाहरण:** शिक्षार्थियों की रैंकिंग उनकी ऊंचाई के अनुसार सबसे लंबे से सबसे छोटे तक या किसी विशेषता के आधार पर सबसे कम से कम या इसके विपरीत होती है।
- Percentile ranks, age equivalence, or grade equivalence can be used. / प्रतिशत क्षेणी, आयु समकक्ष, या ग्रेड समकक्ष का उपयोग किया जा सकता है।

4. Interval Scale / अंतराल पैमाना

- It ranks people or objects on a scale of equal units. / यह लोगों या वस्तुओं को समान इकाइयों के पैमाने पर क्षेणीबद्ध करता है।
- **Example:** Achievement, performance, IQ score, etc are examples of this measurement. (IQ score of 100 does not mean that this person is two times more intelligent than a person with an IQ score of 50. / **उदाहरण:** उपलब्धि, प्रदर्शन, बुद्धि लब्धि स्कोर आदि इस माप के उदाहरण हैं। (100 बुद्धिलब्धि का मतलब यह नहीं है कि यह व्यक्ति 50 बुद्धिलब्धि स्कोर वाले व्यक्ति की तुलना में दो गुना अधिक बुद्धिमान है।

- The parenting style is the most useful concept that moderates the effectiveness of the child-rearing practices. It changes the child's openness to socialization. / प्राधिकारिक शैली सबसे उपयोगी अवधारणा है, जो बच्चे के पालन-पोषण की प्रथाओं की प्रभावशीलता को नियंत्रित करती है। यह बच्चे के खुलेपन को समाजीकरण में बदल देती है।
- Parenting style alters the parents' capacity to socialize their children by changing the effectiveness of their parenting practices. / प्राधिकारिक शैली माता-पिता की उनके पालन-पोषण प्रथाओं की प्रभावशीलता को बदलकर अपने बच्चों को सामाजिक बनाने की क्षमता को बदल देती है
- Diana Baumrind, a clinical psychologist has proposed the four primary kinds of parenting style to nurture a child effectively. These parenting styles include authoritarian, authoritative, indulgent, and neglectful. / डायना बॉप्रिंड, एक नैदानिक मनोवैज्ञानिक ने एक बच्चे को प्रभावी ढंग से पोषण करने के लिए चार प्राथमिक प्रकार की परवरिश शैली का प्रस्ताव दिया है। इन शैलियों में अधिनायकवादी, कृपालु, भोगवादी और उपेक्षित शामिल हैं।
- Each parenting style has different effects on children's behavior and can be identified by certain characteristics, as well as degrees of responsiveness and demandingness. / प्रत्येक पैरेंटिंग शैली का बच्चों के व्यवहार पर अलग-अलग प्रभाव पड़ता है और इसे कुछ विशेषताओं के साथ-साथ जवाबदेही और मांग की मात्रा से पहचाना जा सकता है।

TYPES OF PARENTING



1. **Authoritarian parenting style** is characterized by high control and low warmth. This parent is the disciplinarian, demanding control and respect and emphasizing obedience. Authoritarian parents are strict and insist that their children follow directions. / अधिनायकवादी पैरेंटिंग शैली में उच्च नियंत्रण और कम सौहार्द की विशेषता है। यह माता - पिता नियमकर्ता है, जो नियंत्रण और सम्मान की मांग करता है और आज्ञाकारिता पर जोर देता है। आधिकारिक माता-पिता सख्त होते हैं और जोर देते हैं कि उनके बच्चे निर्देशों का पालन करें।
2. **Authoritative parents** guide their children through open and honest discussions to teach values and reasoning. Kids who have authoritative parents tend to be self-disciplined and can think for themselves. (High warmth and high control) / अधिनायकवादी माता-पिता अपने

बच्चों को मूल्य और तर्क सिखाने के लिए खुली और ईमानदार चर्चा के माध्यम से मार्गदर्शन करते हैं। जिन बच्चों के आधिकारिक माता-पिता होते हैं वे आत्म-अनुशासित होते हैं और अपने लिए सोच सकते हैं। (उच्च सौहार्द और उच्च नियंत्रण)

3. **Permissive parenting** is categorized as high warmth with low control. This parent gives the child or adolescent a free environment where they can do as they please. / **अनुज्ञापक पैरेंटिंग** को कम नियंत्रण के साथ उच्च गर्मी के रूप में वर्गीकृत किया गया है। यह माता - पिता बच्चे या किशोर को एक स्वतंत्र वातावरण देते हैं जहाँ वे अपनी इच्छानुसार कर सकते हैं।
4. **Neglectful / Permissive parents** have limited engagement with their children and rarely implement rules. They can also be seen as cold and uncaring but not always intentionally, as they are often struggling with their own issues. / **उपेक्षित माता-पिता** का अपने बच्चों के साथ सीमित संबंध होता है और वे शायद ही कभी नियमों को लागू करते हैं। उन्हें निरुत्साह और लापरवाह के रूप में भी देखा जा सकता है, लेकिन हमेशा जानबूझकर नहीं, क्योंकि वे अक्सर अपने स्वयं के मुद्दों से जूझ रहे होते हैं।

Note: Helicopter Parenting: A helicopter parent is a parent who pays extremely close attention to a child's education and problems, particularly at educational institute. / **हेलीकॉप्टर पालन-पोषण:** एक हेलीकॉप्टर माता-पिता होते हैं जो विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थान में बच्चे की शिक्षा और समस्याओं पर अत्यधिक ध्यान देते हैं।

○○○○○

Psycho-Analytical Theory

मनो-विश्लेषणात्मक सिद्धांत

Russian Psychologist Sigmund Freud developed a popular psychodynamic approach to human personality during his clinical practice. It focuses on the unconscious psychological processes that affect human behaviour and explains how childhood plays a crucial role in shaping adult personality. / मनोवैज्ञानिक सिगमंड फ्रायड ने अपने नैदानिक अभ्यास के समय मानव व्यक्तित्व के लिए एक लोकप्रिय मनोगतिक दृष्टिकोण विकसित किया। यह अचेतन मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं पर केंद्रित है, जो मानव व्यवहार को प्रभावित करती है और बताती है कि किस प्रकार बाल्यावस्था वयस्क व्यक्तित्व को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

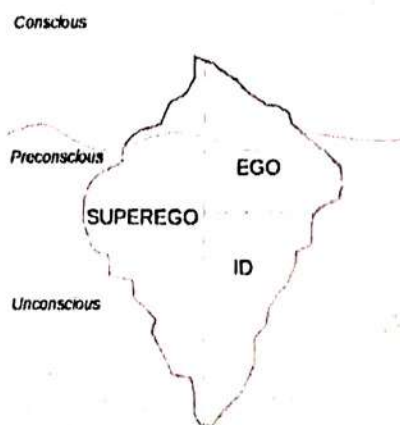


- Sigmund Freud is also known as the Father of Modern Psychology. He developed a therapeutic method called psychoanalysis to gain the unconscious ideas back and make people live with more self-awareness. / सिगमंड फ्रायड को आधुनिक मनोविज्ञान का जनक भी कहा जाता है। उन्होंने अचेतन विचारों को वापस पाने और व्यक्तियों को अधिक आत्म-जागरूकता के साथ जीवन व्यतीत करने के लिए मनोविश्लेषण नामक एक चिकित्सीय पद्धति विकसित की।

Three Levels of Consciousness / चेतना के तीन स्तर

During the research, Freud compared the human mind to an iceberg and divided it into three levels of consciousness as below: / शोध के समय, फ्रायड ने मानव मन की तुलना एक हिमखंड से की और इसे चेतना के तीन स्तरों में विभाजित किया:

- **Conscious:** A level under which a person is aware of his thoughts, feelings, and emotions. / **चेतन मन:** एक स्तर जिसके तहत व्यक्ति अपने विचारों, भावनाओं और संवेगों से अवगत होता है।
- **Preconscious:** A level under which a person gets awareness about his emotions and feelings if he attends it closely. / **अर्द्धचेतन मन:** एक स्तर जिसके तहत एक व्यक्ति अपनी भावनाओं और संवेगों के संबंध में जागरूकता प्राप्त करता है यदि वह इसे निकट से देखता है।
- **Unconscious:** It is a level under which a person is unaware of his mental activities. According to Freud, this level works as the reservoir of all ideas or emotions that are either repressed or hidden from conscious awareness as they might lead to psychological dissension. / **अचेतन मन:** यह एक ऐसा स्तर है जिसके तहत व्यक्ति अपनी मानसिक गतिविधियों से अनभिज्ञ होता है। फ्रायड के अनुसार, यह स्तर उन सभी विचारों या भावनाओं के भंडार के रूप में काम करता है जो या तो दमित हैं या सचेत जागरूकता से छिपे हैं क्योंकि वे मनोवैज्ञानिक असंतोष का कारण बन सकते हैं।



Freud proposed that our personality consists of three elements namely, id, ego, and superego./ फ्रायड ने प्रस्तावित किया कि हमारे व्यक्तित्व में तीन तत्व हैं, अर्थात्, इदम्, अहम् व पराहम्।



Id:

Instincts



Ego:

Reality



Superego:

Morality

- **Id:** This part of personality operates unconsciously. It deals with basic instincts, biological needs, and aggressive impulses. The aim of id is to gratify one's need immediately without considering the moral values of the society and the individual. / **इदम्:** व्यक्तित्व का यह भाग अचेतन रूप से कार्य करता है। यह आधारभूत प्रवृत्ति, जैविक आवश्यकताओं और आक्रामक आवेगों से संबंधित है। इदम् का उद्देश्य समाज और व्यक्ति के नैतिक मूल्यों पर विचार किए बिना तत्काल आवश्यकता को पूरा करना है।
- **Ego:** The part of the personality responsible for the reality check is known as the ego. The ego works on the reality principle, delaying id's gratification until an appropriate and more realistic situation is not found. This part of personality emerges from id and its main objective is to strike a balance between id's impulsive needs and the reality of this world. / **अम:** वास्तविकता की जाँच के लिए जिम्मेदार व्यक्तित्व के हिस्से को अहम् के रूप में जाना जाता है। आईडी वास्तविकता के सिद्धांत पर कार्य करता है, आईडी संतुष्टि में देरी करता है जब तक कि एक उपयुक्त और अधिक यथार्थवादी स्थिति नहीं मिलती है। व्यक्तित्व का यह हिस्सा आईडी से निकलता है और इसका मुख्य उद्देश्य आईडी की आवेगी आवश्यकताओं और इस दुनिया की वास्तविकता के बीच संतुलन बनाना है।
- **Superego:** It is the moral master or moral guru of our personality. It controls the impulsive urges of the id and pursues the ego to choose morally appropriate behavior instead of only realistic behavior. / **पराहम्:** यह हमारे व्यक्तित्व का नैतिक शिक्षक या नैतिक गुरु है। यह आईडी के आवेगी आग्रह को नियंत्रित करता है और केवल यथार्थवादी व्यवहार के बजाय नैतिक रूप से उपयुक्त व्यवहार चुनने के लिए अहम् का पीछा करता है।

Stages of Psycho-Sexual Development / मनोवैज्ञानिक विकास के पांच चरण

Psychosexual Stages of Development / विकास के मनोवैज्ञानिक चरण	Characteristics / विशेषताएँ
Oral stage (Birth to 18 months) / मौखिक चरण (जन्म से 18 महीने)	Over gratification or under gratification may lead to the fixation that results in the development of overeating behaviour, drinking, or smoking in adulthood. / अधिक संतुष्टि या कम संतुष्टि से वह निर्धारण हो सकता है जिसके परिणामस्वरूप वयस्कता में अधिक खाने, शराब पीने या धूम्रपान करने का विकास होता है।

<p>Anal stage (18 months to three years) / गुदा चरण (18 महीने से तीन वर्ष)</p>	<p>Too harsh or too lenient toilet training may cause fixation that results in the development either being messy, lesser self-control but generous or being tidy, orderly but mean. / बहुत कठोर या बहुत हल्का शौचालय प्रशिक्षण निर्धारण का कारण बन सकता है जिसके परिणामस्वरूप विकास या तो गन्दा हो सकता है, कम आत्म-नियंत्रण लेकिन उदार या साफ-सुथरा, व्यवस्थित लेकिन मतलबी हो सकता है।</p>
<p>Phallic stage (Three to five years) / फालिक चरण (तीन से पांच वर्ष)</p>	<p>The successful resolution of these two complexes develops a mature sexual identity. / इन दो परिसरों के सफल समाधान से एक परिपक्व यौन पहचान विकसित होती है।</p> <ul style="list-style-type: none"> • Oedipus complex: Boy's sense of affection for his mother. / ईडिपस कॉम्प्लेक्स: लड़के का अपनी मां के प्रति स्नेह की भावना। • Electra complex: Girl's sense of affection for his father. / इलेक्ट्रा कॉम्प्लेक्स: लड़की का अपने पिता के प्रति स्नेह का भाव।
<p>Latency stage (Six to twelve years) / विलंबता चरण (छह से बारह वर्ष)</p>	<p>The sexual energy during this stage is channelized towards educational, sports, and social activities. This leads to no or little interest in the opposite gender. / इस अवस्था के दौरान यौन ऊर्जा होती है। शैक्षिक, खेलकूद और सामाजिक गतिविधियों की ओर अग्रसर। इससे विपरीत लिंग में कोई दिलचस्पी नहीं है या कम है।</p>
<p>Genital stage (Thirteen years to adulthood) / जननांग चरण (तेरह वर्ष से वयस्कता तक)</p>	<p>Successful completion of previous stages will help in developing a mature intimate relationship with the opposite sex. / पिछले चरणों को सफलतापूर्वक पूरा करने से विपरीत लिंग के साथ एक परिपक्व अंतरंग संबंध विकसित करने में मदद मिलेगी।</p>

○○○○○

Intelligence / बुद्धि

Intelligence is a common word in daily life, which is used in many meanings. During the time of studying personality differences in detail, we will see that two persons are not similar, some are more intelligent and some are dull minded, some are slow and some resolve the problems within few minutes. There are many reasons for personality differences, among which Intelligence is important. Mental ability of a child is affected by his intelligence. / दैनिक जीवन में बुद्धि एक सामान्य शब्द है जिसका प्रयोग कई अर्थों में किया जाता है। व्यक्तिगत भिन्नता का विस्तृत अध्ययन करते समय हम यह देखेंगे कि कोई दो व्यक्ति बिल्कुल समान नहीं होते, कुछ तीव्र बुद्धि के होते हैं तो कुछ मंद बुद्धि के कुछ सुस्त, कुछ समस्याओं को शीघ्र हल कर लेते हैं और कुछ बहुत देर बाद, उनमें परस्पर भिन्नता के कई कारण होते हैं, जिसमें एक बुद्धि महत्वपूर्ण है। बालक की मानसिक योग्यता पर उसकी बुद्धि का प्रभाव पड़ता है।

Two Factor Theory / द्वि-कारक सिद्धांत

Two Factor Theory: Father of this theory is psychologist, Spearman(UK). According to this theory, there are two factors of intelligence, means intelligence can be divided between two parts. / द्वि-तत्वीय या द्विखंड का सिद्धान्त: इस सिद्धान्त के समर्थक मनोवैज्ञानिक स्पीयरमैन हैं। इस सिद्धान्त के अनुसार बुद्धि में दो तत्व होते हैं अर्थात् बौद्धिक योग्यताओं को दो वर्गों में बाँटा जा सकता है।

(a) General Ability or 'G' factor / सामान्य तत्व या योग्यता

(b) Specific Ability or 'S' factor / विशेष तत्व या योग्यता

Intelligence / gfs = $G + S(s_1 + s_2 + s_3 + \dots)$

According to Spearman: Intelligence is the addition of two kinds of strengths. General ability helps a man in all kinds of activities and special ability helps in doing some special work. As-one is intelligent in music or art and other in Maths or Science. For the skillfulness in special activities, 'S' factor is needed. / **स्पीयरमैन के अनुसार:** बुद्धि दो प्रकार की शक्तियों या योग्यताओं का योग है। सामान्य योग्यता व्यक्ति को सभी प्रकार के कार्यों में सहायता करती है और विशेष योग्यता, विशिष्ट कार्यों को करने में सहायता देती है। जैसे कोई संगीत या कला कौशल में प्रवीण होता है, कोई गणित या विज्ञान में - विशेष कार्यों में प्रवीणता विशेष बुद्धि तत्व ('S' Factor) की आवश्यकता होती है।

General factor of intelligence has following characteristic- / बुद्धि के सामान्य तत्व की निम्न विशेषताएँ हैं-

1. It is found in all the factors. / यह तत्व सभी में पाया जाता है।
2. It is innate. / यह जन्मजात होता है।
3. This factor is always equal. / यह तत्व सदा एक समान होता है।
4. There is difference in the general ability of every person. / प्रत्येक व्यक्ति की सामान्य योग्यता में अंतर होता है।

5. The man who has this factor more, he gets more success than other person. / जिस व्यक्ति में यह तत्व अधिक होता है वह दूसरों की अपेक्षा अधिक सफलता प्राप्त करता है।
 6. This factor is more needed in all works of life. / इस तत्व की जीवन के सभी कार्यों में अधिक आवश्यकता होती है।
- Spearman has considered difference in the general ability of man, one who has this factor more, he succeeds more than others. / स्पीयरमैन ने प्रत्येक व्यक्ति की सामान्य योग्यता में अंतर माना है। जिसमें यह तत्व अधिक होता है वह दूसरों की अपेक्षा अधिक सफलता प्राप्त करता है।

These are Characteristic of Specific Factor of Intelligence - / बुद्धि के विशिष्ट तत्व की ये विशेषताएँ हैं-

1. This factor is found in different people in less or more quantity. / यह तत्व भिन्न-भिन्न व्यक्तियों में कम या अधिक मात्रा में होता है।
2. Different kinds of special factor are determined for different activities. / विभिन्न क्रियाओं के लिए विभिन्न प्रकार के विशेष तत्व निर्धारित होते हैं।
3. The person who has more quantity of any special factor, he gets more ability in that. / जिस व्यक्ति में जिस विशेष तत्व की अधिकता होती है, वह उसी में क्षमता प्राप्त करता है।
4. Special factor can be acquired. / विशेष तत्व को अर्जित किया जा सकता है।
5. Different persons have different kinds of special factors. / भिन्न-भिन्न व्यक्तियों में भिन्न-भिन्न प्रकार के विशेष तत्व पाये जाते हैं।

Multiple Intelligence Theory / बहुबुद्धि का सिद्धांत

Howard Gardner is a developmental psychologist who propounded the theory of multiple intelligences. This theory states that intelligence is not confined to a particular area, but rather consists of a variety of factors, rather than dominated by a single factor. / **हॉवर्ड गार्डनर** एक विकासात्मक मनोवैज्ञानिक हैं जिन्होंने बहु-बुद्धि के सिद्धांत का प्रतिपादन किया। इस सिद्धांत में कहा गया है कि बुद्धि एक विशेष क्षेत्र तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें एक कारक के प्रभुत्व के बजाय कई प्रकार के कारक शामिल हैं।



Howard Gardner in his book "Frames of Mind", 1983 proposed The theory of

multiple intelligence. / **हॉवर्ड गार्डनर** ने अपनी पुस्तक "फ्रेम्स ऑफ माइंड", 1983 में द थ्योरी ऑफ मल्टीपल इंटेलिजेंस का प्रस्ताव रखा।

Howard Gardner's theory of multiple intelligences- / **हॉवर्ड गार्डनर का बहु-बुद्धि का सिद्धांत -**

- This theory says that people are not born with their overall intelligence. / यह सिद्धांत कहता है कि लोग अपनी समग्र बुद्धि के साथ पैदा नहीं होते हैं।
- He proposed that the traditional concept of intelligence was too narrow and limited and that IQ tests often ignored other intelligences that a person might have. / उन्होंने प्रस्तावित किया कि बुद्धि कौ पारंपरिक अवधारणा अत्यधिक संकीर्ण और सीमित थी और बुद्धिलब्धि परीक्षणों ने अक्सर अन्य बुद्धि की उपेक्षा की जो एक व्यक्ति के पास हो सकती है।
- This theory split the traditional thought that there is only one type of intelligence, often referred to as the "g" for general intelligence, that deals solely with cognitive abilities. / इस सिद्धांत ने पारंपरिक चिंतन को विभाजित दिया कि केवल एक प्रकार की बुद्धि है, जिसे अक्सर सामान्य बुद्धि के लिए "g" कहा जाता है जो पूरी तरह से संज्ञानात्मक क्षमताओं से संबंधित है।

- Gardner introduced 8 types of intelligence which are linguistic, spatial, bodily-kinesthetic, musical, interpersonal, interpersonal, logical and natural / गार्डनर ने 8 प्रकार की बुद्धि का परिचय दिया जो भाषाई, स्थानिक, शारीरिक गतिशील, संगीतमय, अंतर्व्यक्तिक, अंतर्व्यक्तिक, तार्किक और प्राकृतिक हैं।
1. **Verbal-Linguistic Intelligence:** refers to the ability to use language. It is the capacity to use spoken and written words in a skilled way. Individuals with high verbal/linguistic intelligence are very good at using words and language to express themselves, articulate things, and create. / मौखिक / भाषाई भाषा का उपयोग करने की क्षमता को दर्शाता है। यह बोले गए और लिखित शब्दों का कुशल तरीके से उपयोग करने की क्षमता है। उच्च मौखिक / भाषाई बुद्धि वाले व्यक्ति स्वयं को व्यक्त करने, चीजों को स्पष्ट करने और बनाने के लिए शब्दों और भाषा का उपयोग करने में बहुत अच्छे होते हैं।
 2. **Logical-Mathematical intelligence** is the ability to use logical reasoning and mathematical ability. Individuals high in this intelligence have good abstract reasoning, critical thinking, and good in dealing with numbers. This type of intelligence correlates well with the traditional notion of intelligence. Scientists, engineers, physicists, and economists are people with high logical-mathematical intelligence. / तार्किक तर्क और गणितीय क्षमता का उपयोग करने की क्षमता है। इस बुद्धि में उच्च व्यक्तियों के पास अच्छा अमूर्त तर्क, आलोचनात्मक सोच और संख्याओं से निपटने में अच्छा होता है। इस प्रकार की बुद्धि, बुद्धि की पारंपरिक धारणा के साथ अच्छी तरह से संबंध रखती है। वैज्ञानिक, इंजीनियर, भौतिक विज्ञानी और अर्थशास्त्री उच्च तार्किक गणितीय बुद्धि वाले लोग हैं।
 3. **Musical Intelligence** is the ability to use rhythms, sounds, and patterns to create, compose and perform music. It involves sensitivity to music, and the ability to recognize and manipulate musical patterns. People with high musical intelligence are likely to be singers. / संगीतज्ञ बुद्धि: संगीत बनाने, बनाने और प्रदर्शन करने के लिए लय, ध्वनियों और पैटर्न का उपयोग करने की क्षमता है। इसमें संगीत के प्रति संवेदनशीलता और संगीत के पैटर्न को पहचानने और हेरफेर करने की क्षमता शामिल हैं। उच्च संगीत बुद्धि वाले लोग गायक होने की संभावना रखते हैं।
 4. **Bodily-Kinesthetic Intelligence** is the ability to use and control one's body movements and actions. Dancers and sports persons are usually high in such intelligence. / शरीर-मनोगतिकी: बुद्धि किसी के शरीर की गतिविधियों और कार्यों का उपयोग और नियंत्रण करने की क्षमता है। नर्तक और खिलाड़ी आमतौर पर ऐसी बुद्धि में उच्च होते हैं।
 5. **Visual-Spatial Intelligence** is the capacity to perceive, understand and use spatial and visual information effectively. Such people are good at spatial orientation, forming visual images and patterns. / दृश्य और स्थानिक: स्थानिक और दृश्य जानकारी को प्रभावी ढंग से देखने, समझने और उपयोग करने की क्षमता है। ऐसे लोग स्थानिक अभिविन्यास में अच्छे होते हैं, दृश्य चित्र और पैटर्न बनाते हैं।
 6. **Interpersonal Intelligence** refers to the ability to understand others and social interactions. They can understand the emotions and the perspectives of others and relate well to others. They can establish good interpersonal relationships with others. They have good and effective communication skills. / अंतर व्यक्तिक: से तात्पर्य दूसरों को समझने की क्षमता और सामाजिक अंतः क्रियाओं से है। वे दूसरों की भावनाओं और दृष्टिकोणों को समझ सकते हैं और दूसरों से अच्छी तरह से संबंधित हो सकते हैं। वे दूसरों के साथ अच्छे पारस्परिक संबंध स्थापित कर सकते हैं। उनके पास अच्छा और प्रभावी संचार कौशल है।
 7. **Intrapersonal Intelligence** is the ability to understand oneself and know one's thoughts, emotions, feelings, motives, and desires, and how these influence their behavior. / अंतः वैयक्तिक बुद्धि: स्वयं को समझने और किसी के विचारों, भावनाओं, भावनाओं, उद्देश्यों और इच्छाओं को जानने की क्षमता है और ये उनके व्यवहार को कैसे प्रभावित करते हैं।

8. **Naturalistic Intelligence** is the ability to recognize and understand the various patterns in nature. It includes sensitivity to nature with all its features including flora, fauna, and biodiversity. Gardner has added this eighth type of intelligence to his original seven bits of intelligence. / **प्राकृतिक:** प्रकृति में विभिन्न पैटर्न को पहचानने और समझने की क्षमता है। इसमें वनस्पतियों, जीवों और जैव विविधता सहित इसकी सभी विशेषताओं के साथ प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता शामिल है। गार्डनर ने इस आठवीं प्रकार की बुद्धि को अपनी मूल सात बुद्धि के बिट्स में जोड़ा है।

Triarchic Theory / त्रिकोणीय सिद्धांत

- Sternberg defined human intelligence as the cognitive ability to learn from experience to reason well, to remember important information, and to cope with the demands of daily living. / स्टर्नबर्ग ने मानव बुद्धिमत्ता को अनुभूति से लेकर तर्क तक अच्छी तरह से जानने, महत्वपूर्ण जानकारी को याद रखने और दैनिक जीवन की मांगों का सामना करने की क्षमता के रूप में परिभाजित किया।
- Thus, it involves reasoning, problem-solving ability, knowledge, memory, and successful adaptation to one's surroundings / इस प्रकार, इसमें तर्क, समस्या को सुलझाने की क्षमता, ज्ञान, स्मृति और किसी के परिवेष्टा में सफल अनुकूलन शामिल है।
- He viewed intelligence as to how well an individual deal with environmental changes throughout their life span / उन्होंने देखा कि पूरे जीवन काल में पर्यावरणीय बदलाव की वजह से एक व्यक्ति को व्यवहार पर कितना अच्छा असर होता था।

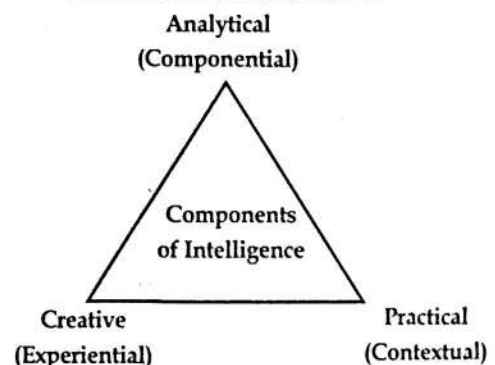


Three Types of Intelligence / तीन प्रकार की बुद्धिमत्ताएँ की बुद्धि

1. Componential or analytical intelligence / विश्लेषणात्मक या घटकीय बुद्धि:

- It refers to the ability to break down the problem into components and analyze things for the problem-solving. / यह समस्या को घटकों में तोड़ने और समस्या के समाधान के लिए चीजों का विश्लेषण करने की क्षमता को संदर्भित करता है।
- It reflects the traditional conceptualization of Intelligence of intelligence and relates more to academic achievement. It is also called as being 'book smart'. They are good at problem-solving and abstract reasoning. / यह बुद्धि की पारंपरिक अवधारणा को दर्शाता है और शैक्षणिक उपलब्धि से अधिक संबंधित है। इसे 'बुक स्मार्ट' कहा जा रहा है। वे समस्या समाधान और अमूर्त तर्क में अच्छे हैं।

STERNBERG'S TRIARCHIC THEORY OF INTELLIGENCE



Analytical intelligence or academic problem-solving skills consists of three components such as metacomponents, performance components, and knowledge acquisition components. / विश्लेषणात्मक बुद्धिमत्ता या अकादमिक समस्या को सुलझाने के कौशल में तीन घटक होते हैं जैसे मेटाकॉम्पनर, प्रदर्शन घटक और ज्ञान अधिग्रहण घटक।

- Meta components are the executive part that controls the other two components. They control and monitor cognitive processing. They tell the performance components of what to do. / मेटा घटक एक कार्यकारी भाग हैं जो अन्य दो घटकों को नियंत्रित करता है। वे संज्ञानात्मक प्रसंस्करण को नियंत्रित और मॉनिटर करते हैं। वे प्रदर्शन घटकों को बताते हैं कि क्या करना है।

- Performance components help in performing a task or solving a problem. Thus it uses attention, coding memory, etc. / प्रदर्शन घटक किसी कार्य को करने या किसी समस्या को हल करने में मदद करते हैं। इस प्रकार यह ध्यान, कोडिंग, मेमोरी आदि का उपयोग करता है।
- Knowledge acquisition components help in acquiring knowledge and use different strategies for it. / ज्ञान अधिग्रहण घटक ज्ञान प्राप्त करने में मदद करते हैं और इसके लिए विभिन्न रणनीतियों का उपयोग करते हैं।

2. Experiential or creative intelligence / अनुभवात्मक या रचनात्मक बुद्धि:

- It refers to new ways of problem solving by engaging in divergent thinking. / यह डाइवर्जेंट सोच में उलझकर समस्या समाधान के नए तरीकों को संदर्भित करता है।
- It uses prior knowledge and experience to come up with new ideas and solve problems. / नए विचारों के साथ आने और समस्याओं को हल करने के लिए पूर्व ज्ञान और अनुभव का उपयोग करता है। It includes two components: Automation and novelty / इसमें दो घटक शामिल हैं: स्वचालन और नवीनता
- Automation: It means some aspects of information processing are automated, they do not require much attention, effort, or energy. They can run parallel to other processes. / स्वचालन: स्वचालन का अर्थ है कि सूचना संसाधन के कुछ पहलू स्वचालित हैं, उन्हें बहुत अधिक ध्यान प्रयास या ऊर्जा की आवश्यकता नहीं है। वे अन्य प्रक्रियाओं के समानांतर चल सकते हैं।

Novelty: This enables the individual to use cognitive resources for coming up with novel/ new ideas. / नवीनता: यह व्यक्ति को नए विचारों के साथ आने के लिए संज्ञात्मक संसाधनों का उपयोग करने में सक्षम बनाता है।

3. Contextual or practical intelligence / संदर्भात्मक / व्यावहारिक बुद्धि:

- It refers to the ability to use the information to function effectively in life. / यह जीवन में प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए सूचना का उपयोग करने की क्षमता को संदर्भित करता है।
- It is also known as 'street smart' or being high on 'common sense'. It is the ability to understand and deal with everyday situations and events successfully. / इसे 'स्ट्रीट स्मार्ट' या 'सामान्य ज्ञान' पर उच्च होने के रूप में भी जाना जाता है। यह रोजमर्रा की स्थितियों और घटनाओं को सफलतापूर्वक समझने और उनसे निपटने की क्षमता है।
- It is the ability to adapt, adjust, and change depending on the contextual requirements. Thus they can handle real life problems. / यह अनुकूलन, समायोजित और बदलने की क्षमता है प्रासंगिक आवश्यकताओं के आधार पर। इस प्रकार वे वास्तविक जीवन की समस्याओं को संभाल सकते हैं।

Primary Mental Abilities / प्राथमिक मानसिक क्षमताएं

Louis Leon Thurstone suggested that intelligence is a composite of seven distinct primary mental abilities (PMA). / लुई लियोन थर्स्टन ने सुझाव दिया कि बुद्धि सात विशिष्ट प्राथमिक बुद्धि योग्यताओं (पीएमए) का एक संयोजन है।

It is also known as the Information processing approach to intelligence as it provides a different dimension of the information. / इसे सूचना प्रसंस्करण दृष्टिकोण के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि यह सूचना का एक अलग आयाम प्रदान करता है।

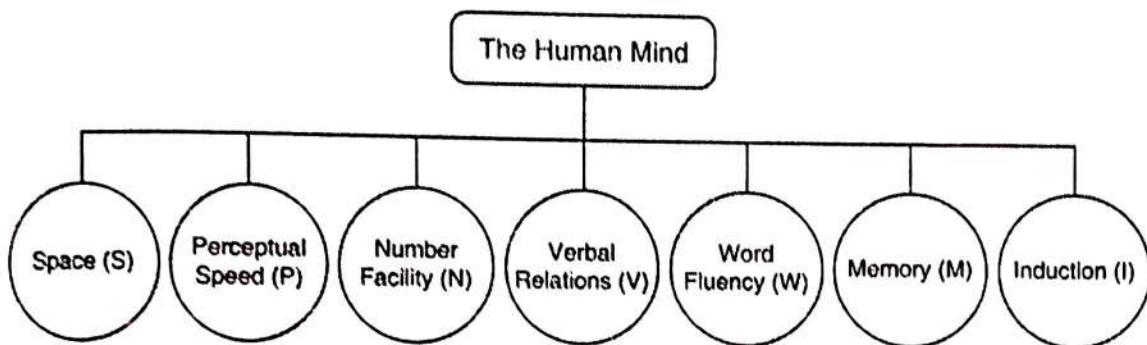
The analysis of interpretation of Spearman's and others' general factor theories led Thurstone to conclude that 'certain' mental operations have in common a 'primary' factor that gives them psychological and functional unity and that differentiates them from other



mental operations. These mental operations then constitute a group. / स्पीयरमैन और अन्य के सामान्य कारक सिद्धांतों की व्याख्या के विश्लेषण ने थर्स्टोन को यह निष्कर्ष निकालने के लिए प्रेरित किया कि 'निश्चित' मानसिक संचालन में एक 'प्राथमिक' कारक होता है जो उन्हें मनोवैज्ञानिक और कार्यात्मक एकता देता है और जो उन्हें अन्य मानसिक संचालन से अलग करता है। ये मानसिक संचालन फिर एक समूह का गठन करते हैं।

The second group of mental operation has its own unifying primary factor, and so on. In other words, there are a number of groups of mental abilities, each of which has its own primary factor, giving the group a functional unity and cohesiveness. Each of these primary factors is said to be relatively independent of the others. / मानसिक संचालन के दूसरे समूह का अपना एकीकृत प्राथमिक कारक है, और इसी तरह। दूसरे शब्दों में, मानसिक क्षमताओं के कई समूह हैं, जिनमें से प्रत्येक का अपना प्राथमिक कारक है, जिससे समूह को एक कार्यात्मक एकता और संसक्ति मिलती है। इन प्राथमिक कारकों में से प्रत्येक को दूसरों के अपेक्षाकृत स्वतंत्र होने के लिए कहा जाता है।

Thurstone has given the following seven primary factors / थर्स्टोन ने निम्नलिखित सात प्राथमिक कारक दिए हैं:



1. **The Number Factor (N)** refers to the ability to do rapid and accurate numerical calculations. / संख्या कारक (N) तेजी से और सटीक संख्यात्मक गणना करने की क्षमता को संदर्भित करता है।
2. **The Verbal Factor (V)** refers to the ability of verbal comprehension. / मौखिक कारक (V) मौखिक समझ की क्षमता को संदर्भित करता है।
3. **The Space Factor / spatial (S)** is involved in a task requiring the manipulation of the imaginary objects in space. / स्पेस कारक (S) खाली स्थान में काल्पनिक वस्तुओं के परिचालन की आवश्यकता वाले एक कार्य में शामिल है।
4. **Memory (M)** involves the ability to memorize quickly. / स्मरणशक्ति (M) में जल्दी याद करने की क्षमता शामिल है।
5. **Word Fluency (W)** refers to the ability to think of isolated words at a rapid rate. / शब्द प्रवाह (W) तेज दर पर अलग-थलग शब्दों के बारे में सोचने की क्षमता को संदर्भित करता है।
6. **Reasoning (R)** refers to the ability to discover a rule or principle involved in a series or groups of letters. / तर्क (R) एक नियम या सिद्धांत को एक श्रृंखला या अक्षरों के समूह में शामिल करने की खोज करने की क्षमता को संदर्भित करता है।
7. **Perceptual Speed (P)** is the ability to note visual details rapidly. / अवधारणात्मक गति (P) दृश्य विवरण को तेजी से नोट करने की क्षमता है।

Based on these factors Thurstone constructed a new test of intelligence known as "Test of Primary Mental Abilities (PMA)." / इन कारकों के आधार पर थर्स्टोन ने "प्राथमिक मानसिक क्षमताओं का परीक्षण (पीएमए)" नामक बुद्धिमत्ता की एक नई परीक्षा का निर्माण किया।

Maslow's Hierarchy / मास्लो का पदानुक्रम

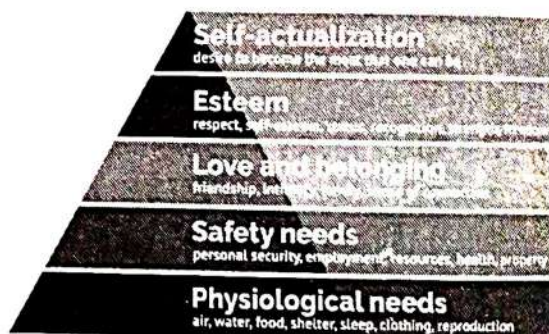
Maslow's hierarchy of needs is a theory in psychology, proposed by Abraham Maslow. Maslow's hierarchy of needs is often portrayed in the shape of a pyramid, with the largest and lowest levels of needs at the bottom, and the need for self-actualization at the top. / मास्लो का आवश्यकताओं का पदानुक्रम मनोविज्ञान में एक सिद्धांत है, जिसे अब्राहम मास्लो द्वारा प्रस्तावित किया गया है। मास्लो के आवश्यकताओं के पदानुक्रम को अक्सर पिरामिड के आकार में चित्रित किया जाता है, जिसमें उच्चतम और निम्नतम स्तर की आवश्यकताएँ होती हैं, और शीर्ष पर आत्म-प्राप्ति की आवश्यकता होती है।



- Maslow's hierarchy of needs is also called "A Theory of Humanistic". / मास्लो के आवश्यकताओं के पदानुक्रम को "मानवतावादी सिद्धांत" भी कहा जाता है।
- He described our needs in increasing order. / उन्होंने हमारी आवश्यकताओं को बढ़ते क्रम में वर्णित किया है।
- Maslow's humanistic theory of personality states that people achieve their full potential by moving from basic needs to self-actualization. / मास्लो के व्यक्तित्व के मानवतावादी सिद्धांत में कहा गया है कि लोग बुनियादी आवश्यकताओं से आत्म - बोध की ओर बढ़ते हुए अपनी पूरी क्षमता को हासिल करते हैं।

The five needs are as follows / पाँच आवश्यकताएँ इस प्रकार हैं:

1. **Physical Physiological Needs:** These needs pertain to the basic things necessary for survival that are hunger, thirst, shelter, etc. Human beings initially try to satisfy this need and once it is fulfilled, this need ceases to satisfy them. For example: Food, Sleep, and Water. / **शारीरिक आवश्यकताएँ:** ये आवश्यकताएँ जीवित रहने के लिए आवश्यक बुनियादी चीजों से संबंधित हैं, जो भूख, प्यास, आश्रय आदि हैं। मनुष्य शुरू में इस आवश्यकता को पूरा करने का प्रयास करता है और एक बार इनके पूरा हो जाने के बाद, यह आवश्यकता उन्हें संतुष्ट करने के लिए समाप्त हो जाती है। उदाहरण के लिए: भोजन, नींद और पानी।



2. **Security Needs:** These needs talk about the job security or safety at the workplace that further provides a sense of psychological security to human beings. Maslow here talks about both physical and emotional safety and he opines that once the safety and security needs are ensured, they no longer motivate human beings. / **सुरक्षा आवश्यकताएँ:** ये जरूरतें कार्यस्थल पर नौकरी की सुरक्षा या रक्षा के बारे में बात करती हैं, जो आगे चलकर मनुष्य को मनोवैज्ञानिक सुरक्षा की भावना प्रदान करती हैं। मास्लो यहां शारीरिक और भावनात्मक सुरक्षा दोनों के बारे में बात करते हैं और उनका मत है कि एक बार सुरक्षा और रक्षा की जरूरतें सुनिश्चित हो जाने के बाद, वे अब मनुष्यों को प्रेरित नहीं करती हैं।

3. **Social Needs:** These needs represent the relationships between and among groups of people working in the organization. These needs provide emotional security to the people and also a sense of belongingness and association. Man is a social animal and likes to be friendly with others and if these needs are not met, the employee becomes resistant and hostile. / **सामाजिक आवश्यकताएँ:** ये आवश्यकताएँ संगठन में काम करने वाले लोगों के समूहों के बीच संबंधों का प्रतिनिधित्व करती हैं। ये आवश्यकताएँ लोगों को भावनात्मक सुरक्षा प्रदान करती हैं और अपनेपन और जुड़ाव की भावना भी प्रदान करती हैं। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और दूसरों के साथ मित्रता करना पसंद करता है और यदि ये आवश्यकताएँ पूरी नहीं होती हैं, तो कर्मचारी प्रतिरोधी और शत्रुतापूर्ण हो जाता है।
4. **Esteem needs:** These needs are those needs where human beings strive for power, achievement, and status. Esteem here denotes both self-esteem and esteem from others. / **सम्मान की आवश्यकताएँ:** ये आवश्यकताएँ वे आवश्यकताएँ हैं जहाँ इंसान सत्ता, उपलब्धि और हैसियत के लिए प्रयास करता है। यहाँ सम्मान दूसरों से आत्मसम्मान और सम्मान दोनों को दर्शाता है।
5. **Self-actualization need:** This need represents what we are capable of becoming, which would be our greatest achievement. / **आत्म-साक्षात्कार की आवश्यकताएँ:** यह आवश्यकताएँ दर्शाती है कि हम क्या बनने में सक्षम हैं, जो हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

- Physiological, security, social, and esteem needs are deficiency needs (also known as D-needs), meaning that these needs arise due to deprivation. Satisfying these lower-level needs is important in order to avoid unpleasant feelings or consequences. / शारीरिक, सुरक्षा, सामाजिक, और सम्मान की जरूरतें कमी की आवश्यकताएँ हैं (जिसे D - आवश्यकताएँ भी कहा जाता है), जिसका अर्थ है कि ये आवश्यकताएँ अभाव के कारण उत्पन्न होती हैं। अप्रिय भावनाओं या परिणामों से बचने के लिए इन निचले स्तर की आवश्यकताओं को पूरा करना महत्वपूर्ण है।
- Maslow termed the highest level of the pyramid as growth needs (also known as being needs or B-needs) / मास्लो ने पिरामिड के उच्चतम स्तर को विकास की आवश्यकताएँ (जिन्हें B-आवश्यकताओं के रूप में भी जाना जाता है) कहा।
- Growth needs do not stem from a lack of something, but rather from a desire to grow as a person. / वृद्धि की आवश्यकताएँ किसी चीज की कमी से नहीं, बल्कि एक व्यक्ति के रूप में विकसित होने की इच्छा से होती है।

○○○○○

NEP - 2020

- NEP 2020 is the third education policy in the history of independent India after the policy of 1968 and the second policy of 1986. / एनईपी 2020 1968 की नीति और 1986 की दूसरी नीति के बाद स्वतंत्र भारत के इतिहास में तीसरी शिक्षा नीति है।
- **NEP 2020** was drafted by the committee headed by former **ISRO Chairman K. Kasturirangan**. / **NEP 2020** का मसौदा इसरो के पूर्व अध्यक्ष के. कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा तैयार किया गया था।
- This National Education Policy 2020 is the first education policy of the 21st century and aims to address the many growing developmental imperatives of our country. This policy replaced the 34-year-old National Policy on Education (NPE), 1986. / राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, 21वीं सदी की पहली शिक्षा नीति है और इसका उद्देश्य हमारे देश की कई बढ़ती विकासात्मक अनिवार्यताओं को संबोधित करना है। इस नीति ने 34 वर्षीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NPE), 1986 का स्थान लिया है।
- As per NPE 2020, learning should be holistic, integrated, enjoyable, and engaging. Therefore, the current 10+2 system is to be replaced by a four-stage 5+3+3+4 structure. / एनपीई 2020 के अनुसार, सीखना समग्र, एकीकृत, सुखद और आकर्षक होना चाहिए। इसलिए, वर्तमान 10 + 2 प्रणाली को चार चरण 5 + 3 + 3 + 4 संरचना द्वारा प्रतिस्थापित किया जाना है।
- National Education Policy 2020 lays emphasis on conceptual understanding and improving educational outcomes so that children can implement the acquired knowledge and skills in real-life. / राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 वैचारिक समझ और शैक्षिक परिणामों में सुधार पर जोर देती है ताकि बच्चे अर्जित ज्ञान और कौशल को वास्तविक जीवन में लागू कर सकें।



Reforms of NEP 2020 include / NEP 2020 के सुधारों में निम्न शामिल

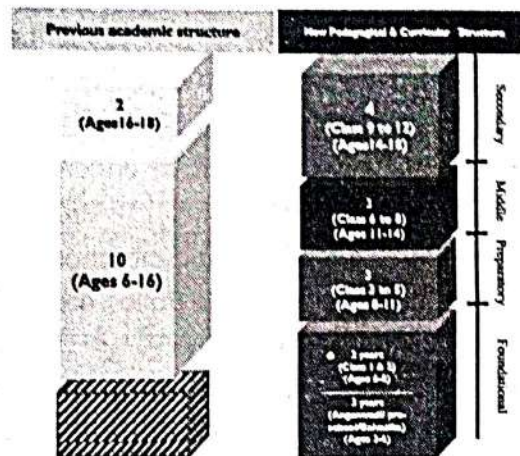
- Equitable and inclusive education - Special emphasis is given to Socially and Economically Disadvantaged Groups (SDGs). / समान और समावेशी शिक्षा सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समूहों (SDG) पर विशेष जोर दिया जाता है।
- Ensuring Universal Access at All Levels of schooling from pre-primary school to Grade 12. / पूर्व प्राथमिक विद्यालय से कक्षा 12 तक स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करना।
- New Curricular and Pedagogical structure (5+3+3+4) / नई पाठ्यचर्या और शैक्षणिक संरचना (5+3+3+4)
- Setting up of State School Standards Authority (SSSA). / राज्य स्कूल मानक प्राधिकरण (SSSA) की स्थापना।

Curricular and pedagogical structure / शिक्षा की पाठ्यचर्या और शैक्षणिक संरचना

- The curricular and pedagogical structure of school education will be reconfigured to make it responsive and relevant to the developmental needs and interests of learners at different stages

of their development, corresponding to the age ranges of 3-8, 8-11, 11-14, and 14-18 years, respectively. / स्कूली शिक्षा की पाठ्यचर्या और शैक्षणिक संरचना को उनके विकास के विभिन्न चरणों में शिक्षार्थियों की विकास संबंधी आवश्यकताओं और हितों के प्रति संवेदनशील और प्रासंगिक बनाने के लिए पुनर्गठित किया जाएगा, जो 3-8, 8-11, 11-14 की आयु सीमा के अनुसार है। और क्रमशः 14-18 साल।

- The curricular and pedagogical structure and the curricular framework for school education will therefore be guided by a 5+3+3+4 design, consisting of the: / पाठकीय और शैक्षणिक संरचना और स्कूली शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम ढाँचे को 5 + 3 3 4 डिजाइन द्वारा निर्देशित किया जाएगा, जिसमें निम्न शामिल हैं:



- Foundational (3 years of preschool + Grades 1-2):** The Foundational Stage will consist of play/activity-based learning. It will also include a focus on good behavior, courtesy, ethics, personal and public hygiene/cleanliness, teamwork, cooperation, etc. / बुनियादी (पूर्वस्कूली के 3 साल + कक्षा 1-2): बुनियादी चरण में खेल / गतिविधि - आधारित शिक्षा शामिल होगी। इसमें अच्छे व्यवहार, शिष्टाचार, नैतिकता, व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वच्छता / स्वास्थ्य, समूह कार्य, सहयोग आदि पर ध्यान देना भी शामिल होगा
- Preparatory Grades (3-5):** The Preparatory Stage will transition gradually from play-based learning to more formal but interactive classroom learning, with the introduction of some (light) textbooks, in order to lay a solid groundwork across subjects, including reading, writing, speaking physical education, art, languages, science, and mathematics. / आरंभिक स्तर (3-5): आरंभिक स्तर धीरे - धीरे खेल - आधारित शिक्षा से अधिक औपचारिक लेकिन संवादात्मक कक्षा शिक्षण में परिवर्तित हो जाएगा, जिसमें कुछ (हल्की) पाठ्यपुस्तकें शामिल होंगी, ताकि पढ़ने सहित सभी विषयों जैसे लेखन, बोलना, शारीरिक शिक्षा, कला, भाषा, विज्ञान और गणित पर एक मूर्त आधार तैयार किया जा सके।
- Middle Grades (6-8):** The Middle Stage will see the introduction of subject teachers for learning/discussion of the more abstract concepts in each subject that students will be ready for at this stage, across the sciences, mathematics, arts, social sciences, and humanities. / मध्य कक्षा (6-8): मध्य चरण में प्रत्येक विषय में अधिक अमूर्त अवधारणाओं के सीखने / चर्चा के लिए विषय शिक्षकों की शुरुआत देखी जाएगी, जिसके लिए छात्र इस स्तर पर विज्ञान, गणित, कला, सामाजिक और मानविकी क्षेत्र में तैयार होंगे।
- High school Grades (9-12):** In two phases, i.e. 9 and 10 in the first and 11 and 12 in the second stages respectively, with an option of exiting at Class 10 and re-entering in the next phase:- The High School (or Secondary) Stage will comprise of four years of multidisciplinary study, building on the subject-oriented pedagogical and curricular style of the Middle Stage, but with greater depth, greater critical thinking, greater attention to life aspirations, and greater flexibility and student choice. / उच्च स्कूल कक्षा (9-12): दो चरणों में, अर्थात पहले में 9 और 10 और दूसरे में 11 और 12) चरण, कक्षा 10 से बाहर निकलने और अगले चरण में फिर से प्रवेश करने के विकल्प के साथ:- हाई स्कूल (या माध्यमिक) चरण में चार साल का बहु-विषयक अध्ययन शामिल होगा, मध्य चरण की विषय- उन्मुख शैक्षणिक और पाठ्यचर्या शैली पर निर्माण, लेकिन अधिक गहनता के साथ, अधिक महत्वपूर्ण सोच, जीवन की आकांक्षाओं पर अधिक ध्यान और अधिक लचीलापन और छात्र की पसंद।

Fundamental principles of the NEP 2020 / NEP 2020 के मौलिक सिद्धांत

Full equity and inclusion as the cornerstone of all educational decisions to ensure that all students are able to thrive in the education system. / यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी छात्र शिक्षा प्रणाली में आगे बढ़ने में सक्षम हैं, सभी शैक्षिक निर्णयों की आधारशिला के रूप में पूर्ण निष्पक्षता एवं समावेशन करना।

- It includes the overall development of the learner, it covers all three aspects as Cognitive domain, affective domain, and psychomotor domain. / इसमें नेता का समग्र विकास शामिल है, इसमें संज्ञानात्मक पक्ष, भावात्मक पक्ष और संवेदीगामक पक्ष के रूप में सभी तीन पहलू शामिल हैं।
- Emphasis on conceptual understanding rather than rote learning and learning-for-exams. / रटकर सीखने और परीक्षा के लिए सीखने के बजाय वैचारिक समझ पर जोर दें।
- Assessment of the students should be done by using different methods, by different activities including role play, portfolios, etc. / छात्रों का मूल्यांकन विभिन्न विधियों का उपयोग करके, विभिन्न गतिविधियों द्वारा किया जाना चाहिए, जिसमें भूमिका निभाना, पोर्टफोलियो आदि शामिल हैं।
- Promoting self-assessment and the peer assessment done by the student in the classroom. / में छात्र द्वारा किए गए स्व-मूल्यांकन और सहयोगी मूल्यांकन को बढ़ावा देना।
- Respect for diversity and respect for the local context in all curriculum, pedagogy, and policy, always keeping in mind that education is a concurrent subject. / विविधता का सम्मान और सभी पाठ्यक्रम, शिक्षाशास्त्र और नीति में स्थानीय संदर्भ के लिए सम्मान, हमेशा ध्यान में रखते हुए कि शिक्षा एक समवर्ती विषय है।
- Establishment of the linkage of the concepts with the environment or we can say that the linkage of the school with the home. / संकल्पनाओं का पर्यावरण के साथ जुड़ाव स्थापित करना या हम कह सकते हैं कि विद्यालय का घर से जुड़ाव स्थापित करना है।
- Promoting multilingualism and the power of language in teaching and learning. / बहुभाषावाद और शिक्षण और सीखने में भाषा की शक्ति को बढ़ावा देना।
- Creativity and critical thinking encourage logical decision-making and innovation. / रचनात्मकता और आलोचनात्मक चिंतन तार्किक निर्णय लेने और नवाचार को प्रोत्साहित करते हैं।
- It emphasizes group work as well as individual work, NEP 2020 links the study to the curriculum. / यह समूह के काम के साथ-साथ व्यक्तिगत काम पर जोर देता है, एनईपी 2020 अध्ययन को पाठ्यचर्या से जोड़ता है।

Progress Card / प्रगति कार्ड

The progress card of all students for school-based assessment, which is communicated by schools to parents, will be completely redesigned by States/UTs under guidance from the proposed National Assessment Centre, NCERT, and SCERTs. / स्कूल-आधारित मूल्यांकन के लिए सभी छात्रों के प्रगति कार्ड, जिससे स्कूलों द्वारा अभिभावकों को सूचित किया जाता है, को प्रस्तावित राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र, NCERT और SCERT के मार्गदर्शन में राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा पूरी तरह से नया रूप दिया जाएगा।

- The progress card will be a holistic, 360-degree, multidimensional report that reflects in great detail the progress as well as the uniqueness of each learner in the cognitive, affective, and psychomotor domains. / प्रगति कार्ड एक समग्र, 360 डिग्री, बहुआयामी रिपोर्ट होगी जो संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरणा क्षेत्र में प्रत्येक शिक्षार्थी की प्रगति के साथ-साथ विशिष्टता को बहुत विस्तार से दर्शाती है।
- It will include self-assessment and peer assessment, and progress of the child in project-based and inquiry-based learning, quizzes, role plays, group work, portfolios, etc., along with teacher

assessment. / इसमें शिक्षक मूल्यांकन के साथ स्व-मूल्यांकन और सहकर्मी मूल्यांकन, और परियोजना- आधारित और पूछताछ - आधारित अधिगम, प्रश्नोत्तरी भूमिका निर्वहन, समूह कार्य, पोर्टफोलियो इत्यादि में बच्चे की प्रगति शामिल होगी।

- The holistic progress card will form an important link between home and school and will be accompanied by parent-teacher meetings in order to actively involve parents in their children's holistic education and development. / समग्र प्रगति कार्ड घर और स्कूल के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी का निर्माण करेगा और माता-पिता- शिक्षक बैठकों के साथ होगा ताकि माता-पिता अपने बच्चों की समग्र शिक्षा और विकास में सक्रिय रूप से शामिल हो सकें।
- NPE 2020 does not focus on summative assessment rather it focuses on continuous and comprehensive assessment. / NPE 2020 योगात्मक आकलन पर ध्यान केंद्रित नहीं करती है बल्कि यह सतत और व्यापक मूल्यांकन पर केंद्रित है।
- Under NEP 2020, **PARAKH** is a new national assessment platform. It will assess students' learning and help them to analyze their strengths, weaknesses, gaps, and potential. / NEP 2020 के तहत, चतुर् (परख) एक नया राष्ट्रीय आकलन मंच है। यह छात्रों के अधिगम का आकलन करेगा और उनकी क्षमताओं, कमजोरियों, अंतरालों और क्षमताओं का विश्लेषण करने में उनकी मदद करेगा
- **PARAKH (Performance Assessment, Review and Analysis of Knowledge for Holistic Development)**
- **Flexible curricular structures:** It will enable creative combinations of disciplines for study and would offer multiple entries and exit points, thus removing currently prevalent rigid boundaries and creating new possibilities for life-long learning. / लचीली पाठ्यचर्या संरचनाएं: लचीली पाठ्यचर्या संरचनाएं अध्ययन के लिए विषयों के रचनात्मक संयोजन को सक्षम करेंगी और कई प्रविष्टियां और निकास बिंदु प्रदान करेंगी, इस प्रकार वर्तमान में प्रचलित कठोर सीमाओं को हटाकर जीवन भर सीखने की नई संभावनाएं पैदा करेंगी।
- The aim of equity and inclusion is now at the heart of the new NEP so the classroom should be inclusive./ समानता और समावेशन का उद्देश्य अब नए छद्म के केंद्र में है, इसलिए कक्षा को समावेशी होना चाहिए।
- Exposure to vocational education in school and higher education system. / स्कूल और उच्च शिक्षा प्रणाली में व्यावसायिक शिक्षा तक पहुंच।
- Focus on Formative and Diagnostic Assessment. / रचनात्मक और निदानात्मक आकलन पर ध्यान दें।
- Setting up multidisciplinary education and research universities (MERUS). / बहु-विषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालयों (MERUS) की स्थापना।
- Setting up of National Research Foundation (NRF). / राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान (NRF) की स्थापना। Multidisciplinary approach and focus on creative and divergent thinking. / बहु-विषयक दृष्टिकोण और रचनात्मक और अपसारी सोच पर ध्यान केंद्रित करना।
- A National Educational Technology Forum (NETF) has been created where the e-courses will be developed in regional languages and virtual labs will be developed. / एक राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मंच (NETF) बनाया गया है जहां क्षेत्रीय भाषाओं में ई- पाठ्यक्रम विकसित किए जाएंगे और आभासी प्रयोगशालाएं विकसित की जाएंगी।
- Thus we can consider that holistic development, experimental learning, reduction in curriculum content, and multilingualism are the main features of the NEP 2020. / अतः हम विचार कर सकते हैं कि समग्र विकास, अनुभवात्मक शिक्षा, पाठ्यचर्या विषयवस्तु में कटौती, और बहुभाषावाद NEP 2020 की मुख्य विशेषताएं हैं।

RTE - 2009

R.T.E. 2009 (The Right of Children to Free and Compulsory Education Act 2009) / आर.टी.ई. 2009 (निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009)

Objective/Aim: Providing free and compulsory education to children from 6 to 14 years of age. & Universalisation of Education. / **उद्देश्य / उद्देश्य:** 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा प्रदान करना। और शिक्षा का सार्वभौमीकरण।

- **Passed from Rajaya sabha:** 20 July 2009 / **राज्य सभा से पारित:** 20 जुलाई 2009
- **Passed from Lok Sabha:** 04 August 2009 / **लोकसभा से पारित:** 04 अगस्त 2009
- **Signed by President:** 26 August 2009 / **राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षरित :** 26 अगस्त 2009
- **Enforcement / Implemented all over India from:** 01 April 2010 (Except was:- jammu & Kashmir) / **प्रवर्तन / पूरे भारत में लागू किया गया:** 01 अप्रैल 2010 से (सिवाय था : जम्मू और कश्मीर)
- **President :** Smt. Pratibha Devi singh Patil / **राष्ट्रपति:** श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल
- **Prime Minister:** Shri Manmohan Singh / **प्रधान मंत्री:** श्री मनमोहन सिंह
- **HRD Minister:** Kapil sibbal / **मानव संसाधन विकास मंत्री:** कपिल सिब्बल
- **Classified:** in 1 Schedule, 7 chapter, & 38 sections. / **वर्गीकृत किया गया:** 1 अनुसूची, 7 अध्याय और 38 धारा / अनुच्छेदों में।
- India has become the 135th country to implement RTE. / **भारत आरटीई लागू करने वाला 135वां देश बन गया है।**

Chapter 1 / अध्याय 1

Preliminary (Section 1 & 2) / प्रारंभिक (धारा 1 और 2)

- **Section 01:** The section mentions the name of the Act "Right of Children to Free and Compulsory Education Act, 2009." / **धारा 01:** अनुभाग में अधिनियम के नाम का उल्लेख है "बच्चों का निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009"
- The Act will not be applicable to Vedic schools, Madarsas, Christian missionaries and religious educational institutions. / यह अधिनियम वैदिक स्कूलों, मदरसों, ईसाई मिशनरियों और धार्मिक शिक्षण संस्थानों पर लागू नहीं होगा।
- The implementation of the Act is also described in this Section. / इस धारा में अधिनियम के कार्यान्वयन का भी वर्णन किया गया है।
- **Section 02:** Definition of Various terminology like: Appropriate Government, Children, Weaker Sections, Elementary Education, Disadvantage Child, Schools, National Commission for Child Protection, Monitoring Process, Local Bodies / **धारा 02:** विभिन्न शब्दावली की परिभाषा जैसे: समुचित, सरकार, बच्चे, कमजोर वर्ग, प्रारंभिक शिक्षा, अलाभावित / वंचित बालक, विद्यालय, राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग, निगरानी प्रक्रिया, स्थानीय निकाय आदि की परिभाषा।
 - (a) **Appropriate Government:** Means, State govt, Central Govt, & State Governments of Union Territories with Assemblies (like Delhi, puducheri) / **समुचित सरकार:** का अर्थ है, राज्य सरकार, केंद्र सरकार, और विधानसभाओं के साथ केंद्र शासित प्रदेशों की राज्य सरकारें (जैसे दिल्ली, पुडुचेरी)
 - (b) **Children:** Means Every child (Boy & girl) from 6 to 14 years of age. / **बालक:** का अर्थ है 6 से 14 वर्ष की आयु का प्रत्येक बच्चा (लड़का और लड़की)।

- (c) **Weaker Sections:** Means Children whose parents annual income of is Less than Rs. 2.50 lakh or less than the income notified by the appropriate government. / **दुर्बल वर्ग:** का अर्थ ऐसे बच्चे हैं जिनके माता-पिता की वार्षिक आय रुपये से कम है। 2.50 लाख या उपयुक्त सरकार द्वारा अधि सूचित आय से कम।
- (d) **Elementary Education:** Means Education from class 1 to class 8. / **प्रारंभिक शिक्षा:** का अर्थ / कक्षा 1 से कक्षा 8 तक की शिक्षा से है।
- (e) **Disadvantage Child:** Means The child who S.C, S.T. O.B.C. Belongs to class, orphans Children, children whose parents suffer from cancer, HIV, etc. / **अलाभान्वित बालक:** का अर्थ है वह बच्चा जो एस.सी., एस.टी. ओ.बी.सी. वर्ग से संबंधित, अनाथ बच्चे, वे बच्चे जिनके माता-पिता कैंसर, एचआईवी आदि से पीड़ित हैं।
- (f) **Schools:** Schools from 1 to 8 are Classified in 4 categories.- 1) Government Schools 2) Aided Schools, 3) Private Schools 4) Special Schools (KVS, NVS, National military schools) / **विद्यालय:** 1 से 8 तक के स्कूल 4 श्रेणियों में वर्गीकृत हैं। - 1) सरकारी स्कूल 2) सहायता प्राप्त स्कूल, 3) निजी स्कूल 4) विशेष स्कूल (केवीएस, एनवीएस, राष्ट्रीय सैन्य स्कूल)
- (g) **National Commission for Child Protection:** National Commission constituted under Section 3 of the Commission for Protection of Child Rights Act, 2005 (State commission constituted under Section 17 of the Commission for Protection of Child Rights Act, 2005) / **राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग:** राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम, 2005 की धारा 3 के तहत गठित (राज्य आयोग बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम, 2005 की धारा 17 के तहत गठित)

Chapter : 2 / अध्याय: 2

Right to Free & Compulsory Education (From Section 03 to 05) / मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (धारा 03 से 05 तक)

- **Section 03:** Children in the age group of 6 to 14 years will have the right to free and compulsory education. / **धारा 03:** आर.टी.ई. 2009 (बच्चों का मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009)
- **Section 04:** Children outside the school who are unenrolled will be admitted to the appropriate class as per their age and the previous education will be completed in the same year in a "proper manner". Eg.: Children in the age group of 10 years will be admitted in Class 5. (Because in class 1 admission begin with age of 6 years.) / **धारा 04:** विद्यालय से बाहर के जिन बच्चों का नामांकन नहीं हुआ है, उन्हें उनकी आयु के अनुसार उपयुक्त कक्षा में प्रवेश दिया जायेगा और पूर्व की शिक्षा उसी वर्ष "उचित तरीके से" पूर्ण कर ली जायेगी। उदाहरण: 10 वर्ष की आयु के बच्चों को कक्षा 5 में प्रवेश दिया जाएगा (क्योंकि कक्षा 1 में प्रवेश 6 वर्ष की आयु से शुरू होता है।)
- **Section 05:** When the children leave school, they will have to give transfer certificate Immediately and the Principal will be the responsibility for it. / **धारा 05:** जब बच्चे विद्यालय छोड़ते हैं तो उन्हें तत्काल स्थानांतरण प्रमाण पत्र देना होगा और इसकी जिम्मेदारी प्रधानाध्यापक की होगी।

Chapter: 3 / अध्याय: 3

Duties of Appropriate Government, local Authorities and Parents (Section 6 to 11) / उपयुक्त सरकार, स्थानीय अधिकारियों और माता-पिता के कर्तव्य (धारा 6 से 11)

- **Section 06:** Within 3 years of the enactment of the Act, the appropriate Government and local authorities will set up the school within their jurisdiction. / **धारा 06 :** अधिनियम के लागू होने के 3 साल

के भीतर, उपयुक्त सरकार और स्थानीय प्राधिकरण अपने अधिकार क्षेत्र में स्कूल स्थापित करेंगे। Primary schools will be set up within 1 km and upper primary schools within 3 km. / प्राथमिक विद्यालय 1 किमी के भीतर और उच्च प्राथमिक विद्यालय 3 किमी के भीतर स्थापित किए जाएंगे।

- **Section 07:** There is a mention of expenditure of the State and Central Governments. The ratio expenditure of Central and State Governments with effect from 1st April 2018 is 60:40 respectively. / **धारा 07:** इसमें राज्य व केन्द्र सरकार के व्यय का उल्लेख है। 1 अप्रैल 2018 से केंद्र और राज्य सरकारों का अनुपात व्यय क्रमशः 60:40 है।
- The ratio of expenditure of Centre and States for North Eastern States (including Uttarakhand and Himachal Pradesh) will be 90:10 respectively. / पूर्वोत्तर राज्यों (उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश सहित) के लिए केंद्र और राज्यों के व्यय का अनुपात क्रमशः 90:10 होगा।
- **Section 08:** Mention of duties of the appropriate Government. / **धारा 08:** समुचित सरकार के कर्तव्यों का उल्लेख।
- **Section 09:** Mention of duties of the Local Authorities. / **धारा 09:** स्थानीय अधिकारियों के कर्तव्यों का उल्लेख।
- **Section 10:** Duties of parents, parents and guardians. / **धारा 10:** माता-पिता, माता-पिता और अभिभावकों के कर्तव्य।
- **Section 11:** There is a provision by the Government to open Anganwadi and Nandan Ghars for pre-primary education. / **धारा 11:** सरकार द्वारा पूर्व प्राथमिक शिक्षा के लिए आंगनबाड़ी और नंदनघर खोलने का प्रावधान है।

Chapter 4 / अध्याय 4

Responsibilities of Schools & Teachers (Section 12 to 28) / स्कूलों और शिक्षकों की जिम्मेदारी (धारा 12 से 28)

- **Section 12:** 25% of the total seats in schools from class I to VIII will be reserved for poor, weaker sections, inconvenienced, deprived sections and disadvantaged children. (for free education) Their fees will be reimbursed by the appropriate government. / **धारा 12:** कक्षा एक से आठवीं तक के विद्यालयों में कुल सीटों का 25% गरीब, कमजोर वर्ग, असुविधा, वंचित वर्ग और वंचित बच्चों के लिए आरक्षित रहेगा। (मुफ्त शिक्षा के लिए) उनकी फीस की प्रतिपूर्ति उपयुक्त सरकार द्वारा की जाएगी।
- **Section 13:** No admission fee, capitation fee entrance test or screening test will be charged from any child and the monitoring process will be prohibited. / **धारा 13 :** किसी भी बच्चे से कोई प्रवेश शुल्क, कैपिटेशन शुल्क प्रवेश परीक्षा या स्क्रीनिंग टेस्ट नहीं लिया जाएगा और निगरानी प्रक्रिया निषिद्ध होगी।
- There will be a fine of 10 times the fee charged for charging admission fee and a fine of Rs. 25,000 will be imposed on taking the entrance test. / प्रवेश शुल्क वसूलने पर लगने वाली फीस का 10 गुना जुर्माना और 10 हजार रुपये जुर्माना होगा। प्रवेश परीक्षा देने पर 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।
- **Section 14:** Children will not be denied admission even if there is no birth certificate or age proof. / **धारा 14:** जन्म प्रमाण पत्र या आयु प्रमाण न होने पर भी बच्चों को प्रवेश से वंचित नहीं किया जाएगा।
- **Section 15:** The child will not be denied admission in the school after the scheduled date of admission and admission will be given from the scheduled date to 6 months (September 30) / **धारा 15:** प्रवेश की निर्धारित तिथि के पश्चात बच्चे को विद्यालय में प्रवेश से वंचित नहीं किया जायेगा तथा निर्धारित तिथि से 6 माह (30 सितम्बर) तक प्रवेश दिया जायेगा।

- **Section 16:** No child will be stopped in the same class till completion of elementary education (up to Class VIII), The Child will not be repeated in same class / the child will not fail, i.e., the interception process will be prohibited. (This is called the No Detention Policy) / **धारा 16:** प्रारंभिक शिक्षा (कक्षा आठ तक) पूर्ण होने तक एक ही कक्षा में किसी भी बच्चे को नहीं रोका जाएगा, उसी कक्षा में बच्चे की पुनरावृत्ति नहीं होगी / बच्चा अनुत्तीर्ण नहीं होगा, अर्थात् अवरोधन प्रक्रिया निषिद्ध होगी। (इसे नो डिटेंशन पॉलिसी कहा जाता है)

Note: Section 16 was amended by the Central Government on 3rd January, 2019, according to which, now if a child is showing very weak educational achievement, the child can be failed if considered appropriate by the State or school. (Changes in no detention policy) / **नोट:** 3 जनवरी 2019 को केंद्र सरकार द्वारा धारा 16 में संशोधन किया गया था, जिसके अनुसार अब यदि कोई बच्चा बहुत कमजोर शैक्षिक उपलब्धि दिखा रहा है, तो राज्य या स्कूल द्वारा उपयुक्त समझे जाने पर बच्चे को फेल किया जा सकता है। (नो डिटेंशन पॉलिसी में बदलाव)

- As per Section 16, without completing primary education, the child cannot be separated from the school or the name of the child cannot be deducted. / धारा 16 के अनुसार प्राथमिक शिक्षा पूरी किए बिना बच्चे को स्कूल से अलग नहीं किया जा सकता है या बच्चे का नाम नहीं काटा जा सकता है।
- **Section 17:** The child will not be physically punished, mentally harassed and addressed with abusive words and the child will not be intimidated. In doing so, disciplinary action will be taken against the teacher. / **धारा 17:** बालक को शारीरिक दण्ड नहीं दिया जायेगा, मानसिक प्रताड़ित नहीं किया जायेगा तथा अपशब्दों से संबोधित नहीं किया जायेगा तथा बालक को धमकाया नहीं जायेगा। ऐसा करने पर शिक्षक के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।
- **Section 18:** No school will be run without government recognition. Doing so will attract a fine of one lakh rupees. If a person is found doing so again, a fine of Rs. 10,000 per day will be imposed. / **धारा 18:** कोई भी विद्यालय बिना सरकारी मान्यता के नहीं चलेगा। ऐसा करने पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगेगा। यदि कोई व्यक्ति दोबारा ऐसा करता पाया जाता है तो उस पर एक हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। प्रति दिन 10,000 लगाया जाएगा।
- **Section 19:** School's Standards and Norms. / **धारा 19 :** विद्यालय स्थापित करने के मानक और मानदंड।
- **Section 20:** Power of govt. to amend schedule. / **धारा 20:** सरकार की शक्ति, अनुसूची में संशोधन करना।
- **Section 21:** There is a provision for constitution of school management committee (S.M.C.) by the school. / **धारा 21:** विद्यालय द्वारा विद्यालय प्रबंधन समिति (एस.एम.सी.) के गठन का प्रावधान है। (उच्च प्राथमिक विद्यालयों के लिए)
- **Section 22:** There is a provision for constitution of School Development & Management Committee (S.D.M.C.) by the school. (For sr.sec. school) / **धारा 22 :** विद्यालय द्वारा विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति (एस.डी.एम.सी.) के गठन का प्रावधान है। (सीनियर सेकेंडरी स्कूल के लिए)
- **Section 23:** Qualifications for appointment of teachers are mentioned. / **धारा 23:** शिक्षकों की नियुक्ति के लिए योग्यता का उल्लेख किया गया है।
- **Section 24:** There is a mention of the duties of teachers and there is a mention of redressal of grievances. / **धारा 24:** इसमें शिक्षकों के कर्तव्यों का उल्लेख है और शिकायतों के निवारण का उल्लेख है।
- **Section 25:** It describes the ratio of student to teacher. The student teacher ratio in primary schools will be 30:1 respectively and in upper primary schools the student: teacher ratio will be 35:1 respectively. / **धारा 25:** इसमें छात्र और शिक्षक के अनुपात का वर्णन किया गया है। प्राथमिक विद्यालयों में छात्र - शिक्षक अनुपात क्रमशः 30:1 और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में छात्र- शिक्षक अनुपात क्रमशः 35:1 होगा।

- Having more than 200 students, in addition to teachers, one principal will be separate i.e. having 200 or more students, 5 teachers and 1 headmaster. / 200 से अधिक विद्यार्थी होने पर शिक्षकों के अतिरिक्त एक प्रधानाध्यापक पृथक अर्थात् 200 या अधिक विद्यार्थी, 5 शिक्षक तथा 1 प्रधानाध्यापक होगा।
- Minimum working day for primary teachers in a annual session (year): 200 days. (800 hours/year. This includes Assembly preparation time). / वार्षिक सत्र (वर्ष) में प्राथमिक शिक्षकों के लिए न्यूनतम कार्य दिवस: 200 दिन। (800 घंटे / वर्ष। इसमें विधानसभा की तैयारी का समय शामिल है)।
- Minimum working day for upper primary teachers in a annual session (year): 220 days (1000 hours/year. This includes Assembly / preparation time). / वार्षिक सत्र (वर्ष) में उच्च प्राथमिक शिक्षकों के लिए न्यूनतम कार्य दिवस 220 दिन (1000 घंटे / वर्ष। इसमें विधानसभा / तैयारी का समय शामिल है)
- In primary and upper primary schools, it is mandatory for teachers to carry out 45 hours of teaching work per week, including preparation time. / प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों के लिए तैयारी के समय सहित प्रति सप्ताह 45 घंटे का शिक्षण कार्य करना अनिवार्य है।
- **Section 26:** Any school can not have more than 10% of the total sanctioned posts vacant. / धारा 26 : किसी भी विद्यालय में कुल स्वीकृत पदों के 10% से अधिक रिक्त नहीं हो सकते।
- **Section 27:** Teachers cannot be put on duty in any work other than the 10-year census, disaster relief work and election work. / धारा 27 : शिक्षकों को 10 साल की जनगणना, आपदा राहत कार्य और चुनाव कार्य के अलावा किसी अन्य कार्य में ड्यूटी पर नहीं लगाया जा सकता है।
- **Section 28:** There is a provision for ban on private tuition by teachers. / धारा 28 : शिक्षकों द्वारा निजी ट्यूशन पर रोक लगाने का प्रावधान है।

Chapter 5 / अध्याय 5

Completion of elementary education and its curriculum (Section: 29 to 30) / प्रारंभिक शिक्षा का समापन और उसका पाठ्यक्रम (धारा : 29 से 30)

- **Section 29:** Syllabus for elementary education and its evaluation process will have to be prepared on written information by the government. / धारा 29: प्रारंभिक शिक्षा का पाठ्यक्रम एवं उसकी मूल्यांकन प्रक्रिया शासन द्वारा लिखित सूचना पर तैयार करनी होगी।
- It is mandatory to complete elementary education and its course by the prescribed time/R शिक्षा एवं उसके पाठ्यक्रम को निर्धारित समय तक पूर्ण करना अनिवार्य है
- **Section 30:** Examination and completion certificate. / धारा 30: परीक्षा और शिक्षा पूर्णता प्रमाण पत्र।
 - (1) No child shall be required to pass any Board examination till completion of elementary education. / प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक किसी भी बच्चे को बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता नहीं होगी।
 - (2) Every child completing his elementary education shall be awarded a certificate, in such form and in such manner, as may be prescribed. / अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने वाले प्रत्येक बच्चे को एक प्रमाण पत्र, ऐसे रूप में और इस तरह से दिया जाएगा, जैसा कि निर्धारित किया जा सकता है।
 - (3) Under Section 30, it will be mandatory for the school and teachers to keep the child's learning record. / धारा 30 के तहत, स्कूल और शिक्षकों के लिए बच्चे के सीखने का रिकॉर्ड रखना अनिवार्य होगा।

Chapter 6 / अध्याय 6

Protection of rights of children (Section 31-34) / बच्चों के अधिकारों का संरक्षण (धारा 31-34)

- **Section 31:** Mention of State and National Child Protection Commission. / धारा 31: राज्य एवं राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग का उल्लेख।
- **Section 32:** Provision for redressal of grievances of children and appeals in Child Protection Commission. / धारा 32: बच्चों की शिकायतों के निवारण एवं बाल संरक्षण आयोग में अपील का प्रावधान।
- **Section 33:** Constitution of National Advisory Council consisting of 15 members and headed by the Minister of Human Resource Development. (presently head: Ramesh Pokhriyal Nishank) / धारा 33 : राष्ट्रीय सलाहकार परिषद का गठन जिसमें 15 सदस्य हों और जिसकी अध्यक्षता मानव संसाधन विकास मंत्री करें। (वर्तमान प्रधान: रमेश पोखरियाल निशंक)
- **Section 34:** Constitution of State Advisory Council consisting of 15 members and headed by the State's Education Minister. / धारा 34: राज्य के शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में 15 सदस्यों वाली राज्य सलाहकार परिषद का गठन।

Chapter 7 / अध्याय 7

Miscellaneous (Section 35 to 38) / विविध (धारा 35 से 38)

- **Section 35:** Proper government issued guidance principles from time to time. / धारा 35: उचित शासन द्वारा समय-समय पर दिशा-निर्देश सिद्धांत जारी किये जायेंगे।
- **Section 36:** Provision for obtaining permission from competent authority before proceeding with the offense punishable as per Section 13 18, 19. / धारा 36: धारा 13, 18, 19 के अनुसार दंडनीय अपराध पर कार्यवाही करने से पूर्व सक्षम प्राधिकारी से अनुमति प्राप्त करने का प्रावधान।
- **Section 37:** No suit can be filed in the court against the decision given by the central government, state government, local authority & SMC. / धारा 37 : केंद्र सरकार, राज्य सरकार, स्थानीय प्राधिकरण और एसएमसी द्वारा दिए गए निर्णय के खिलाफ अदालत में कोई मुकदमा दायर नहीं किया जा सकता है।
- **Section 38:** The provision of implementing RTE by making rules by the appropriate government means that the state government can implement the RTE itself with some amendments keeping in mind its interests. / धारा 38: उपयुक्त सरकार द्वारा नियम बनाकर आरटीई को लागू करने के प्रावधान का अर्थ है कि राज्य सरकार अपने हितों को ध्यान में रखते हुए कुछ संशोधनों के साथ ही आरटीई को लागू कर सकती है।

Note 01): In the new Education Policy 2020, RTE 2009 has been extended to children from 6 years to 18 years of age. That is, right to free and compulsory education act is implemented till class XII. / नोट: 01) नई शिक्षा नीति 2020 में आरटीई 2009 को 6 वर्ष से 18 वर्ष तक के बच्चों के लिए बढ़ा दिया गया है। यानी मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम बारहवीं कक्षा तक लागू है।

Note 02): The 86th Constitutional Amendment 2002 made education of children of class six to 14 years a legal right for the first time. & no.11th Fundamental duty also added by 86th Constitutional Amendment. / नोट 02): 86वें संविधान संशोधन 2002 ने कक्षा छह से 14 वर्ष के बच्चों की शिक्षा को पहली बार कानूनी अधिकार बनाया। और संख्या 11वां मौलिक कर्तव्य भी 86वें संविधान संशोधन द्वारा जोड़ा गया।

Note 03): India is the 135 order to implement the Aarti while the first country is Norway. / नोट 03): भारत आरती को लागू करने के लिए 135 वें स्थान पर है जबकि पहला देश नॉर्वे है।

Note 04): RTE has been combined with Constitution's Article 21 to give it the form of Fundamental Rights by amend article 21. / **नोट 04):** आर्टीई को संविधान के अनुच्छेद 21 के साथ जोड़कर इसे मौलिक अधिकारों का रूप देने के लिए अनुच्छेद 21 में संशोधन किया गया है।

Note 05): Article 45 in The Constitution Of India Provision for free and compulsory education for children The State shall endeavour to provide, within a period of ten years from the commencement of this Constitution, for free and compulsory education for all children until they complete the age of fourteen years. / **नोट 05):** भारत के संविधान में अनुच्छेद 45 बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान राज्य इस संविधान के प्रारंभ से दस वर्ष की अवधि के भीतर सभी बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करेगा जब तक कि वे चौदह वर्ष की आयु पूरी करें।

Note 06): R.T.E 2009 Related with / Effected The fundamental duty of Part - 4,, Article 45 and Fundamental Rights Article 21a. / **नोट 06):** R - T-E 2009 संबंधित / प्रभावित भाग - 4 के मौलिक कर्तव्य, अनुच्छेद 45 और मौलिक अधिकार अनुच्छेद 21a ।

NCF-2005

National Curriculum Framework commonly known as 'NCF' is driven with the vision to address issues such as equality of opportunities, assessing learning, quality experiences, educational purposes, etc. / **राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा** को आमतौर पर 'NCF' के रूप में जाना जाता है, जो अवसरों की समानता, सीखने के आकलन, गुणवत्ता के अनुभव, शैक्षिक उद्देश्यों आदि जैसे मुद्दों को संबोधित करने के लिए दृष्टि से संचालित किया जाता है।

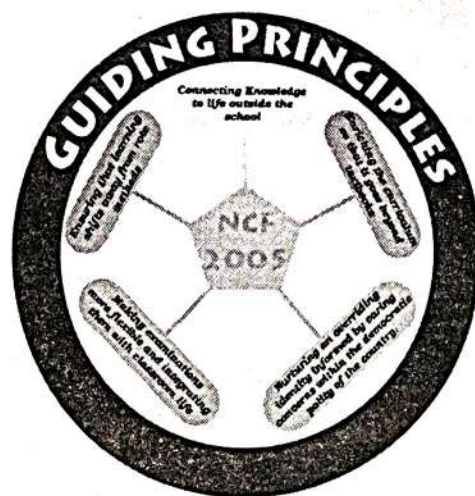


- The Ministry of Education had set up a National Advisory Committee, under the chairmanship of Yash Pal Ji to study the issue of overburdening of school children. The committee is also known as the Yash Pal Committee. / शिक्षा मंत्रालय ने स्कूली बच्चों पर अत्यधिक बोझ के मुद्दे का अध्ययन करने के लिए यशपाल जी की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय सलाहकार समिति का गठन किया था। समिति को यशपाल समिति के नाम से भी जाना जाता है।
- There are four NCFs published in India by NCERT, which include NCF 1975, NCF 1988, NCF 2000, and NCF 2005. / NCERT द्वारा भारत में चार NCF प्रकाशित किए गए हैं, जिनमें NCF 1975, NCF 1988, NCF 2000 और NCF 2005 शामिल हैं
- **NCF 2005** has been translated into 22 languages and has influenced the syllabus in 17 states. / **NCF 2005** को 22 भाषाओं में अनुवादित किया गया है और 17 राज्यों में पाठ्यक्रम को प्रभावित किया है। Drafting committee has 35 members and 21 focus groups / एनसीईफ में 35 सदस्य और 21 फोकस समूह हैं
- NCF-2005 is the National Curriculum Framework published in 2005, by the National Council of Education, Research, and Training (NCERT). / NCF-2005, राष्ट्रीय शिक्षा परिषद, अनुसंधान और प्रशिक्षण (NCERT) द्वारा 2005 में प्रकाशित राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा है।
- It emphasizes making classroom activities more flexible and related to daily life. / यह कक्षा की गतिविधियों को अधिक लचीला और दैनिक जीवन से संबंधित बनाने पर जोर देता है।
- According to the National Curriculum Framework 2005, the learning is active and social in nature because a passive curriculum cannot contribute to the social, physical, intellectual development of the child. / राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 के अनुसार, शिक्षण सक्रिय और प्रकृति में सामाजिक है क्योंकि एक निष्क्रिय पाठ्यक्रम बच्चे के सामाजिक, शारीरिक, बौद्धिक विकास में योगदान नहीं कर सकता है।

Five Guiding Principles of NCF / पाँच मार्गदर्शक सिद्धांत

Connecting knowledge to life outside the school / विद्यालय से बाहर के जीवन से ज्ञान को जोड़ना

- Ensuring that learning shifts away from rote methods / यह सुनिश्चित करना कि अध्ययन रटने के तरीके से दूर हो रहा है
- Enriching the curriculum so that it goes beyond textbooks / पाठ्यक्रम को बालक के सर्वांगीण विकास के लिए समृद्ध करना
- Making examinations more flexible and integrating them with classroom life / परीक्षाओं को अधिक लचीला बनाना और कक्षा जीवन के साथ उन्हें एकीकृत करना
- Nurturing an overriding identity informed by caring concerns within the democratic polity of the country / देश की लोकतांत्रिक राजनीति के भीतर चिंताओं को ध्यान में रखते हुए एक अतिव्यापी पहचान का पोषण करना



The Five Major Salient features of NCF 2005 / NCF 2005 की पांच प्रमुख विशेषताएं

1. Its main objective was to constructivist learning with the child-centric learning process, learning without burden, promoting multilingual education, replacing rote learning. / इसका मुख्य उद्देश्य बाल-केंद्रित अधिगम की प्रक्रिया के साथ, बिना बोझ के अधिगम, बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देना, रट कर सीखने को प्रतिस्थापित करना आदि का निर्माण करना था।
2. It ensures that students do not just learn mechanically without thinking. / यह सुनिश्चित करता है कि छात्र बिना सोचे-समझे यंत्रवत सीखें।
3. A lot of examination and assessment reforms were also introduced through NCF. / NCF माध्यम से बहुत सी परीक्षा और मूल्यांकन सुधार भी पेश किए गए।
4. Financial reforms are not the feature of NCF 2005. / वित्तीय सुधार NCF 2005 की विशेषता नहीं हैं।
5. NCF promotes universal enrollment and retention of children by formulating child-centred approach. / NCF बाल-केंद्रित दृष्टिकोण तैयार करके बच्चों के सार्वभौमिक नामांकन और प्रतिधारण को बढ़ावा देता है।

NCF 2005 recommended major shifts / NCF 2005 ने निम्नलिखित में प्रमुख बदलावों की सिफारिश

- Teacher centric stable design to learner-centric flexible process / शिक्षार्थी केंद्रित लचीली प्रक्रिया के लिए शिक्षक केंद्रित स्थिर रूपरेखा बनाना
- Teacher direction and decision to learner autonomy / शिक्षक की दिशा और शिक्षार्थी स्वायत्तता का निर्णय
- Teacher guidance and monitoring to facilitator and agent of encouragement to learning / शिक्षक मार्गदर्शन और नियंत्रण और अधिगम के लिए प्रोत्साहन के लिए प्रतिनिधि
- Passive reception to achieve participation in learning / अधिगम में भागीदारी प्राप्त करने के लिए निष्क्रिय ग्रहण
- Learning in the classroom to learning in a wider social context / एक व्यापक सामाजिक संदर्भ में सीखने के लिए कक्षा में सीखना
- Knowledge given to knowledge constructed / दिए गए ज्ञान से ज्ञान का निर्माण

- Disciplinary focus to multiple and divergent exposure / विभिन्न और अपसारी प्रदर्शन के लिए अनुशासनात्मक ध्यान केंद्रित
- Exam and appraisal at times to CCE / सतत और व्यापक मूल्यांकन के लिए कभी कभी परीक्षा और मूल्यांकन

Learning Without Burden / बोझ रहित शिक्षा

- The concept of "Learning without burden" was taken up from the "Yashpal-committee report, 1993". / "बोझ रहित शिक्षा" की अवधारणा "यशपाल समिति की रिपोर्ट, 1993" से ली गई थी।
- This concept is taken to provide advice on how to lessen the burden on school children at all levels, particularly kids, while boosting learning quality, including the opportunity for lifelong self-learning and skill development. / आजीवन स्व-अधिगम और कौशल विकास के अवसर सहित, अधिगम गुणवत्ता को बढ़ावा देने के साथ-साथ सभी स्तरों पर स्कूली बच्चों, विशेष रूप से बच्चों पर बोझ को कम करने के बारे में सलाह देने के लिए यह अवधारणा ली गई है।
- NCF 2005 lays emphasis on learning without a burden in order to make learning a pleasurable experience and to move away from textbooks as a basis for testing and to relieve the stress of children. / NCF 2005, अधिगम को एक सुखद अनुभव और परीक्षण के आधार के रूप में पाठ्यपुस्तकों से दूर जाने और बच्चों के तनाव को दूर करने के लिए बिना बोझ के अधिगम पर बल देता है।
- It is also recommended that children should learn in a natural environment without having any kind of performance pressure or fear of failure. / यह भी कहा गया है कि बच्चों को किसी भी प्रकार के प्रदर्शन के दबाव या असफलता के भय से मुक्त प्राकृतिक वातावरण में सीखना चाहिए।
- As per NCF 2005, 'Over burdened school bags' is a physical inconvenience to children as NCF / एनसीएफ 2005 के अनुसार, 'अत्यधिक बोझ से दबा हुआ विद्यालय का बैग' 'एनसीएफ' के रूप में बच्चों के लिए एक शारीरिक असुविधा है:
- Focuses on shifting from content-based testing to competency-based testing / सामग्री-आधारित परीक्षण से योग्यता-आधारित परीक्षण में परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित करता है।
- Recommends major shifts in the education system to make learning joyful rather than a burden. / शिक्षा प्रणाली को बोझ के बजाय आनंदपूर्ण बनाने के लिए शिक्षा व्यवस्था में प्रमुख बदलाव की सिफारिश की।
- Emphasizes to involve children in the learning process to make them able to create their own version of knowledge. / बच्चों को ज्ञान के अपने संस्करण बनाने में सक्षम बनाने के लिए सीखने की प्रक्रिया में शामिल करने पर जोर देता है।
- Hence, over burdened school bags' is a physical inconvenience to children / अत्यधिक भार युक्त स्कूल बैग बच्चों के लिए एक शारीरिक असुविधा है।

Mathematics / गणित

- NCF 2005 emphasizes that: succeeding in mathematics should be mandatory for every child. / NCF 2005 इस बात पर जोर देता है कि गणित में सफल होना हर बच्चे के लिए अनिवार्य होना चाहिए।
- The main goal of mathematics education at the primary level is the 'mathematization' of a child's thinking. / प्राथमिक स्तर पर गणित की शिक्षा का मुख्य लक्ष्य एक बच्चे की सोच का 'गणितीयकरण' है।
- Engaging every learner with a sense of success, while at the same time offering conceptual challenges to the emerging mathematician. / प्रत्येक शिक्षार्थी को सफलता की भावना के साथ संलग्न करना, जबकि एक ही समय में उभरते हुए गणितज्ञ को वैचारिक चुनौतियों की पेशकश करना।
- Changing modes of assessment to examine the abilities of students rather than procedural knowledge. / प्रक्रियात्मक ज्ञान के बजाय छात्रों की क्षमताओं की जांच करने के लिए मूल्यांकन के तरीके बदलना

Enriching teachers with a variety of mathematical resources. / विभिन्न प्रकार के गणितीय संसाधनों के साथ शिक्षकों को समृद्ध बनाना।

Language / भाषा

- In Language, it emphasizes on implementing the three language formula with emphasis on mother tongue as the medium of instruction. / भाषा में, यह निर्देश के माध्यम के रूप में मातृभाषा पर बल देने के साथ तीन भाषा सूत्र को लागू करने पर बल देता है।
- It focuses on language as an integral part of every subject, since reading, writing, listening and speech contribute to a child's progress in all curricular areas, and therefore constitute the basis of learning. / यह हर विषय के अभिन्न अंग के रूप में भाषा पर केंद्रित है, क्योंकि पठन, लेखन, श्रवण और भाषण सभी पाठ्यक्रम क्षेत्रों में बच्चे की प्रगति में योगदान देते हैं, और इस प्रकार अधिगम का आधार बनता है।

Science / विज्ञान

- The Focus Group on "Teaching of Science" emphasized on experiment-based learning in school science curriculum. / "विज्ञान के शिक्षण" पर फोकस समूह ने स्कूल विज्ञान पाठ्यक्रम में प्रयोग - आधारित शिक्षा पर जोर दिया।
- Improving school libraries, laboratories and workshops are required to promote a culture of experiment-based learning while reducing the importance of external examinations. / परीक्षाओं के महत्व को कम करते हुए प्रयोग आधारित शिक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए स्कूल की पुस्तकालयों, प्रयोगशालाओं और कार्यशालाओं में सुधार करना आवश्यक है।
- A need was also felt to have a computer-interfaced experiments and projects utilizing database from public domain. / सार्वजनिक पक्ष से डेटाबेस का उपयोग करने वाले एक कंप्यूटर इंटरफेस प्रयोगों और परियोजनाओं की आवश्यकता महसूस की गई।
- The teaching of Science should be recast to enable children to examine and analyze everyday experiences. / बच्चों के रोजमर्रा के अनुभवों की जाँच और विश्लेषण करने में सक्षम बनाने के लिए विज्ञान के शिक्षण की पुनरावृत्ति होनी चाहिए।

Environment Education / पर्यावरण शिक्षा

- Environment Education should become part of every subject. / पर्यावरण शिक्षा हर विषय का हिस्सा बनना चाहिए।

Social Science / सामाजिक विज्ञान

- It also recommends a paradigm shift to study Social Sciences from the perspective of marginalized groups. It recommends gender justice and sensitivity to tribal and Dalit issues and minority sensibilities. / यह वंचित समूहों के परिप्रेक्ष्य से सामाजिक विज्ञान का अध्ययन करने के लिए एक बदलाव की भी सिफारिश करता है। यह जनजातिय और दलित मुद्दों और अल्पसंख्यक संवेदनशीलता के लिए लैंगिक न्याय और संवेदनशीलता की सिफारिश करता है।

Art Education / कला शिक्षा

- The NCF 2005 has recommended Art as a subject at all stages covering all four major spheres, i.e. music, dance, visual arts, and theatre. / NCF 2005 ने सभी चार प्रमुख क्षेत्रों, अर्थात् संगीत, नृत्य, दृश्य कला और रंगमंच का आच्छादन करने वाले सभी चरणों में एक विषय के रूप में कला की सिफारिश की है।

- Art Education is not only relevant for developing creativity and appreciation of art among students but is also necessary for inculcating art-based enquiry skills in the students. / कला शिक्षा ना केवल छात्रों में रचनात्मकता और कला की प्रशंसा विकसित करने के लिए प्रासंगिक है, बल्कि छात्रों में कला-आधारित पूछताछ कौशल को विकसित करने के लिए भी आवश्यक है।
- To know the importance of India's heritage crafts, both in terms of their economic and aesthetic values. / भारत के विरासत शिल्प के महत्व को उनके आर्थिक और सौंदर्य दोनों मूल्यों के संदर्भ में जानना।
- To develop students' personalities and mental health / छात्रों के व्यक्तित्व और मानसिक स्वास्थ्य को विकसित करने के लिए।
- To spread awareness of India's vast and diverse art heritage / भारत की विशाल और विविध कला विरासत के बारे में जागरूकता फैलाना।
- To develop creative and critical thinking skills among student / छात्रों में रचनात्मक और महत्वपूर्ण सोच कौशल विकसित करना।

According to NCF Role of Teacher is / NCF के अनुसार शिक्षक की भूमिका है

- The National Curriculum Framework 2005 of India expects a teacher to be a facilitator of children's learning in a manner that helps children to construct knowledge. / भारत के राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 में एक शिक्षक से यह अपेक्षा की गई है कि वह बच्चों के सीखने में एक सहायक हो, जिससे बच्चों को ज्ञान का निर्माण करने में मदद मिले।
- A teacher also functions as a learner, counselor, manager, assessor, and innovator. / एक शिक्षक भी एक शिक्षार्थी, परामर्शदाता, प्रबंधक, मूल्यांकनकर्ता और प्रवर्तक के रूप में कार्य करता है।
- The role of the teachers is considered to view learners as active participants in their learning and not as recipients of knowledge / शिक्षकों की भूमिका को शिक्षार्थियों को उनके सीखने में सक्रिय प्रतिभागियों के रूप में देखने के लिए माना जाता है न कि ज्ञान के प्राप्तकर्ता के रूप में।
- NCF-2005 encourages inclusive education system because it is about making school a place where all children can participate and learn / NCF2005 समावेशी शिक्षण प्रणाली को प्रोत्साहित करता है क्योंकि यह स्कूल को एक ऐसी जगह बनाने के बारे में है जहाँ सभी बच्चे भाग ले सकते हैं और सीख सकते हैं।

Kothari Commission / कोठारी आयोग

- The Kothari Commission was appointed by the Government of India to overhaul the Indian Education sector. / कोठारी आयोग की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा भारतीय शिक्षा क्षेत्र में सुधार के लिए की गई थी।
- It was formed on 14 July 1964. / इसका गठन 14 जुलाई 1964 को हुआ था।
- It was formed under the Chairmanship of Daulat Singh Kothari. / इसका गठन दौलत सिंह कोठारी की अध्यक्षता में किया गया था।
- He was the then chairman of the University Grants Commission (UGC). / वह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के तत्कालीन अध्यक्ष थे।
- It was dissolved on 29 June 1966. / इसे 29 जून 1966 को भंग कर दिया गया था।
- Kothari Commission was the sixth commission in India, post-independence, but it was the first commission mandated to comprehensively deal with India's education sector. / स्वतंत्रता के बाद, कोठारी आयोग भारत में छठा आयोग था, लेकिन यह भारत के शिक्षा क्षेत्र से व्यापक रूप से समस्याओं के समाधानों के लिए अनिवार्य पहला आयोग था।



- In a span of 21 months, the Commission had interviewed 9000 people who were working as scholars, educators and scientists. / आयोग ने 21 महीने की अवधि में 9000 लोगों का साक्षात्कार लिया था जो विद्वानों, शिक्षकों और वैज्ञानिकों के रूप में काम कर रहे थे।
- The Report was submitted by the Kothari Commission on 29th June 1966 to M. C. Chagla, the then minister of education. / कोठारी आयोग द्वारा 29 जून 1966 को तत्कालीन शिक्षा मंत्री एम. सी. छागला को रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी।



The Three Language Formula as stated in the 1968 Policy is / भाषा के संबंध में कोठारी आयोग द्वारा अनुशंसित नीति त्रिभाषा सूत्र है:

- The formula is enunciated in the 1968 National Policy Resolution. / यह सूत्र 1968 के राष्ट्रीय नीति प्रस्ताव में प्रतिपादित किया गया है
- Which provided for the study of Hindi, English and regional language of the respective States. / जो संबंधित राज्यों की हिंदी, अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषा के अध्ययन के लिए प्रदान करता है।
- In the NEP 2020, it was decided to push for the three-language formula, to promote multilingualism and national unity. / NEP 2020 में, बहुभाषावाद और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए त्रि-भाषा सूत्र पर जोर देने का निर्णय लिया गया था।
- **Three Language Formula (Kothari Commission 1968) / त्रिभाषा सूत्र (कोठारी आयोग 1968)**
 1. **First language:** It will be the mother tongue. / यह मातृभाषा होगी।
 2. **Second language:** In Hindi speaking states, it will be other modern Indian languages or English. / **हिंदी भाषी:** राज्यों में यह अन्य आधुनिक भारतीय भाषाएं या अंग्रेजी होगी।
In non-Hindi speaking states, it will be Hindi or English. / **गैर - हिंदी भाषी राज्यों में,** यह हिंदी या अंग्रेजी होगी।
 3. **Third Language:** In Hindi speaking states, it will be English or a modern Indian language. / हिंदी भाषी राज्यों में यह अंग्रेजी या आधुनिक भारतीय भाषा होगी।
- In the non-Hindi speaking state, it will be English or a modern Indian language. / **गैर-हिंदी भाषी राज्य में,** यह अंग्रेजी या एक आधुनिक भारतीय भाषा होगी।

Other Major recommendations of Kothari Commission (1964-66) / कोठारी आयोग की अन्य प्रमुख सिफारिशें (1964-66)

- Common schools system to ensure the equalization of educational opportunities for all children. / सभी बच्चों के लिए शैक्षिक अवसरों के समानीकरण को सुनिश्चित करने के लिए सामान्य स्कूल प्रणाली। 10+2+3 structure of education. (10 years of General Education + 2 years of Higher Education + 3 years of degree) / 10 + 2 + 3 शिक्षा की संरचना। (सामान्य शिक्षा के 10 वर्ष उच्च शिक्षा के 2 वर्ष + 3 वर्ष की डिग्री)
- Neighbourhood school (Every school has to admit each and every child within its prescribed locality irrespective of their caste, religion, and community) / पड़ोस के स्कूल (हर स्कूल को अपने प्रत्येक स्थानीय बच्चे को उसकी जाति, धर्म और समुदाय के भेदभाव के बिना प्रवेश देना होता है)

- The Union Ministry of Education released the National Curriculum Framework for Foundational Stage (NCF-FS). / केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने मूलभूत चरण (NCF - FS) के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा जारी की।
- The National Curriculum Framework (NCF) for the Foundational Stage is developed based on the vision of the National Education Policy (NEP) 2020, and to enable its implementation. / राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 की दृष्टि के आधार पर और इसके कार्यान्वयन को सक्षम करने के लिए मूलभूत चरण के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF) विकसित की गई है।

Curriculum / पाठ्यक्रम

- It refers to the entirety of the organised experience of students in any institutional setting towards educational aims and objectives. / यह शैक्षिक लक्ष्यों और उद्देश्यों की दिशा में किसी भी संस्थागत सेटिंग में छात्रों के संगठित अनुभव की संपूर्णता को संदर्भित करता है।
- There are other matters that directly affect a Curriculum and its practice or are integrally related while not being within the Curriculum. These include: / ऐसे अन्य मामले हैं, जो पाठ्यचर्या और उसके अभ्यास को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं या पाठ्यचर्या के अंतर्गत न होते हुए अभिन्न रूप से संबंधित हैं। इसमें शामिल है:
 - ♦ The Teachers and their capacities / शिक्षक और उनकी क्षमताएं
 - ♦ The involvement of parents and communities / माता-पिता और समुदायों की भागीदारी
 - ♦ Issues of access to institutions / संस्थानों तक पहुंच के मुद्दे
 - ♦ Resources available / उपलब्ध संसाधन
 - ♦ Administrative and support structures. / प्रशासनिक और सहायक संरचनाएं।

4 Stages / 4 चरण

- NEP has created a 4-stage '5+3+3+4' curricular and pedagogical structure ! / NEP ने एक 4 चरण '5+3+3+4' पाठ्यचर्या और शैक्षणिक संरचना
- Stages: / चरण:
 - ♦ The '5' refers to the first five years of education from ages 3 to 8, called the Foundational Stage. / '5' 3 से 8 वर्ष की आयु के पहले पांच वर्षों की शिक्षा को संदर्भित करता है, जिसे आधारभूत चरण कहा जाता है।
 - ♦ Age 8-11 (Preparatory Stage) / उम्र 8 - 11 (प्रारंभिक चरण)
 - ♦ 11-14 (Middle Stage) / 11-14 (मध्य चरण)
 - ♦ 14-18 (Secondary Stage) / 14-18 (माध्यमिक चरण)
- The four stages constitute school education and have been determined by the physical (including brain), social and emotional development trajectories of children, which in turn determines what is the most effective educational approach for that stage. / चार चरण स्कूली शिक्षा का गठन करते हैं और बच्चों के शारीरिक (मस्तिष्क सहित), सामाजिक और भावनात्मक विकास पथ द्वारा निर्धारित किए जाते हैं, जो बदले में यह निर्धारित करते हैं कि उस चरण के लिए सबसे प्रभावी शैक्षिक दृष्टिकोण क्या है।

Significance / महत्व

- It is this holistic overall transformation of the curriculum that will enable to positively transform overall learning experiences for students. / यह पाठ्यक्रम का एक परिवर्तन है, जो छात्रों के लिए समग्र सीखने के अनुभवों को सकारात्मक रूप से बदलने में सक्षम होगा।
- The transformative nature of this phase of education is expected to qualitatively improve the contents and outcomes of education, thereby, impacting the lives of our children towards a better future. / शिक्षा के इस चरण की परिवर्तनकारी प्रकृति से शिक्षा की सामग्री और परिणामों में सुधार होने की उम्मीद है, जिससे हमारे बच्चों के जीवन को बेहतर भविष्य की ओर प्रभावित किया जा सके।
- All studies and research related to the early period of development of a child, unambiguously leads to the conclusion that high-quality care and education during this period has a lifetime of positive consequences for all individuals and thus, the nation. / एक बच्चे के विकास की प्रारंभिक अवधि से संबंधित सभी अध्ययन और अनुसंधान स्पष्ट रूप से इस निष्कर्ष की ओर ले जाते हैं कि इस अवधि के दौरान उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल और शिक्षा का सभी व्यक्तियों और इस प्रकार राष्ट्र के लिए जीवन भर सकारात्मक परिणाम होता है।
- It is based on cutting-edge research from across the world in multiple disciplines which includes among other things better understanding in the fields of neurosciences, brain study, and cognitive sciences. / यह कई विषयों में दुनिया भर के अत्याधुनिक शोध पर आधारित है जिसमें अन्य चीजों के अलावा तंत्रिका विज्ञान, मस्तिष्क अध्ययन और संज्ञानात्मक विज्ञान के क्षेत्र में बेहतर समझ शामिल है।
- As articulated in NEP 2020, it uses 'play,' at the core of the conceptual, operational, and transactional approaches to curriculum organization, pedagogy, time and content organization, and the overall experience of the child. / जैसा कि एनईपी 2020 में व्यक्त किया गया है, यह पाठ्यचर्या संगठन, शिक्षाशास्त्र, समय और सामग्री संगठन, और बच्चे के समग्र अनुभव के लिए वैचारिक, संचालनात्मक और व्यवहारिक दृष्टिकोण के मूल में 'प्ले' का उपयोग करता है।

Foundational Stage / मूलभूत चरण

- The Foundational Stage is driven by the deep and long-term implications of the first eight years of a child's life. / मूलभूत चरण बच्चे के जीवन के पहले आठ वर्षों के गहरे और दीर्घकालिक प्रभावों से संचालित होता है।
- **Most Critical Years:** Research from across the world in multiple relevant disciplines shows that these years are the most critical for lifelong well-being and overall development of individuals physical, cognitive and socio-emotional. / सबसे महत्वपूर्ण वर्ष: कई प्रासंगिक विषयों में दुनिया भर के शोध से पता चलता है कि ये वर्ष आजीवन कल्याण और व्यक्तियों के समग्र विकास शारीरिक, संज्ञानात्मक और सामाजिक - भावनात्मक के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं।
- **Fastest Brain Development:** Neuroscience research tells that over 85% of an individual's brain development occurs by the age of 6. / सबसे तेज मस्तिष्क विकास: तंत्रिका विज्ञान अनुसंधान बताता है कि किसी व्यक्ति के मस्तिष्क का 85% से अधिक विकास 6 वर्ष की आयु तक हो जाता है।
- **Early Childhood Care and Education (ECCE):** / प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ECCE):
 - The 'Early Childhood Care and Education' (ECCE), which refers to the care and education of children from birth to eight years, is of central importance to all societies. / 'प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा' (ECCE), जो जन्म से लेकर आठ वर्ष तक के बच्चों की देखभाल और शिक्षा को संदर्भित करता है, सभी समाजों के लिए केंद्रीय महत्व का है।

- Children of ages 0-3 are mostly taken care of at home; institutional settings take over from age 3 onwards, so the Foundational Stage addresses ECCE for ages 3-8 / 0-3 आयु वर्ग के बच्चों की ज्यादातर देखभाल घर पर ही की जाती है; संस्थागत सेटिंग्स 3 साल की उम्र से शुरू होती हैं, इसलिए फाउंडेशनल स्टेज 3-8 साल की उम्र के लिए (ECCE) को संबोधित करती है।
- This would include pre-schools, kindergartens, nursery, Aanganwadis, etc - all institutions that take care of children ages 3-6, and classes 1 and 2 across all schools. / इसमें प्री-स्कूल, किंडरगार्टन, नर्सरी, आंगनवाड़ी, आदि शामिल होंगे सभी संस्थान जो 3-6 वर्ष की आयु के बच्चों की देखभाल करते हैं, और सभी स्कूलों में कक्षा 1 और 2 की देखभाल करते हैं।

Importance of Foundational Stage / मूलभूत चरण का महत्व

- This stage will enable addressing all domains of development-physical, socio-emotional- ethical, cognitive and language as well as literacy, aesthetic and cultural aspects - more effectively. / यह चरण विकास के सभी क्षेत्रों- भौतिक, सामाजिक भावनात्मक - नैतिक, संज्ञानात्मक और भाषा के साथ-साथ साक्षरता, सौंदर्य और सांस्कृतिक पहलुओं को अधिक प्रभावी ढंग से संबोधित करने में सक्षम होगा। Developing foundational literacy and numeracy is critical for all future learning and the NCF- FS enables us to leverage all five years of the Foundational Stage to achieve this. / मूलभूत साक्षरता और अंकज्ञान का विकास भविष्य की सभी शिक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण है और एनसीएफ - एफएस हमें इसे प्राप्त करने के लिए मूलभूत चरण के सभी पांच वर्षों का लाभ उठाने में सक्षम बनाता है।
- The pedagogical approach recommended in the NCF- FS is play-based. / NCF-FS में अनुशंसित शैक्षणिक दृष्टिकोण खेल आधारित है।
 - It includes conversations, stories, songs and rhymes, music and movement, art and craft, indoor and outdoor games, field trips, being amid nature and playing with materials and toys. / इसमें वार्तालाप, कहानियां, गीत और तुकबंदी, संगीत और आंदोलन, कला और शिल्प, इनडोर और आउटडोर खेल, क्षेत्र यात्राएं, प्रकृति के बीच रहना और सामग्री और खिलौनों के साथ खेलना शामिल है।
- It emphasizes the need for teaching and learning to be situated in the context of the child. / बच्चे के संदर्भ में शिक्षण और सीखने की आवश्यकता पर बल देता है।
 - This includes use of the child's home language and usage of content such as local and traditional stories, rhymes, songs, materials, and games. / इसमें बच्चे की घरेलू भाषा का उपयोग और स्थानीय और पारंपरिक कहानियों, तुकबंदी, गीत, सामग्री और खेल जैसी सामग्री का उपयोग शामिल है।
- It is also about catering to different needs and levels of children, including children with special needs, for learning to be truly inclusive. / यह वास्तव में समावेशी सीखने के लिए विशेष आवश्यकता वाले बच्चों सहित बच्चों की विभिन्न आवश्यकताओं और स्तरों को पूरा करने के बारे में भी है।
- Assessment in the Foundational Stage is seen as an enabler for learning and development. / मूलभूत चरण में आकलन को सीखने और विकास के लिए सक्षम बनाने वाले के रूप में देखा जाता है।
 - It is an integral part of the everyday classroom process and largely based on systematic and careful observation of children and analysis of their work- such as craft, projects and simple worksheets. / यह रोजमर्रा की कक्षा प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग है और बड़े पैमाने पर बच्चों के व्यवस्थित और सावधानीपूर्वक अवलोकन और उनके काम के विश्लेषण पर आधारित है जैसे शिल्प, परियोजनाएं और सरल कार्यपत्रक।
- It focuses on building an enabling ecosystem that's necessary to make it all happen. / यह एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करता है, जो इसे पूरा करने के लिए आवश्यक है।

- This includes empowering teachers and enabling a supportive academic and administrative support system. / इसमें शिक्षकों को सशक्त बनाना और एक सहायक शैक्षणिक और प्रशासनिक सहायता प्रणाली को सक्षम करना शामिल है।
- It also emphasizes the need to ensure adequate infrastructure and learning resources in each institution. / यह प्रत्येक संस्थान में पर्याप्त बुनियादी ढाँचे और सीखने के संसाधनों को सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी बल देता है।
- The NCF-FS speaks directly to teachers. It focuses on classroom practices with real-life illustrations from a variety of contexts. It is hence relatable and provides realistic pathways for teachers and others. / NCF-FS सीधे शिक्षकों से बात करता है। यह विभिन्न संदर्भों से वास्तविक जीवन के उदाहरणों के साथ कक्षा के अभ्यासों पर केंद्रित है। इसलिए यह संबंधित है और शिक्षकों और अन्य लोगों के लिए यथार्थवादी मार्ग प्रदान करता है।

Challenges / चुनौतियाँ

- There will be several challenges arising from the needs of developing innovative methods and approaches. / नवीनतम पद्धतियों और दृष्टिकोणों को विकसित करने की आवश्यकता के कारण कई चुनौतियाँ उत्पन्न होंगी।
- Problems of access, quality-related deficiencies such as a developmentally inappropriate curriculum, the lack of qualified and trained Teachers, and less-than-optimal pedagogy. So, a lot of level up is required and at a faster speed. / बच्चों की पहुँच की समस्याएँ, गुणवत्ता संबंधी कमियाँ जैसे विकासात्मक रूप से अनुपयुक्त पाठ्यक्रम, योग्य और प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी, और कम-से-इष्टतम शिक्षाशास्त्र इन सब के लिए बहुत अधिक मेहनत की और तेज गति का अवश्यता है।
- Low enrolment and attendance in preschools compared to primary school. / प्राथमिक स्कूल की तुलना में पूर्वस्कूली में कम नामांकन और उपस्थिति।
- The challenges of achieving Foundational Literacy and Numeracy (FLN) have become deeper and more widespread because of the learning loss due to school closure during the pandemic. / महामारी के दौरान स्कूल बंद होने के कारण सीखने की हानि के कारण मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (FLN) प्राप्त करने की चुनौतियाँ गहरी और अधिक व्यापक हो गई हैं।

Panchakosha Vikas / पंचकोश विकास

Panchakosha Vikas (Five - fold Development) - A keystone in Indian tradition / पंचकोश विकास (पांच गुना विकास) - भारतीय परंपरा में एक महत्वपूर्ण पत्थर



- The child is a whole being with panchako-shas or five sheaths. The layers are annamaya kasha (physical layer), prana-maya kosha (life force energy layer), manomaya kosha (mind layer), vijnana-maya kosha (intellectual layer) and anandamaya kosha (inner self). Each layer exhibits certain distinct characteristics. The holistic development of a child takes into account the nurturing and nourishment of these five layers. / बच्चा पंचकोश या पाँच कौशों वाला एक संपूर्ण प्राणी है। परतें हैं अन्नमय काश (भौतिक परत), प्राण-माया कोश (जीवन शक्ति ऊर्जा परत), मनोमय कोश (मन की परत), विज्ञान-माया कोश (बौद्धिक परत) और आनंदमय कोश (आंतरिक स्व)। प्रत्येक परत कुछ विशिष्ट विशेषताओं को प्रदर्शित करती है। एक बच्चे के समग्र विकास में इन पाँच परतों के पोषण और पोषण को ध्यान में रखा जाता है।
- The Panchakosha concept and imagination also maps into the different domains of development envisaged in ECCE. / पंचकोश अवधारणा और कल्पना भी ईसीसीई में परिकल्पित विकास के विभिन्न क्षेत्रों में मैप करती है।
- **Physical Development (annamaya kasha):** Age-specific balanced physical development, physical fitness, flexibility, strength, and endurance; development of senses; nutrition, hygiene, personal health, expansion of physical abilities; building body and habits keeping in mind one hundred years of healthy living in a human being. / **शारीरिक विकास (अन्नमय काश):** आयु - विशिष्ट संतुलित शारीरिक विकास, शारीरिक फिटनेस, लचीलापन, शक्ति और धीरज; इंद्रियों का विकास; पोषण, स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वास्थ्य, शारीरिक क्षमताओं का विस्तार; मनुष्य में सौ साल के स्वस्थ जीवन को ध्यान में रखते हुए शरीर और आदतों का निर्माण।
- **Development of Life Energy (prana-maya kosha):** Balance and retention of energy, positive energy and enthusiasm, smooth functioning of all major systems (digestive, respiratory, circulatory, and nervous systems) by activation of the sympathetic and parasympathetic nervous system. / **जीवन ऊर्जा का विकास (प्राण - माया कोश):** सहानुभूति और परानुकंपी तंत्रिका तंत्र के सक्रियण द्वारा ऊर्जा, सकारात्मक ऊर्जा और उत्साह का संतुलन और प्रतिधारण, सभी प्रमुख प्रणालियों (पाचन, श्वसन, संचार और तंत्रिका तंत्र) का सुचारू संचालन।
- **Emotional/Mental Development (manomaya kosha):** Concentration, peace, will and will power, courage, handling negative emotions, developing virtues (maulyavardhan), the will to attach and detach from work, people and situations, happiness, visual and performing arts, culture, and literature. / **भावनात्मक / मानसिक विकास (मनोमय कोश):** एकाग्रता, शांति, इच्छा और इच्छा शक्ति, साहस, नकारात्मक भावनाओं से निपटना, सद्गुणों का विकास करना (मौल्यवर्धन), कार्य, लोगों और स्थितियों, खुशी, दृश्य और प्रदर्शन कलाओं से जुड़ने और अलग करने की इच्छा, संस्कृति और साहित्य।
- **Intellectual Development (vijnana-maya kosha):** Observation, experimentation, analytical ability, abstract and divergent thinking, synthesis, logical reasoning, linguistic skills, imagination, creativity, power of discrimination, generalization, and abstraction. / **बौद्धिक विकास (विज्ञान - माया कोश):** अवलोकन, प्रयोग, विश्लेषणात्मक क्षमता, अमूर्त और भिन्न सोच, संश्लेषण, तार्किक तर्क, भाषाई कौशल, कल्पना, रचनात्मकता, भेदभाव की शक्ति, सामान्यीकरण और अमूर्तता।
- **Spiritual Development (anandamaya kosha):** Happiness, love and compassion, spontaneity, freedom, aesthetic sense, the journey of 'turning the awareness inwards'. / **आध्यात्मिक विकास (आनंदमय कोश):** खुशी, प्रेम और करुणा, सहजता, स्वतंत्रता, सौंदर्य बोध, 'जागरूकता को भीतर की ओर मोड़ने' की यात्रा।